भारत



JI-IUA

The Gazene ot

प्राधिकार स प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52]

नई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 30, 1978 (पौष 9, 1900)

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 30, 1978 (PAUSA 9, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—बण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० 1—राष्ट्रपति द्वारा निम्न-लिखित प्रधिकारियों को उनमें से प्रस्येक के सामने दर्शाई गई प्रविध के लिए या ग्रागामी श्रादेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में ग्रवर सचिव के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्था-नापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं० नाम	भ्रवधि
1. श्री टी॰ एन॰ चन्ना	18-10-78 से
(कें)० स० से० के धनुभाग .	17-1-79 तक
ग्रधिकारी ग्रेड के स्थायी ग्रधिकारी)	
2. श्रीबी० भ्रार० वर्मा .	3-11-78 से
(के० स० से० के भ्रनुभाग भ्रधिकारी	2-2-79 सम
ग्रेड के स्थायी ग्रधिकारी)	
3. श्री बी० बी० मेहरा	18-10-78 से
(के)० स०स्टे० से० के) ग्रेड क	17-1-79 तक
के स्थायी भ्रधिकारी)	
4. श्रीबी०एस० कपूर .	9-10-78 से
(कें)० स० से० के श्रनुभाग	23-11-78 तक
ग्रधिकारी ग्रेड के स्थायी	
म्रधिकारी)	

सं० पी०/1048-प्रणा० I—सांख्यिकी विभाग में प्रवर सिचिव के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय सिचवालय सेवा ग्रेड [के ग्रिधकारी श्री एस० पी० शर्मा को 30-11-78 (श्रपराह्न) से संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

एस० बालचन्द्रन ग्रवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

नई विल्ली, विनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० ए-19036/16/76-प्रशा०-5—उड़ीसा राज्य पुलिस के ग्रधिकारी श्री एन० पटनायक, पुलिस उप-श्रधीक्षक, जो केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर थे, ने दिनांक 24-11-78 के अपराह्म में केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-श्रधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवार्ये राज्य प्राधिकरण को वापस सौंप दी गई।

यह इस कार्यालय की दिनांक 24-11-78 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के ग्रिधिकमण में है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० ए-20014/228/77-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के ग्रधिकारी श्री टी० के० राय को दिनांक 23-10-78 के पूर्वाह्न से श्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना की कलकत्ता (सामान्य ग्रपराध स्कन्ध) शाखा में क्रू श्रस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

> रिपुदमन सिंह प्रशासनिक प्रधिकारी (लेखा)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० ग्रो० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मँगला राजन को 4-11-1978 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० ग्रो०-दो० 992/72-स्थापना—श्री कुलदीप सिंह, पुलिस उपग्रधीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के फलस्वरूप, उनकी सेवायें दिनांक 4-10-78 से राष्ट्रीय. पुलिस ग्रायोग को सींपी जाती हैं।

> ए० के० बन्दयोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 2 दिसम्बर, 1978

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक--प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने परश्री ग्रजय कुमार सिंह, ग्राई०पी० एस० (संघ णासित क्षेत्र-64) ने दिनांक 6 नवम्बर, 1978 के ग्रपराह्म से कि० ग्रौ० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० ई-17017/6/74-कार्मिक—श्री एस० पी० बाग, भ्रग्निशमन भ्रधिकारी, एलॉय स्टील प्लांट, दुर्गापुर, इसी समय से के० भ्रौ० सु० व० के सहायक कमांडेंट की पदेन-नियुक्ति को छोड़ेंगे।

> रा० च० गोपाल महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब०

वित्त मन्त्रालय

प्रतिभृति कागज कारखाना

होशगं।बाद (म० प्र०), दिनांक दिसम्बर 1978

सं० पी० डी०/27/7706—स्थी म्रार० जी० कुलथे, फोरमैन (मोल्ड म्राफिस) को तदर्थ म्राधार पर दिनांक 27-11-78 (पूर्वाह्न) से 6 माह की म्रविध के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य प्रबन्धक (मोल्डकवर मेकिंग प्लांट) के पव पर वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० पी० एफ०-7 (36)/7688—इस कार्यालय की अधिसूचना ऋ० 7(36) 5641 दिनांक 17-10-78 के आगे श्री एस० टी० सिरसट को स्थानापन्न रूप से दिनांक 31-3-79 तक अग्निशमन अधिकारी के पद पर तवर्थ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है या जब भी यह पद नियमित आधार पर भरा जाये। इनमें से जो भी पहले हो।

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० ए० डी०/4/7867—श्री पी० के० सर्मा लेखापाल स्थानापन रूप से दिनांक 4-12-78 से 6-1-79 तक 34 दिनों के लिए लेखा श्रिधकारी के पद पर वेतनमान रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किए जाते हैं। यह जगह श्री ए० के० घोषाल लेखा श्रिधकारी के प्रशासनिक एवं मुख्य लेखा श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से उपरोक्त श्रवधि के लिए कार्य करने से हुई है।

ण० रा० पाठक महाप्रवन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 6 दिसम्बर 1978

सं० 1627-सी० ए० 1/66-78—ग्रपर उपनियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यक) ने श्री एस० सुन्नामनियम ग्रायर, लेखापरीक्षा ग्रधिकारी (वाणिज्यक) को भारत सरकार, गृह मन्त्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-स्थापना/ ए०/ दिनांक 26-8-77 के उपबन्ध के ग्रधीन तारीख 11-10-78 (पूर्वात्त) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की ग्रनुमति दे दी है।

> सुशील देव भट्टाचार्य संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा चण्डीगढ, दिनांक 7 नवभ्वर 1978

सं० प्रशासन-1/72-टी० एस०/78-79/5073—केन्द्रीय सिविल सेवायें (ग्रस्थाई सेवायें) नियम 5, उपनियम (1) के ग्रन्तर्गत श्री वेद प्रकाश गुप्ता, लेखा परीक्षक को नोटिस जारी करता हूं कि यह नोटिस दिए जाने के एक महीने बाद की तारीख से या जैसी स्थिति उसे निवेदित हो, से उसकी सेवा समाप्त समझी जाएगी। (ह०) अपठनीय

उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार, बिहार का कार्यालय रांची-2, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० स्था०-1-म्रो० डी० 3573—महालेखाकार बिहार रांची भ्रपने कार्यालय के स्थायी ग्रनुभाग ग्रधिकारी श्री मृदुल कुमार दत्ता को ग्रपने कार्यालय में ही विनांक 31-8-78 के पूर्वाह्म से भ्रगला भ्रावेश होने तक स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था० 1-म्रो० डी०-3601—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री गिरीश चन्द्र लाल श्रीवास्तव को अपने कार्यालय में ही विनांक 31-8-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पव पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था० 1-म्रो० डी०-3582— महालेखाकार बिहार रांची भ्रपने कार्यालय के स्थायी भ्रनुभाग ग्रधिकारी श्री दिलीप कुमार दत्त को ग्रपने कार्यालय में ही दिनांक 31-8-78 (एफ० एन०) के पूर्वाह्म संभागला श्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था०-1 श्रो० डी०-3592—महालेखाकार बिहार रांची श्रपने कार्यालय के स्थायी धनुभाग श्रधिकारी श्री प्रशान्त कुमार राय को श्रपने कार्यालय में ही दिनांक 29-4-78 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर सहवं प्रोन्नत करते हैं।

(ह०) श्रपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशा०) बिहार

महालेखाकार का कार्यालय मध्यप्रदेश ग्वालियर, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० स्थापना-ग्यारह/एस० बाला०/300—श्री एस० बालाकृष्णनन् स्थायी लेखा ग्रिधिकारी कार्यालय महालेखाकार (द्वितीय) मध्य प्रवेश ग्वालियर, ग्रिधिवाधिकीवय प्राप्त होने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1978 अपराह्म से शासकीय सेवाओं से सेवा निवृत्त हुए।

पी० एस० भागर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय केरल तिरुवनन्तपूरम, विनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० स्थापना/हकदारी/6/10-3/— महालेखाकार का कार्यालय, केरल के लेखा श्रधिकारी श्री सी० श्रार० माधव वारियर श्रधिवार्षिता प्राप्त होने के कारण 30 नवम्बर 1978 ग्रपराह्म को सेवानिवृत्त हो गए।

> भ्रार० के० ए० सुब्रहमण्या महालेखाकार

कार्यालय निवेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवायें

नई विल्ली, विनांक 1978

सं० 4370/ए/प्रशासन/130/75-78—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें भ्रधिनस्थ लेखा लेवा के स्थायी सदस्य श्री डी० के० सेन गुप्ता को वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक आयुध फैक्टरी कार्यालय जबलपुर में दिनांक 16-10-78 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रिधकारी के रूप में श्रगले आदेश सक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कें० बी० दास भौमिक वरिष्ठ उप निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवायें

रक्षा मन्त्रालय

डी० जी०श्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा महानिदेशालय, ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० 15/78/ए/ई-1—नार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्तकर, श्री ग्रनिमेश दास गुप्त, मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ग्रो० दिनांक 31-11-1978 (श्रपराह्म) सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० श्रो० एफ०/प्रशासन कृते महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्ट्रियाँ

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० 81/जी/78—-राष्ट्रपति जी, श्री डी० एन० सरकार को अस्थायी ए० डी० जी० भ्रो० एफ० ग्रेड-II के पद पर, दिनांक पहली जनवरी, 1978 से 30 सितम्बर, 1978 तक नौ माह की श्रवधि के लिए पुनः नियुक्त करते हैं।

सं० 82/जी/78—स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्ति के निमित्त प्रदत्त तीन माह की सूचना की समाप्ति पर, श्री एस० एन० ए० अध्यर, स्थानापक ए० डी० जी० ग्री० एफ० ग्रेड-II (मौलि क एवं स्थायी वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ग्री० एफ०) (सर्वश्री लासको स्टील लिमिटेड, डोइडम्पट्टी में प्रति नियुक्ति पर), दिनांक 17 नवम्बर, 1977 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 83/जी/78—-राष्ट्रपति जी, श्रो ग्रार० एन० महेन्द्र मौलिक एवं स्थायी वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० श्रो० एफ० 1 सहायक निदेशक का त्यागपत्न दिनांक पहली ग्रप्नैल, 1976 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

> वी० के० मेहता सहायक महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक श्रापूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय
मुख्य नियन्त्रक, श्राथात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1978
श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 8/873/69-प्रशासन (राज)/8598—श्री एम० एम० सोलंकी को 18-3-1976 (अपराह्म) से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक के पद पर (नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में पुन: नामोदिष्ट) बहाल किया जाता है।

श्री सोलंकी को 18-3-76 (ग्रपराह्न) को भेवा निवृत्ति से पूर्व निलम्बित कर दिया गया था श्रौर इस प्रकार वे निलम्बित ही रहेंगे।

इस कार्यालय की ग्रधिसूचना सं० 6/873/69-प्रशासन (राज०) दिनांक 19-7-1976 एसद्द्वारा रह की जाती है।

का० वें० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक

इस्पात श्रीर खान मन्त्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक

1978

सं० 6609ए० 32/69/19सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री पूर्णेन्दु सिन्हा ने सहायक भूवैज्ञानिक श्री पूर्णेन्दु सिन्हा ने सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार 16-5-1977 के पूर्वाह्न से त्याग दिया है ताकि वे पिष्टचम बंगाल सरकार के राज्य जल बोर्ड में, विरुठ भवैज्ञानिक के पद का कार्यभार प्रतिनियुक्ति पर प्रथमतः एक वर्षे की श्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर ग्रहण कर सकें।

वी० एस० कृष्णस्यामी, महाः निवेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 8470बी० 2222 (म्रार० एन० जी०)/19ए—श्री रथीन्द्र नाथ घोष को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी भ्रादेश होने तक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्स से नियुक्त किया जा रहा है।

 1000-द० रो०-40-1200 ६० के बेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 28 ग्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० 8527 बी० 2222 (ब्रार० के०)/19ए०—श्री राजेश कुमार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी ब्रादेश होने तक 16 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8537बी० 51/62/19ए०—भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक प्रधिकारी श्री ए० चटर्जी सरकारी सेवा से, वार्धक्य निवर्तन पर 31 स्रगस्त, 1978 (ग्रपराह्म) से निवृत्त हो गए।

सं० 8549वी० 2222 (सी० जे० के०)/19ए०--श्री सी० जे० कुमानन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, स्रागामी श्रादेश होने तक 19 प्रक्तूबर, 1978 के पूर्वीह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8561बी० 2222 (बी० के० एम०)/19ए०--श्री विनोद कुमार माथुर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 २० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 २० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी श्रादेश होने तक 16 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8574बी० 2222 (म्रार० म्रार० एस०)/19ए०-श्री राधिका रंजन शरण को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक
वेतन पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88040-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न
क्षमता में, ग्रागामी श्रादेश होने तक 18 सितम्बर, 1978 के
पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8586बी० 2222 (एस० बी०)/19ए०—श्री सोमनाथ भट्टाचार्य को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-36-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, म्यागामी भ्रादेश होने तक 18 सितम्बर, 1978 के पूर्वाक्ष से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8598 बी० 2222 (एस० एस०)/19ए०--श्री श्यामल सिन्हा की सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता स्थानापन्न स्थानापन्न क्षमता स्थानापन्न क्षमता स्थानापन्न स्थानापन स्थानापन्न स्थानापन्न स्थानापन्न स्थानापन्न स्थानापन्न स्थानापन स्थानापन्न स्थानापन स्थान स्था

सं० 8610-बी०-2222 (डी०बी०)/19ए०-श्री दीपक बेल्लूर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द०रो०- 35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में ,स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी प्रादेश होने तक 11 सितम्बर, 1978 के श्रीह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8622-वीं 0-2222 (बों ०पीं ०पीं ०)/19ए० —श्री बाल-मीकि प्रसाद पाण्डेय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी श्रादेश होने तक 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 5 & सम्बर 1978

सं० 8701-जी०-36/76/19सी०---ग्रंडमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के मुध्य कमीश्नर सचिवालय, से उसी क्षमता में परावर्तन पर श्री एम० रामचन्द्रन ने भारतीय भूवैज्ञानिक सबक्षण में प्रशासनिक प्रधिकारी के पद का कार्यभार 14-8-78 के पूर्वाह्म से संभाल लिया है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० 8737-बी०-2222(बी० बी० एस०)/19ए० — श्री बी० वी० श्री निवासन को सहायक भुवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रावेश होने तक 27 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8749-बी०-2222(एम० के० के०)/19ए०—श्री मोह-म्मद कमल काजीम को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भातीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-12000 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, खागामी ख्रादेश होने तक 4 अक्तूबर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8792-डी०-40/59(ए० एस०/19ए०----भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण महा निदेशक ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशामनिक श्रिधिकारी श्री ए० सम्पश्च को त्याग-पन्न देने पर 30 जून, 1978 के अपराह्म से मुक्त कर विया है ताकि वे रक्षा मंत्रालय के केन्द्रीय पूफ इस्टाब्लिशमट में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रधिकारी ग्रेड-II के रूप में ग्रपनी नियुक्ति परकार्यभार ग्रहण कर सकें।

दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० 8823-बी०-2222(एन० के० एस०)/19 ए० —श्री नौरी कुमार साहू को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ब्रागामी प्रादेश होने तक 16 प्रक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्स से नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णास्वामी, महानिदेशक

राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार,

नई विल्ली-1, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० एफ० 11-9-/77-ए०-І---- प्रभिलेख निदेशक, भारत सरकार, एतद द्वारा श्री सी० पी० माथुर, सहायक ग्रभिलेखा- धिकारी (ग्रेड-І) (सामान्य) भौर इस समय जो हरियाणा सरकार में प्रतिनियुक्ति पर ग्रभिलेखाधिकारी (सामान्य) है, उनको राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार, नई दिल्ली में 24-8-77 (पूर्वाह्न) से ग्रागमी ग्रादेशों तक एफ० ग्रार०-30(1) (ग्रागमी निम्न नियम) के निम्न परन्तुक के भ्रन्तर्गत विहित पदोन्नति की सस्वीकृति देते हैं।

श्री नन्दन प्रसाद, ग्रिभिलेख निदेशक

सूचना ग्रार प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० 8/21/50-सिबन्दी-I--श्री महेन्द्र कुमार जै, स्थायी अधीक्षक श्रार स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय श्रधिकारी फिल्म प्रभाग बम्बई वार्धक्य वय प्राप्त होने के वजह, दिनांक 30-11-1978 के श्रपराह्म से सेवा से निवृत्त हुए।

एम० चन्द्रन नायर, प्रशासकीय ग्रधिकारी, कृते मुख्य निर्माता

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/76-एड-15965--नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के ध्रस्थायी सहायक कार्मिक
ग्रिधकारी श्री पी० वेणुगोपालन की उस परियोजना से
स्थानान्तरित हो जाने पर, 10 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से

भ्रगले भ्रावेश तक के लिये विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में सहायक कार्मिक भ्रधिकारी ग्रेड (650-960 रुपये) का भ्रधिकारी नियुक्त किया जाता है।

> स्रार० वी० बाजपेयी, सामान्य प्रशासनिक श्रधिकारी इस्ते निदेशक

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० पी० ए० प्रार०/0704/2789—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री बी० एच० एल० जी० शास्त्री, भौद्योगिक प्रस्थायी प्राशुलिपिक (प्रवरण कोटि) को 6-12-78 से 5-1-79 प्रयथा प्रागामी प्रादेशों जो भी पहले घटित हों, तक के लिये नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में छुट्टी की रिक्ति पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

यु० <mark>वासुदेव राव,</mark> प्रणासन स्रधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

श्रणुशक्ति, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं रापविष / 04627/1 (400)/78/स्थल/प्रशां ०-216— नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, परमाणु ऊर्जा विभाग, डा॰ नरोरा (७० प्र०) में स्थानान्तरण के फलस्वरूप राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी सहायक फोर-मैंन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक प्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस॰ बी॰ श्री वी॰ के॰ श्रीवास्तव ने इस परियोजना में श्रपने पद का कार्य-भार तारीख 30 नवम्बर, 1978 (श्रपराक्ष) को छोड़ दिया।

> गोपाल सिह प्रशासन ग्रिधिकारी (स्थापना)

तारापुर परमाणु बिजली घर

याना-401504, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० टी०ए०पी०एस०/1/34(1)/77-प्रार० (जि०-II)— मुख्य ग्रधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित व्यक्तियों को, उनकी पदोन्तित ग्रगले ग्रेड में हो जाने पर, 1 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से, 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 स्पर्य के वेतनमान में उसी बिजलीघर में बैज्ञानिक श्रिष्ठिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पदों पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

कम नाम तथा पवनाम

सं०

- 1. श्री डी० एन० घोष, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
- 2. श्री एस० बी० श्रमयंकर, श्रापटसमैन, 'सी'
- 3. श्री एच० एम० ग्रग्रवाल, ड्राफ्टसमैन, 'सी'

ए० डी० देसाई, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम, दिनांक 22 नवस्बर 1978

सं० ए० 32023/1/77-श्रार०-20937—-रिएक्टर अनु-संधान केन्द्र के परियोजना, निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी श्राणुलिपिक और इस केन्द्र के स्थानापन्न प्रवरण कोटि श्राणुलिपिक श्री णचीन्द्रम रामासुब्बा श्रय्यर सम्बंशिवन को 1 नवम्बर, 1978 से श्रगले श्रादेश तक के लिये इस केन्द्र में सहायक प्रणासनिक श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> ए० सेतुमाधवन, प्रशासनिक ग्रधिकारी कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन ग्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० ई० (1) 07419—मौसम विज्ञान के महानिदेशक, मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक, (पूर्वानुमान,) पुणे के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री जैस एन्योनी को भारत मौसम विज्ञान सेवा में ग्रुप 'बी' (केन्द्रीय जन सेवा, ग्रुप 'बी') में 2 नवम्बर, 1978 पूर्वाह्म से स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एन्थोंनी स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक, (उपकरण), पुणे के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

जी० श्रार० गुप्ता, मौसम विज्ञानी कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ प्राधार पर सहायक संचार ग्रिक्षकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में तैनात किया है। ये नियुक्तियां श्री पी० एस० म्रार० पिल्ले और श्री बी० एस० पिल्ले सहायक संचार मिश्रिकारियों के स्थान पर की गई है जिन्हें क्रमशः दिनांक 1-5-78 से 92 दिन श्रीर 10-5-78 से 50 दिन की श्रीजत छुट्टियां मजूर की गई है:—

क्रम स०	नाम	कार्यभ	गार संभालने की तारीख
 श्री ए० एन० श्री के० पी० 		22-5-78 21-5-78	(3) (1)

दिनांक 8 नवम्बर 1978

स० ए० 2025/1/78-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो प्रधिकारियों को नागर विमानन विमाग के वैमानिक संघार संगठन में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने अंकित स्टेशन पर तैनात किया है:—

ऋ० सं∘	नाम	पदनाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
स	र्वेश्री :			
	रुण कुमार रक≀र	तकतीकी श्रधिकारी	वैमानिक संघार स्टेशन कलकत्ता	6-1 1-78 (पूर्वाह्न)
	ोरेन्द्र ब हादुर संह	संघार श्रधिकारी	वैमा निक संघार स्टेशन इलाहाबाद	13-11-78 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कृष्ण लाल, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, कोटा को दिनांक 11-10-78 (पूर्वाह्न) से तदर्थ ग्राधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुवत किया है ग्रांप उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी, में तैनात किया है।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—नागर वसानन विभाग के निम्निलिखित दो अधिकारियों ने निवर्तन श्रायु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

कम सं०	नाम	पदनाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार छोड़ने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वे भी 1. पी	' : ∘ुपालोस	संचार श्र _ि धकारी	वैमानिक संचार स्टेणन बम्बई	31-10-78 (भ्रपराह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
 2. कें०	श्रीनिवासन	वरिष्ट तकनीकी ग्रधिकारी	वैमा(नक संचार स्टेशन मद्रास	31-10-78 (श्रपराह्न)

सं०ए० 38013/1/77-ई० सी०--श्री पी० जी० साठे, सहायक तकतीकी अधिकारी वैमानि क संचार स्टेशन, बम्बई ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 अक्तूबर, 1978 (श्रपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

तं ० ए-12032/5/75-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी० एस० बटरा, सहायक विमान क्षेत्र श्रिधकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली का दिनांक 19 जनवरी, 1976 से सरकारी सेवा से स्थाग पत्र स्वीकार कर लिया है।

2. एतदहारा, इसविभाग की दिनांक 20 फरवरी, 1976 को समसंख्यक स्रिध्युचना रद्द की जाती है।

> वी० <mark>वी० जोहरी,</mark> सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० ए-19013/5/72-ई०-^I—श्री ए० के० सरकार, उप-महानिदेशक, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली का दिनांक 29 नवम्बर, 1978 को स्वर्गवास हो गया है।

> सी० के० वस्स सहायक निदेशक प्रणासन

वन ग्रानुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनोक ७ दिसम्बर 1978

सं 016/69/66-स्थापना-I—- प्रध्यक्ष, वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एस० पी० मिश्रा की दिनांक 6 नवस्वर, 1978 के पूर्वाक्ष से प्रगले प्रादेशों तक सहर्षे पुना हाध्यक्ष के पद पर वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में पुन: स्थापित करते हैं।

गुरदयाल मोहन, कुल सचिव, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

सीमा णुल्क और केन्द्रीय उत्पादन णुल्क के समाहर्ता का कार्यालय

(उत्पादन शुल्क विभाग) कोचीन-11, दिनांक 6 जून 1978 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सं । I / 3/3/77---केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944, के नियम 232क के श्रन्तर्गत प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, में, टी० एस० स्वामीनाथन समाहर्ता, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कोचीन, उस व्यक्ति का नाम पता तथा श्रन्थ विवरण प्रकाशित करता हूं जिसे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए पाया गया है। तथा जिस पर 10,000 रु० (दस हजार रुपये केवल) का जुर्माना नगाया गया है।

(i) व्यक्तिकानाम

श्री के० एस० **इवा**हिम रा**यैर**

(ii) पता

कालूंगक्ष हाऊस, कानजीरापाली पोस्ट, जिला कोटयाम, केरला ।

(iii) फर्मकानाम

कालूंगल **चाय फैक्टरी,** एल०-4सं० 10/59, कानजीरपल्ली ।

(iv) ग्रिधिनियम या नियमों के उपबन्धों का उल्लंघन किया गया। केन्द्रीय उत्पाद शुस्क निय-मावली 1944 के नियम 52क, 173 जी, 173एफ-9(1)

(v) कितनी राशिकी शस्ति श्रिष्ठिरोपित की गई। 10,000 रु० (के**ब्ल द**स हजार रुपये)

(vi) शुल्क्य माल या अन्य सम्पत्ति का मूल्य जिसे अधिनियम की धारा 100 के अधीन जब्दा किए जाने का आदेश दिया गया है या संबंधित अधिकारी झारा बारा 33 के अन्तर्गत जब्दी किए जाने के योग्य समझा गया है। 21104 किलोग्नाम चाय पर शुल्क मांगा गया।

(vii) जब्त करने के बदले में जुर्माने की राशि।

शून्य

(viii) नियम 181 के प्रस्तर्गत किसी भी रद्द किये गये लाइसेंस का विवरण। भून्य

टी० एस० स्वामीनाथन समाहर्ता, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कोचीन

क(नपुर, दिनांक 17 धक्तूबर 1978

सं० 36/78—-श्री राम धन स्थानापन्न श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पद शुक्क वर्गं खं ने श्रधीक्षक एम० ग्रो० ग्रार० -III मेरठके पद का कार्यभार दिनांक 31-7-78 (श्रपराह्म) को श्री श्रमरीक सिंह को सौंप दिया श्रीर श्रधिवार्षिता की श्रायु प्राप्त होने पर

सरकारी सेवा सं दिनां क 31-7-78 (श्रपराह्म) को सेवा निवृत्त हो गए।

> कृ० ला० रेखी, समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 19/78—निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री ए० ग्रार० शर्मा को, श्री बी० के० हाजरा का स्थानान्तरण होने से रिक्त हुए स्थान पर, दिनांक 13 नवम्बर, 1978 के (पूर्वाह्न) से 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-ई० बी०-40-1200 र० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में सहायक मुख्य लेखा ग्रिधकारी नियुक्त किया जाता है।

एम० वी० एन० रा**व,** निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं०ए-19012/734/78-प्रशा०-पांच—विभागीय पदोनिति समिति (ग्रुप 'बी') की सिफारिश पर प्रश्र्यक्ष,
केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री एम० पी० एस० पुरी श्रिभकल्प सहायक
को श्रितिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में पूर्णतया तदर्थ श्राधार
पर ६० 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-401000-६० रो०-40-1200 के वेतनमान में 19-8-78 की
पूर्वा हा से 6 महीने की श्रवधि के लिये श्रथवा जब तक यह पद
नियमित श्राधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त
करते हैं।

2. श्री एम० पी० एस० पुरी की नियुक्ति पूर्णतया तक्ष्यें एयं ग्रस्थाई श्राधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के श्राधार पर वे वदोन्नति ग्रथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

जे० के० साहा, अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण महानिदेशक कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर, 1978

सं० 23/2/77-ई० सी० II—श्रेन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित ग्रधिकारी वार्धक्य की ग्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से, दिनांक 30 नवम्बर, 1978 (श्रपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए:---

नाम	वर्तमान पदनाम
सर्वश्री	
1. पी० जे० चैनानी	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) एकक सं०-8, ग्रायकर विभाग (सी० बी० डी० टी०), बम्बई-400002।
्2. डी०डी० मलिक	कार्यपालक इंजीनियर, दिल्ली विकास प्राधिकरण, श्रावास प्रभाग सं०-3, नई दिल्ली ।
3. डी० बी० राय	इंजी० ग्रधि० मुख्य इंजीनियर (उ० ग्रंचल), केलोनिवि, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली।
4. के० एस० सुन्दर राजन	कार्यपालक इंजीनियर, केन्द्रीय भंडार मंडल सं०-1 के लो निविनई दिल्ली।

सु० सू० प्रकाण राव, प्रशासन उपनिदेशक, कृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 27 ग्रक्तूबर 1978

श्क्षि-पत्न

सं० 33/1/78-ई० सी०-9—इस कार्यालय के दिनांक 26-9-1978 की प्रधिसूचना में आंधिक संशोधन करते हुए, श्री ग्राई० के० पोपली, उप वास्तुक के नाते नियुक्त होने पर, वेतन 845 रु०/- प्रतिमास (रु० 820—25) वैयन्तिक वेतन के रूप में जो श्रागे श्राने वाली वेतनवृद्धि में समजित होंगे वेतन लेंगे।

कृष्ण कान्त, प्रशासन उपनिदेशक

संपदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० 1600-प्रणा०-"ख०"—-निर्माण श्रौर श्रावाग मंत्रालय के काडर में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 ग्रिधिकारी श्री श्रार० डी० भाटिया ने तारीख 18 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) से संपदा निदेशालय में संपदा उप निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० एस० **श्रग्रवा**ल, संपदा उप निदेशक (प्रशासन)

विधिः, न्याय स्रोर कम्पनो कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

पांडिचेरी, दिनांक 4 दिसम्बर 1978

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर कामस्वरा चिट फंड ऐंड फिनांस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 74—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एसद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कामेस्वरा चिट फंड ऐंड फिनांस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से हटा दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

एस० म्रार० वी० वी० सत्यनारायना, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पांडिचेरी

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर जे० बी० ट्रेडिंग कार-पौरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ं जालंधर, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2126/9173 कम्पनी भ्रिधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि जे० बी० ट्रेडिंग कार पौरेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल, कम्पनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर कलकत्ता (एलेक्ट्रीकल ग्रीर मैकेनिकल) इंजिनियर प्राईवेट लिमिटेड (समापन ग्रन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० एल०/11464/एच० डी० (1974)—कम्पनी
प्रिधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के
प्रमुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि प्रादरणीय
उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 18-9-1975 के प्रादेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का प्रादेश दिया है
ग्रौर राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका
राजकीय समापक नियुक्त किया है।

ग्रार० के० भट्टाचार्या, कम्पनियों का सहकारी रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कार्यालय, भ्राय-कर श्रवील <mark>मधिकरण</mark> बम्बई-400020, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/78 खण्ड II—

1. श्री निरंजन दास, स्थानापन्न सहायक प्रधीक्षक, श्रायकर श्रपील ग्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली, जिन्हें श्रायकर ग्रपील ग्रधिकरण, श्रमृतसर त्यायपीठ, श्रमृतसर में तदर्थ
ग्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर से तीन महीने के
लिए ग्रथीत् 17-7-1978 से 16-10-1978 तक कार्य
करते रहने की ग्रनुमित प्रदान की गयी थी, देखिये, इस
कार्यालय के दिनांक 11-7-1978 की ग्रधिसूचना अमोक
एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/1978, को श्रब श्राय-कर
ग्रपील ग्रधिकरण, श्रमृतसर न्यायापीठ, श्रमृतसर में ही उसी
भामता में तदर्थ ग्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर
स्थानापन्न रूप से दिनांक 17-10-1978 (पूर्वीक्र) से
28-2-1978 तक या जबतक जबतक कि उक्त पद हेतु
नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी गीघतर हो, कार्य
करते रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है श्रीर यह भी श्री निरंजन वास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रिभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायंगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्तत किये जाने की पानता ही प्रदान करेंगी।

2. श्री एम० के० दलवी, जो प्राय-कर अपील श्रध-करण (के उत्तरी क्षेत्र) नई दिल्ली के उपाध्यक्षर के वैयन्तिक सहायक है, जिन्हें भ्राय-कर भ्रपील श्रधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ श्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांकः 10-2-1978 से 13-11-1978 तक कार्य करते रहने की भ्रनमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 9-2-1978 की प्रधिसुचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/77-भाग 11 स्रौर विनांक 11-7-1978 की ग्रिधिसूचना ऋमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/78, को श्रब भ्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में ही उसी क्षमप्ता में तदर्थ श्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 14-11-1978 (पूर्वाह्न) से 28-2-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनमति प्रदान की जाती है।

. उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थं श्राधार पर है श्रोर यह श्री एम० कें ० दलवी को उसी श्रेणी में निर्यात नियुक्ति के लिए कोई वावा प्रदान नहीं करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थं श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं उसी श्रेणी में न तो वरीयता के श्रिभप्राय से परिगणित की जायंगी श्रीर न उससे निकटतर उच्चतर श्रेणी में पदोन्नत किये जाने की पालता ही प्रदान करेंगी।

पी० डी० माथुर, ग्रध्यक्ष

विनियमावली

(1) सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा श्रायोजित राष्ट्रीय फिल्म समारोह का श्राप्त वाक्य 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' है।

इस समारोह के भ्रायोजन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं.---

- (i) कलात्मक सौंदर्य से पूर्ण, तथा सामाजिक, महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना ।
- (ii) विभिन्न क्षेत्रों की फिल्म-संस्कृति के बोध एवं विवेधन में योगवान देना तथा,
- (iii) राष्ट्रीय एक्ता एवं संगठन की भावना को विकसित करना।
- (2) भारत में 1978 के दौरान निर्मित, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणन के लिए प्राप्त और 31 अनवरी, 1979 से पहले प्रमाणित कोई भी फिल्म जो समारोह के उद्देश्य के प्रनुष्ठ हो, इस समारोह में गामिल की जा सकती है। भारत सरकार द्वारा मान्य किसी भी फिल्म संस्थान द्वारा 1978 में निर्मित फिल्में इसमें गामिल हो सकती है, किन्तु सार्थजनिक प्रवर्शन के लिए इन फिल्मों के मामलों में भी सेंसर बोर्ड का प्रमाणपत्र प्रावश्यक है। प्रविष्टि के लिए भेजी गई फिल्में 35 मि० मी० या 16 मि० मी० गेज की होनी चाहिए। लघु फिल्मों की लम्बाई 35 मि० मी० के लिए 1000 मी० ग्रीर 16 मि० मी० के लिए 400 मी० से ग्रामतौर पर ग्रिधक नहीं होनी चाहिए।
- (3) समारोह में प्रविष्टि के रूप में भेजी गई फिल्में नियम-2 के श्रधीन बिल्कुल उसी रूप में होनी चाहिए जिस रूप में फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की गई हो।
- (4) कोई भी फिल्म जिसके साथ फिल्म समारोह निदेशालय का कोई पदाधिकारी किसी भी रूप में सम्बन्ध रखता हो, समारोह में शामिल नहीं हो पायेगी।
- (5) समारोह के लिए प्रविष्टि, सरकारी विभाग स्रकार बारा मान्य संस्थान निजी-निर्माता/निर्माता कम्पनी, कोई भी भेज सकता है। संलग्न प्रवेश पत्न (दो प्रतियों में) पूरी तरह भर कर 15 मार्च 1979 तक हर हालत में फिल्म समारोह निदेशालय में पहुंच जाना चाहिए।
- (6) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल करने के लिए फिल्मों के प्रिन्ट 15 मार्च, 1979 तक फिल्म समारोह निदेशालय में श्रवश्य पहुंच जाने चाहिए। यदि संभव हो तो फिल्मों के प्रिन्ट प्रवेश पत्नों के साथ ही भेज देने चाहिए। प्रिन्ट भेजने के साथ ही प्रेषक को फिल्म का शीर्षक, भाषा, रीलों की संख्या, प्रिन्ट कब श्रौर किस प्रकार भेजा गया, इस बारे में डाक या तार द्वारा तुरन्त सूचना दे देनी चाहिए।
- (7) फिल्म समारोह में प्रविष्ट कथा चित्र तथा लघु फिल्म से सम्बन्धित निम्नलिखित सामग्री प्रवेश पत्न के साथ निवेशालय में 15 मार्च 1979 के पूर्व पहुंच जानी चाहिए।

- (i) कथाचित्र के साथ श्रंग्रेजी में कथासार की 40 प्रतियां श्रीर लघु फिल्म के साथ कमेन्टरी की 15 प्रतियां;
 - (ii) प्रचार सामग्री—छः बड़े पोस्टर, एवं छः फोटो सेट्स ;
- (iii) फिल्म की मूल भाषा में स्थित्ट की 5 प्रतियातिथा शंग्रेजी या हिन्दी में ग्रनदित स्थित्ट की 5 प्रतिया;
- (iv) निर्माता, निर्वेशक एवं मुख्य कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियां;
- (v) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों के दो-दो फोटोग्राफ।
- (8) 35 मि० मी० में 1,000 मीटर सथा 16 मी० मी० में 400 मीटर से प्रधिक लम्बी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपए और उस से कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपये प्रवेश शुल्क भेजना होगा। यह शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। प्रवेश शुल्क की राशि सहायक निदेशक फिल्म समारोह निदेशालय के नाम डिमांड ड्राफ्ट द्वारा स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया, रेल भवन, नई दिल्ली में भुगतान योग्य हो ग्रीर प्रवेश पत्न जके साथ भेजी जानी चाहिए।
- (9) भारत सरकार द्वारा दो ज्यूरियां गठित की जायेंगी— एक कथा चित्रों के लिए, दूसरी लघु फिल्मों के लिए।
- (10) कथाचित्रों के लिए ज्यूरी का गठन निम्नलिखित ढंग से होगा।
 - (क) ग्रध्यक्ष, भारत सरकार द्वारा मनोनीत ग्रौर
 - (ख) कला, मानविकी श्रौर फिल्म के क्षेत्र में प्रविष्टित व्यक्ति जिनकी सख्या 24 से प्रक्षिक नहीं होगी श्रौर जो फिल्मों की विषय - वस्तु , कलात्मकता श्रौर तकनीकी गुण दोष परखने की योग्यता रखते हों। इन सदस्यों को सरकार नामजद करेगी।
- (11) कथा चित्र ज्यूरी के अध्यक्ष ग्रपने विवेक से विभिन्न भाषाओं के श्रकथाचित्रों तथा बालचित्रों को परखने हेतु ज्यूरी के सदस्यों में से श्रावश्यकतानुसार श्रलग श्रलग नामिकाएं गठित कर सकते हैं।
- (12) प्रत्येक नामिका कथाचित्रों के लिए ऊपर निर्दिष्ट ज्यूरी को पुरस्कारों के लिए उपयुक्त समझे जाने वाले अधिक से अधिक तीन कथा चित्रों की सिफारिश श्रेष्ठता क्रम का उल्लेख किए बिना करेगा। फिर भी, नामिका की राय में यदि कोई विशिष्ट फिल्म अन्य फिल्मों से नियम 24-1(vi) से (xvi) तक के अन्तर्गत व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों के लिए नियम पुरस्कार पाने की अधिकारी हैं तो उस अवस्था में फिल्म के शीर्षक के साथ विशिष्ट श्रेणी भी निर्दिष्ट करनी होगी।
- (13) तरपश्चात् कथाचित्रों के लिए ज्यूरी विभिन्न नामिकाओं भ्रौर बाल चित्रों सम्भन्धी नामिका द्वारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेंगी तथा नियम 24-1 के प्रन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की सिफारिश करेगी।

- (14) कथाचित्रों के लिए ज्युरी सर्वप्रथम निम्नलिखित तीन पुरस्कारों के लिए फिल्मों का चयन करेगी।
 - —सर्वोत्तम कथाचिल, नियम 24-1 (I) के ग्रन्तर्गत।
 - लोकप्रियता, स्वस्थ मनोरंजन तथा कलात्मक सौंदर्य वाला सर्वोत्तम कथाचित्र नियम 24-1 (II) के ग्रन्तर्गत।
 - —-राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र नियम 24-1 (III) कं ग्रन्तर्गत।

इन पुरस्कारों के लिए चुनी गई फिल्म इन विनियमों के नियम 24-1 () के ब्रन्तर्गत प्रादेशिक भाषा पुरस्कार प्राप्त करने की पान्न नहीं होंगी।

- (15) लघुचित्रों के लिए ज्यूरी में श्रध्यक्ष श्रीरं 4 से ग्रनधिक में सदस्य होंगे। यह ज्यरी सरकार द्वारा गठित की जाएगी। यह ज्यूरी विनियम 24-11 के श्रन्तर्गत पुरस्कार श्रेणी के लिए सिफारिश करेगी।
- (16) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में सम्मिलित किसी भी फिल्म से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सम्बन्ध रखने वाला ज्यक्ति, कथाचित्रों के लिए ज्यूरी धौर लघफिल्मों के लिए ज्यूरी, जो भी हो, उसका सदस्य मनोनीत नहीं हो सकता।
- (17) दोनों ज्यूरियां फिल्मों को परखने हेतु श्रपनी-ग्रपनी प्रक्षियाएं स्वयं निर्धारित करेंगी।
- (18) दोनों ज्यरियों का 'कोरम' मनोनीत सदस्यों की संख्या के ग्राध से कम नहीं होगा।
- (19) निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय या उनके द्वारा मनोनीत कोई व्यक्ति राष्ट्रीय फिल्म समारोह की योजना के बारे में भ्रावश्यक जानकारी भ्रौर स्पष्टीकरण देने हेतु दोनों ज्यूरियों की बैठकों में भाग ले सकता है।
- (20) ज्यूरियों के सदस्य बठकों की कार्यवाही को विल्कुल गोपनीय रखेंगे। साथ ही, उनके काम के दौरान, उन्हें जो सामग्री उपलब्ध कराई गई है, उसका राष्ट्रीय फिल्म समारोह के परिणामों की श्रीपचारिक घोषणा से पहले किसी भी प्रचार माध्यम जैसे समाचार पत्न, रेडियो, दूरदर्शन ग्रादि के जरिये प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं करेंगे।
- (21) इन नियमों में निहित कोई बात कथाचित्रों की ज्यूरी तथा लबु फिल्मों के लिए ज्यूरी के लिए यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशिष्ट भाषा या श्रेणी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके द्वारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी पटकथा लेखक, निर्देशक, कला निर्देशक, कैमरामन, श्रिभनेता, श्रीभनेती बाल श्रिभनेता, श्रीभनेती, पाण्यगायक व्वनि श्रालेखक, सम्पादक श्रीर संगीत निर्देशक पुरस्कार के लिए समुचित स्तर का नहीं है।
- (22) यदि किसी प्रविष्ट फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के श्रयोग्य ठहरा दी जाएगी। यदि दोनों ज्यूरियों का कोई भी सदस्य किसी विशिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुआ पाया गया तो वह

ज्यूरी की सदस्यता के लिए भ्रयोग्य घोष्टित किया जा सकता है।

- (23) दोनों ज्यूरियों के सदस्य िमयमों के श्रन्तर्गत स्वीकार्य याद्या भत्ते के श्रलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से सम्बक्षित बैठकों में उपस्थित होने/ग्रथवा फिल्मों के प्री-व्यू के लिए सरकार बारा निर्धारित परामर्श फीस पाने के हकदार होंगे।
- (24) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल फिल्में निम्नांकित पुरस्कारों के लिए प्रतियोगी हो सकती हैं। I. कथा चित्र

(i) सर्वोत्तम कथाचित्र

सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को स्वर्ण कमल तथा 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ii) लोकप्रिय, स्वस्थ मनोरंजन ग्रीर कलात्मक सौदर्य वाले सर्वोत्तम कथाचित्रों के लिए पुरस्कार :---

निर्माता को स्वर्ण कमल, निर्देशक को रजत कमल।

(iii) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र

निर्माता को रजत कमल तथा 30,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

यह पुरस्कार न केवल उन फिल्मों के लिए दिए जाएंगे जिनमें साम्प्रदायिक सद्भाव धौर देणभित का चित्रण हो बल्कि उन फिल्मों के लिए भी दिए जाएंगे जिनमें दिलत वर्गों के उत्थान या विभिन्न क्षेत्रों के बीच एकता की भावना को दिखाया गया हो।

(iv) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार

निम्नलिखित भाषाश्रों में सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को रजत कमल श्रीर 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार श्रौर निर्देशक को रजत कमल श्रौर 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार:—

हिन्दी (उर्द्, हिन्दूस्तानी ग्रीर भोजपुरी, राजस्थानी, तथा में थिली जैसी बोलियों सहित), मराधी (कोंकणी सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी, ग्रंग्रेजी, बंगला, ग्रसमिया, उड़िया, मणिपुरी,

तमिल, तेलुगु, कन्नड़ श्रौर मलयालम ।

(v) सर्वोत्तम बाल फिल्म

निर्माता को स्वर्ण कमल श्रीर 15,000 रूपये का नकद पुरस्कार तथा निर्देशक को रजत कमल श्रीर 10,000 रूपये का नकद पुरस्कार।

(vi) सर्वोत्तम निर्देशन

सर्वोत्तम निर्वेशक को रजत कमल श्रौर 20,000 स्पये का नकद पुरस्कार।

(vii) सर्वोत्तम स्कीन प्लेलेखक

सर्वोत्तम स्थीन-त्वे लेखक को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

(viii) सर्वोत्तम अभिनय

- (क) सर्थोत्तम अभिनेता को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (ख) सर्वोत्तम अभिनेती को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (ग) सर्वोत्तम बाल भ्रभिनेता/ग्रभिनेत्री (जिनकी श्रायु 14 वर्ष से स्रधिक न हो) को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ix) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (रंगीन्)

रंगील फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(x) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (सादी)

सादी फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5.000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xi) सर्वोत्तम ध्वनि स्रालेखन

सर्वोत्तम ध्वनि स्रालेखक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xii) सर्वोत्तम सम्पादन

सर्वोत्तम सम्पादक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xiii) सर्वोत्तम कला निर्देशन

सर्वोत्तम कला निर्देशक को रजत कमल श्रीर 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xiv) सर्वोत्तम संगीत निर्देशक

सर्वोत्तम संगोत निर्देशक की रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(XV) सर्वोत्तम पार्श्वगायक

ं सर्वोत्तम पार्श्वगायक को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xvi) सर्वोत्तम पार्श्वगायिका

सर्वोत्तम पार्श्वगायिका को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

लघुचित्र

- (i) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र) निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (ii) सर्वोत्तम शिक्षाप्रद/ज्ञानवर्धक फिल्म :—इस श्रेणी में शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक तथा प्रशिक्षण सम्बन्धी फिल्मों शामिल होंगी।

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(iii) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (ग्रव्यावसायिक/व्यावसायिक)

(राष्ट्रीय महत्व जैसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, सहयोग, बचत, दृष्टि कार्य सहित विकास की प्रगतिशीलता श्रादि विषयों पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म वा सर्वोत्तम न्याबसायिक विज्ञापन फिल्मों) निर्माता श्रीर निर्देशक को रजत कमल ।

(iv) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(v) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, 'कार्ट्नकार' को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vi) सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन

सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vii) सर्वोतम भारतीय समाचार चित्र

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

स्पष्टीकरण :

यहां पर निर्माता, निर्देशक, स्कीन प्ले लेखक ग्राभिनेता, ग्राभिनेती, बाल ग्राभिनेता/ग्राभिनेती, कैंमरामन, ध्विनि ग्रालेखक, सम्पादक, कला निर्देशक, संगीत निर्देशक, तथा पार्श्वगायक/गायिका, शब्दों से ग्राभिप्राय कमशः उस निर्माता, निर्देशक, स्कोन जो लेखक, ग्राभिनेता, ग्राभिनेती, बाल ग्राभिनेता, ग्राभिनेती, कैंमरामैन, ध्विनि आलेखक, सम्पादक, कला निर्देशक संगीत निर्देशक, तथा पार्श्वगायक,/गायिका से होगा जिनके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा विधिवत् प्रमाणित प्रतियोगिता में प्रविष्ट फिल्म के शीर्षकों में होगा।

(25) दादा साहेब फालके पुरस्कार

नियम 24 में उल्लिखित पुरस्कारों के ग्रतिरिक्त भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार ग्रपने विवेक से एक विशेष पुरस्कार देगी। यह पुरस्कार एक स्वर्णकमल, 40,000 रुपये का नकद और एक शाल के रूप महोगा।

(26) विनियम 24की श्रेणी -(1) से (iv) के श्रन्तर्गत पुरस्कार जीतनेवाले कथा चित्र के निर्माता की श्रपनी फिल्म उपशीर्षक मूल भाषा से किसी भारतीय या विदेशी भाषा में करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 5,000 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी।

- (27) सरकार को यह भ्रधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिन्ट को, जिसे पुरस्कार मिला हो, ग्रपने पास रख सकेगी । उस फिल्म की लागत अर्थात् कच्चे माल की लागत और उसके परिष्करण के खर्चे की प्रतिपूर्ति निर्माता को दी जाएगी, बशर्ते कि प्रिन्ट बिल्कुल नया होगा तथा पुरस्कार की घोषणा के तीन माह के भ्रन्दर दे दी जाए। यदि पुरस्कार घोषणा के तीन माह के भ्रन्दर नया प्रिन्ट निदेशालय को नहीं दिया जाता तो निर्माता को किसी भी प्रकार की प्रतिपूर्ति नहीं दी जाएगी तथा समारोह में सिम्मिलत प्रिन्ट को बिना किसी प्रतिपूर्ति के सरकार रख सकेगी।
- (28) यदि कोई फिल्म नियम 24(1) से () के अन्तर्गत स एक अधिक पुरस्कार पाती है तो उसके निर्माता और निर्देशक को केवल वही एक पुरस्कार दिया जाएगा जिसकी राशि सर्वाधिक होगी तथापि उसी निर्माता और उसी निर्देशक को विभिन्न श्लेणियों में विभिन्न फिल्मों के लिये एक से अधिक पुरस्कार दिये जा सकते हैं।
- (29) पुरस्कार के लिये प्रविष्ट फिल्मों के निर्माता को उस फिल्म को उयूरियों या उनकी किसी भी नामिका के सामने या मरकार द्वारा आयोजित सार्वजिनिक प्रदर्शन या किसी विणेष प्रदर्शन के लिये कोई श्रापत्ति नहीं होगी। यदि इससे कोई श्राय होगी तो वह मरकार के राजस्य खाने में जमा करवाई जाएगी।
- (30) फिल्म और प्रचार सामग्री के लाने ले जाने पर जो खर्च होगा बह सारा प्रतियोगी को देना होगा।
- (31) पुरस्कारों श्रौर इन नियमों के सही निर्वचन का जहां तक संबंध है, केन्द्रीय सरकार के निर्णय श्रंतिम होंगे श्रौर उसके विरुद्ध कोई श्रपील नहीं की जा सकेगी।
- (32) जो व्यक्ति इन नियमों के अन्तर्गत फिल्म समा-रोह में भाग लेगा तो यह समझा जाएगा कि उसे यह नियम स्वीकार हैं।
- (33) समारोह में प्रविष्ट फिल्में प्रचार सामग्री ग्रौर उनसे संबंधित सभी पत्राचार के लिये पता:—

फिल्म समारोह निदेशालय, विज्ञान भवन एनेक्सी, मौलाना श्राजाद रोड़, नई दिल्ली-110011

प्रविष्टि फार्म

- (दो प्रतियों में भर कर फिल्म निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, विज्ञान भवन, इनेक्सी, मौलाना श्राजाद रोड़, नई दिल्ली-110011 के पास 15 मार्च, 1979 तक पहुंच जाना चाहिए।
 - 1. फिल्म का नाम

- भाषा
- 3. *श्रेणी कथा चित्र/बालचित्र/ल'घु फिल्म
- 4. फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)
- 5. चलने का समय: घंटे मिनट
- 6. रीलों की संख्या
- 7. गेज 35 मि० मी०/16 मि० मी०
- 8 सादी/रंगीन
- 9. सेन्सर प्रमाणपत्न की संख्या तथा तारीख
- 10. सेन्सर प्रमाण पत्न में फिल्म की श्रेणी (ए या यू)
- 11. निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन नं० श्रीर तार का पता हो तो वह भी दे दें)
- 12. निर्देशक का नाम श्रीर पूरा पता
- 13. स्क्रीन प्ले लेखक/पट कथा लेखक का नाम भ्रौर पूरा पता

*जो लागू न हो उसे काट दें---

प्रविष्टि के लिये भेजी गई लघु फिल्म के बारे में इस बात का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि लघु फिल्म नियम 24-11 के ग्रन्तर्गत किस श्रेणी के लिये भेजा गया है।

- 14 नायक का नाम भ्रौर पूरा पता
- 15. नायिका का नाम ग्रौर पूरा पता
- 16. 14 वर्ष से कम श्रायु का कोई बाल अभिनेत। /अभिनेत्री हो तो उसका नाम और पूरा पता
- 17. कैमरामैन का नाम श्रौर पूरा पता
- 18. ध्वनि श्रालेखक का नाम ग्रौर पूरा पता
- 19. संपादक का नाम श्रीर पूरा पता
- 20. कला-निर्देशक का नाम भ्रौर पूरा पता
- 21. संगीत निर्देशक का नाम ग्रीर पूरा पता
- 22 पार्श्वगायक का नाम और पूरा पता
- 23. पार्श्वगायिका का नाम स्रौर पूरा पता
- 24. लघु फिल्मों की श्रेणी में प्रविष्ट कार्टून फिल्म के एनीगेटर का नाम श्रीर पूरा पता
- 25. रिलीज होने की तारीख
- 26 यदि फिल्म किसी दूसरी फिल्म का डब किया हुन्ना रूप, रूपान्तर या रिटेक है तो जिस फिल्म का डब किया हुन्ना रूप, रूपान्तर या रिटेक है उसका ब्योरा।
- 27. समारोह के बाद प्रिंट किस पते पर लौटाई जाए (कृपया पूरा नाम तथा पता लिखिए)

पूरा पता प्रविष्टि भेजने वाले के नाम दिनांक

> हस्ताक्षर———— विक्रमसिंह

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 18 नवम्बर 1978

निर्वेश स० 26/एन०/श्रर्जन—श्रतः मुझे, श्रमर सिह बिसेन आयक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

स्रोर जिसको संख्या एक प्लाट स्थित बगला न० 129 सिविल लाइन्स बरेली है तथा जो बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजरट्टी-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रिजरट्टीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13-3-1978

को प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरिधों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज्ञ, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथात् :— 1. श्री राधारमन अग्रवाल (अन्तरक)

- 2. श्री निर्मल गोहन सिंह बेदी (ग्रन्तरिती)
- उ राधा रमन अग्रवाल (बह व्यक्ति, जिसके फ्रधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्र**न्स्ची**

श्राराजी ईकवर्द तीन सो इस वर्गमीटर 310 बाके बंगला न० 129 सिविल लाइन्स बरेली व सम्पति का बह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म सख्या 37- जी स० 1623/1 में विणित है जोकि सब रिजस्टार बरेली के कार्यालय में दिनाक 15-3-1978 को दर्ज है।

श्रमर सिंह विसेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लखनऊ ।

तारीख 18-11-1978

प्रकथ बाई• टी• एन• एस•---

अन्यकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 25 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी०ए० 5 | निर्देशकार | प्रगस्त 1978 | 375— यत: मुझे, श्रीमित पी० ललवानी, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है

ग्रौर जिसक़ी संख्या सी० टी० सं० कं० 2958-वी है तथा नंदुरबार में स्थित है (ग्रांर इससे उपावड़ प्रमुक्ति में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नंदुरबार म, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर मन्तरक (घन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में इक्त यन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रिष्ठितियम, के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिप्तियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत। सब, उक्तं ग्रिधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रीवित्यम की धारा 269 च की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्।=-

- 1. श्री फिरोज सखदवाला श्रीर ग्रादर्स नंदुरवार तह० धनिया (श्रन्तरक)
- 2. श्री मांगीलाल मिश्रीमल वाफना नंदुरवार तह० धुलिया (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितश्रद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा गर्केंगे।

स्पब्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी : ऋ० 167-ए०/2-ए/167-ए०/2-बी०/167-ए०-1/सी० टी० एस० ऋं० 2958 बी, नंदुरबार जि० धुलिया।

क्षेत्रफल:---928 वर्ग मीटर

(जैसे की विलेख 3000 12/2 ग्रगस्त 1978 को सब रिजस्ट्रार नंदुरबार के दफतर में लिखा है)

श्रीमिति पी० ललवानी, सक्षम <mark>प्राधिकारी,</mark> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख 25-11-1978 **मोहर**: प्रस्प ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०-

भायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना- 411004, विनांक 25-11-78

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-I /जून 78/376—यतः मुझे, श्रीमति पी० ललवानी,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी संख्या सी० टी० एस० क० 759/118 ए० है तथा जो डेक्कन जिमखाना, पूना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय हवेली I में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 6-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंजाइ प्रतिकात से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उनके अधिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रम्तरक केदायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तियम होतिया प्राया चा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्मनिष्टित व्यक्तियों, अर्थात्:--3---996 (31/*8

- डा० ग्रार० व्ही० गोखले, 373/74, नारायण पेठ, पूना 30 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री के० एन० देसाई, 1117- ए०/ लकािक रोड, पूना 30 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की शविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य ध्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त धिक्षितयम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भणें होगा जो उस भव्याय में विधा गया है।

प्रनुसूची

सी०टी० एस० ऋ० 759/118 ए, डेक्कन जिमखाना, पूना-4

क्षेत्रफल: जमीन 767-84: वर्गमीटर ऊपर का मकान:—-183-47 वर्ग मीटर (जैसे कि रिफस्ट्रीकृत विलेख क० 917, 6 जून 1978 को सब रिजस्ट्रार हुवेली I के दफ्तर लिखा है)

> श्रीमति पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 25-11-78

मोहरः

प्रकर धाई०टी० एन० एस०

1. सुर्श्यमणी स्वाड

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तिरिती)

भायकर भिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भधीन सूचना

269घ (1) क मधान सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर भुवनेश्वर, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 79/78~79/ग्राई० ए० सी० (ए० ग्राई० ग्रार०) — ग्रतः मुझे बि०, मिन्न,

भायकर प्रधिनाय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खाता नं० 36 है, जो लिक रोड, कलकता में स्थित है (श्रौर इससे उबाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधकारी के कार्यालय, जिला सब-रजिस्टर कटक भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधियनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-3-1978

1908 (1908 का 16) क स्रधान 20-3-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए भन्तरित की गई है भीर इसमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह द्रितिशत मधिक है भीर मन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक इप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त मिछ-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके करने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धमु-सरण में, में, उन्त माधन्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित स्पन्तियों, मर्थात्।--- को यह सूचनाजारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्अंन के

2. (1) नारण बेहेय, (2) लोकान्त बेहय (3) श्यथ बहेय

लिए कार्येवाहियां **करता हूं**।

जबत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचन। के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्वच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अम् सूची

जमीन श्रौर मकान कटक टाउन लिंक रोड में स्थित है। उसका खाता नं० 36 श्रौर खसरा न० 1438 है। वह जमीन कटक जिला सबरजिस्टर श्राफिस में 20-3-1978 तारीख में रजिस्टर हुआ जिसका डाकुमेन्ट नं० 2391।

> बि० मिस्न सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भूवनेश्वर ।

तारीख: 8-12-1978

प्रकप आई • टी • एन • एस • ----

(1) श्रीमती सतीदेवी कुन्जम्मा

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोनू श्रलियास ग्रबूरहिमान

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणकुलम-16, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निवेश सं० एल० सी० 262/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है और जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार जो तिचूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिचर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-3-978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिंधनियम, या धनकर मिंध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: भ्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में; में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निशिखत व्यक्तियों अविध्:— को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविधि, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी मन्य स्थित द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे ।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिक् नियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

धनुसूची

17 Cents of Land with buildings ide document No. 1408 of S.RO. Trichur.

के० नारायण मेंनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायृक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीखा : 15-11-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज० /सहा० ग्रा० ग्रर्जन/474--यतः मझे, हरी शंकर,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है।

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 31-3-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रघीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त श्रंधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयति:---

- (1) श्री जगदीप सिंह पुत्र श्री सरदार बलवन्त सिंह, गुमानपुरा, कोटा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तेजूमल पुत्र श्री थारूमल सिंधी कालोनी रोड, गुमानपुरा, कोटा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध म कोई भी धाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रशब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुमानपुरा कोटा में सूरजपोल से गोरधनपुरा के मेन रोड़ पर स्थित वो दुकाने जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रमांक 399 दिनांक 31-3-1978 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर, सक्षम प्राधिकारीॄ सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 24-11-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रिधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० द्या० श्रर्जन/475—यतः मुझे, हरी गंकर,

म्नायकर म्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्निधीन सक्षम प्राधिक।री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से म्निधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत्:—

- (1) श्री जगदीप सिंह पुत्र सरदार बलवन्त सिंह, गुमानपुरा, कोटा (श्रन्तरक)
- (2) श्री सखीराम पुत्र श्री मियामल, सिधी कालोनी गुमानपुरा, कोटा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अपन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुमानपुरा कोटा में सूरजपोस से गोरधनपुरा के मैर्न रोड़ पर स्थित दो दुकानें जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा ऋमाँक 404 दिनांक 31-3-78 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत कप से विवरणित है।

हरी शंकर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर,

तारीख: 24-11-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एसं०-

भ्रायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक : 24 नवम्बर, 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/477—यतः मझे हरी शंकर,

मायकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- द० से भ्राधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1-ए है तथा जो कोटा में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 27 मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य भस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधनियम, 1922(1922 का 11) या 'उनत ग्रिधनियम', या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मै, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन। निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री तेजकरण बगड़िया पुत्र श्री प्यार चन्द जी बारा मख्तार श्राम में सर्स विनोदीराम बालचन्द एण्ड कम्पनी, इन्दार (श्रन्तरक)
- (2) श्री गोवरधन लाल एवं ग्रन्थ द्वारा कराची इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, कोटा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण:—इसर्में प्रयुक्त गब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त ग्रश्चि-नियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अमुसूची

श्रीपन प्लाट जिसकी संख्या 1 ए० है श्रीर गुमानपुरा में स्थित है श्रीर उप पंचियक, कोटा द्वारा क्रमांक 372 दिनांक 27-3-1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप विवरणित है।

हरी शंकर सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 24-11-1978

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निदश संख्या राज० सहा० भ्रा० भ्रर्जन/476——यतः मुझे, हरी शंकर,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-एए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1-बी० हैं तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिक्त नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी आप या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर यधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- (1) श्री तेजकरण बगिष्ट्या पुत्र श्री प्यारचन्दजी द्वारा मुखतारग्राम मसर्स विनोदीराम बालचन्द एण्ड कम्पनी, इन्दोर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुन्दर दास पुत्र श्री जीवतराम द्वारा कराची इण्डस्ट्रीज इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, कोटा (ग्रन्तरिती) को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत समात्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तन्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पाद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के श्रद्धयाय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

ग्रमुसूची

स्रोपन प्लाट नं० 1-बी गुमान पुरा कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा ऋम संख्या 372 दिनांक 27-3-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी मंकर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपूर

तारीख: 24-11-1978

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०----
शायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

द्यारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० ग्ना० अर्जन/481—यतः मुझे, हरी शंकर

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इंडक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम मा धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिविनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—-

- (1) श्री हकीम दीन पुत्र श्री ग्रब्दुल कादर मुसलमान बोहरा भीमगंज मंडी, कोटा (ग्रन्तरक)
- (2) सरदार गुलतारन । सह पुत्र श्री जगतारन सिंह निवासी कोटा जंकशन, कोटा (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

ग्राउण्ड फलोर पर स्थित एक दुकान, भीमगंज मंडी में स्थित मकान की जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रमांक 479 विनांक 14-4-1978 पर पंजियद्ध विकय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अयपुर

तारीख: 24-11-1978

मोहर :]

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०———— ग्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० म्रा० ग्रर्जन/480—यतः मुक्के, हरी शंकर,

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो कोटा म स्थित है, (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारीं के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्वितयम के ग्रश्वीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत :---

4---396GI/78

- (1) हकीमुद्दीन पुत्र श्री हाजी अब्दुल कदीर मुसलमान बोहरा भीमगंज मंडी, कोटा
- (2) श्री सरदार गुलतारन सिंह पुत्र श्री जगतारन सिंह निवासी कोटा जंकशन, कोटा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भीमगंज मंडी, कोटा में स्थित मकान के ग्राउन्ड फलोर पर स्थित एक दुकान जो उपगंजियक, कोटा द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्न क्रमांक 488 दिनांक 15-4-78 में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 24 नवम्बर 1978

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/479---यतः मुझे, हरी शंकर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्री इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ष्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः स्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री हकीमदीन पुत्र हाजी अब्दुल कदीर मुसलमान बोहरा भीमगंज मंडी, कोटा (अन्तरक)
- (2) श्री बजराज सरन टणन पुत्र श्री केशव सरन द्वारा में सर्स जग ब्रादर्स, कोटा जंक्शन, कोटा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भीमर्गज मंडी, कोटा में स्थित मकान का फर्स्ट फलोर जो उप पंजियक, कोटा द्वारा ऋमांक 471 दिनांक 13-4-78 पर पंजियद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

दिनांक: 24 नवनम्बर 1978

प्रकप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकरभिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के अभीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० म्रा० मर्जन/578—यतः मुझे, हरी शकर,

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी लं है सथा जो कोटा में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 20-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिक्षक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिंब-नियम, के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः धर, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धारीम निश्निक्षित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्री हकीमुद्दीन पुर श्री हाजी श्रब्दुल कदीर मुसल मान बोहरा भीमगंज मंडी, कोटा (श्रन्तरक)
- (2) श्री डालूमल एवं दीपचन्द पुत्त श्री वासूमल, कोटा जंक्यन, कोटा (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

भीमगंजमंडी, कोटा में स्थित मकान के ग्राउन्ड फलोर में स्थित एक दुकान जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 518 दिनांक 20-4-78 पर पंजिबद विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शठकर सक्षम म्रिधकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक 24 नवम्बर 1978 मोहरः प्ररूप आई• टी• एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा

269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1853—स्तः मुझे बी० एस० दहिया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में है तथा जो बजार शेखा जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यलय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ध्रप्रैल 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, विक्ति विक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री बलराम पुत्र जावंदा मल 185 श्रादर्श नगर जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. दर्शन कुमार पुक्ष चुनीलाल 3/3 म्नली मुहला, जलन्धर (म्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो जकत श्रधिनियम के शब्याय 20क में तथा परिभा-षित है, बही शर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3/3 जो बजार गेखा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 546 भ्रप्रैल के महिने में रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्छर

तारीख: 5-12-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ----

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० पी० पी० जं० 1854—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

भायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है। तथा जो मास्टर मोतीसिंह नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 17) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षात्!---

- श्री बाचिन्त कौर बेवा जसवंत सिंह गाधी (श्रन्तरक)
 मुखतयार श्रार० ग्रजैब सिंह पुत्र जसवंत सिंह 132 सैक्टर
 11-एक्स० चण्डीगढ़ (श्रन्तरिक)
- 2. श्री जगतार सिंह पुत्र विशन सिंह मान हाऊस गली नं० 4 सैंट्रल टाउन, जलन्धर (श्रन्तरती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रक्षित्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 128 जो मास्टर मोती सिंह नगर में स्थित है जैसा कि निलेख नं० 536 श्रप्रैल 78 को रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्छर

तारीख: 5-12-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर ऋधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1855——यतः, मुझे बी० एंस० देहिया,

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनूसूची में है। जो जी० टी० रोड गाल परागपुर जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयोत:—

- 1. श्री जगतसिंह पुन्न लाभू सिंह पुर सामन मल मोहल्ला गोविन्द गढ़, जलन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री भृपिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह 146 साजपत-राय, नगर जलन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर मं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पित में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जमीन 6 कनाल 1 मरला साथ फैक्टरी भैड ग्रौर (बजही को भेजन जैसा कि विलेख नं० 271 ग्रप्रैल 1978 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्द्यर

विनांक 5-12-1978 मोहर: प्ररूप धाई• टी•एन•एस•--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1856—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसने पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

धोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनूसूची में है। तथा जो मावगढ़ा, तहसील में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और: अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिशियत उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किती भाष या किती घन या अस्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरक में, मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीमती गुर वंत कौर बेवा श्रमर सिंह ई० एच-195 सिवल लाइनज जलन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री मनमोहन सिंह पुत्र नारंजन सिंह ई० एच-35 लाडोवियली रोड जलन्धर, (2) परिमन्द्र कौर पत्नी गुरचरन सिंह पुत्र राम सिंह गाव सोरोया तहसील गढ़ संकर (3) रतन कुमार पुत्र बारमानंद बंडाला तहसील फलौर (4) रकेण कमार पुत्र मोहन लाल पुत्र रामचन्द गांव जाडिआला (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संम्पिति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के म्राजँन के लिए कार्येवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोह्स्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 46 1/2 घरले जो गांव गढ़ा में स्थित है जैसा कि विलेख नं 104 घप्रैल 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी जलन्घर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख: 7-12-1978

प्रकप धाई० टी॰ एन॰ एस॰⊸⊸-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं०ए० पी० नं० 1857— यतः मुझे, बी० एस० दिह्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भातेशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक उप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टीम कर देंने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; प्रौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुधरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भवीत् :— श्री गुरबखण सिंह पुत्र नौंद सिंह पुत्र सुरेण सिंह गाँव गुदाई पुर तहसील जलन्धर ।

(ग्रन्सरक)

- 2. श्री (1) गुरबचन सिंह पुत्र पुना सिंह (2) गुरमीत कौर पत्नी संता सिंह रंधावा मासैदा (3) बलबीर सिंह पुत्र गायीया राम (4) बलकार सिंह पुत्र सेवा सिंह जलन्धर (श्रन्सरिती)
- जैसा ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो श्रादमी सम्पत्ति में घिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पब्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस ग्राह्माम में दिया गया है।

अनुसूची

8 कनाल, 10 मरले, जमीन जो जलन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 542—प्रप्रैल 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जबन्धर में स्थित है।

> वी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, जलन्छर

तारीख: 7-12-1978।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनोक ७ दिसम्बर 1978

निदेण नं ए० पी० 1858—यत: मुझे बी० एस० दहिया, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वाम करने का

कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/

रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनूसूची में है। तथा जो हुसियारपुर रोड जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है). रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रीकरन ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देय से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर, श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धार। 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रधीत:—

- 1. श्रीमती ऊशा बिज बेवा किशन कुमार एन० वी० 307 हुसियारपुर रोड जलन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजिन्द्र कुमार कोहली पुत जगदीश चन्द्र मलक राजिन्द्रा कोलि डिपू हुसियारपुर रोड जलन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सीबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति हारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मतोंगे।

स्पड्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20 मरला प्लाट जो हुसिया**रपुर रोड जलन्धर** पर स्थित **है** जैसा कि विलेख में० 280 **प्रप्रै**ल 1978 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर **प्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारी**ख:** 7-12-1978

मोहरः

5--396 GI/78

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जलन्धर ेजलन्धर, दिनांकः ७ दिसम्बर 1978

निदेश सं० प्र० प० नं० 1859--यतः मुझे बी० एस०

ब्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसका स्थावर मुख्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है ग्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो गांव चाफ हुसैना में स्थित है (और इससे उपावस्त्र प्रमुसूची में फ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख, अप्रैल 1978 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के **दृग्यमान प्र**तिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मु**क्षे** यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ्रे उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है 👚 **भ्रन्तर**क (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों), के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त, भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के प्रयन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिहें, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया. गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--

- श्री श्रवतार सिंह पुत्र श्रमर सिंह खुद श्रौर मुखतयारआम 2, गुरमीत कौर पुत्री अमर सिंह 3. सुरिन्दर कौर पुत्री श्रमर सिंह 4 जगतार सिंह पुत्र अमर सिंह चक हुसैना (भ्रन्तरक)
- श्रासानाद, रमेश कुमार पुक्क ग्रनत राम गांव चक, हसैन जलन्धरा (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है ? (बह व्यक्ति जिसके ग्राध-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो । (यह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के फ्रध्याय 20-क में परभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कनाल $17 \ 1/2$ मरले जमीन जो धक हुसैना में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 120 श्रप्रैल 1978 को रजिस्ट्रार कर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 7-12-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 111-291/म्रर्जन०/78-79---यतः मुझे भे० नाथ,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० तौजी नं० डा० 86 खाता नं० 106 है, तथा जो खसरा नं० 5175, मौजा सीसचीपुर दीधा पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त नियम के म्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रियीत्:—

- (1) श्री टेक नारायण राय पुत्र स्वर्गीय पुनितगोप निवासी ग्राम खिलचीपुर वीधा पी० ग्रो०/पी० एस० दीधा जिला पटना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ऐडबीन ऐन्योनी सिरील पुत्र स्वर्गीय सेराफीन ऐन्डरन सिरील ग्राम प्रानन्दरूरी बोरिंग कैनाल रोड, पश्चिम पटना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

धरारी जमीन का रक्या 5 कट्टा 10 धूर जिसका तौजी नम्बर 5175 खाता नम्बर 1036 खसरा नम्बर 2201 थाना नम्बर 1 फुलवारी जो मौजा खिल बीपुर दीधा पटना की प्रन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज नम्बर 1676 दिनांक 16-3-78 में विणित है और जो जिला प्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा पंजिकृत है।

जे० नाथ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख: 7 दिसम्बर 1978

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निवेश सं० 205/78-79—यतः ,मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं शाप नं 2 है, जो सारार-बु- दोमलगुडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 1978

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय, श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंथ उक्त ग्रांधनियम का धारा 269-ग के श्रनुसरण में उक्त ग्रांधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रंभीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रंथीन् :—

- (1) श्री स्वातीय बीलडर्स 1-2-524/3 **दोमलग्डा** हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार अगरवाल घर नं 21-2-663 उरदुशरीफ धारकमान हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्र<mark>जंन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 2 जमीन का सता सारारबु-दोमलगुडा हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1069/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्र**र्जन रेंज, हैदराबाद**

ता**रीख**ः 16-11-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙-

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 206/78-79---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सभम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में ग्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० श्राफीस नं० 215 है, जो सारार बु० बोमलगुडा स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है;

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीर/या
- (ख) एंसी किसी बाप ता कियो धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुधिधा के लिए;

मतः मन, उक्त ग्रिप्तिनयम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिप्तिनयम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिप्ती निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्राचीतः—

- (1) श्री स्वातीक बुलर्डस घर नं० 1-2-524/3 दोमल गुडा हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) मास्टर राजेन्द्रा कुमार म्रगरवाल 21-7-69 रामसीबाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो नरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजी के पंबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबड़ किमी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्टं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्राफोस नं० 215 II मनजीला स रार वें 1-2-524/3 मकान नं० दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्सावेज नं० 965/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 16-11-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 207/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनायम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्ति बाजार भूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्राफीस 216 है, जो दोमलगुडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से विणत रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) एसी किसी भाग मा किया अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए;

अत: ग्रंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-घ की खण्धारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- (1) श्री स्वास्तीक बुलउर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (म्रन्तरक)
- (2) श्री मास्टर राजेन्द्रा कुमार ध्रगरवाल (मैजर) इकेरकवाले पीता स्त्री ईग्वर लाल ध्रगरवाल 21-7-69 धानसीवाजर, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को भ्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षितियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रकीस नं० 216 II मनजीला सारास्त्रु 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 967/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16 नवम्बर, 1978

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदश सं ० 208/78-79-यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० श्रापीस नं० 10 है, जो सागरबु-दीमलगुड़ा स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1978। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से भ्रधिक है भीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती

(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे है श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कुमारी गीतल देवी (मैंजर) पीता जे० शनकरलाल ग्रगरवाल घरनं० 15-1-53 उसमान गांध हैद्राबाद। (श्रन्तरिती)

(भ्रन्तरिती)

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 10 श्रारं० सी० सागरबु मकान नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैद्राबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1075/78 उपरिजस्ट्री कार्यालय हैद्राबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीखा: 16-11-78

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 209/78-79---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-आ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० साफ नठ० 11 है, जो सारारबु दोमलगुडा स्थित है (और इस पाबद्ध ग्रणुसूची में श्रौर पूणरूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1978।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिल में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण म, में उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के खबीन निम्नलियन काक्तियों, अर्थोत् :-- (1) श्री स्वातीक बुलर्ड्स 1-2-524/3 दीमलगडा हैदराबाद

(श्रन्तरक)

(2) कुमारी मीनाशी वैवी (मैवर) रकवाला पीता है जं० शनुकारलाल धरावलाल 15-1-53 ,पवालन रानध हैद राबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भजेंग के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संत्रति के भर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मध्य या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा है।

अनुसूची

शाफ नं० 11 मेथ सी० सारस्वु मकान नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा हैद्रादाबद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1076/78 उप रजीस्ट्रीकार्यालय हैदराबाद में

> कै० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाव

तारीख: 16-11-78

मोहरः

प्रकृप बाई • टी • एन • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 210/78-179—यतः मेझे के० एस० वेंकट रामन पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25000/- इपए से प्रधिक है

भीर जिमकी सं० णाफ न० 1 है, जो सागरबु दीमलगुडा स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यलय, हैदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्त के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त है प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरित (अन्तरितों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐनो किसी प्राय या किसी झा या खन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त प्रधिनियम, या झन-कर ध्रिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्धे ध्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिगाने में प्रविधा के लिए;

भतः भव उनत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मिम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन मधीत् :—

6--396जी०आई०/78

(1) स्वानीक बुलइस 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती मरबदा बाई (2) श्री मुकुदनलाल पीती (3) लशमीनीवास तीती 4-1-10 तीलक रास्ता हैवराबाद

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्राष्ट्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उत्रत श्रिष्ठ-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में यथा परिशाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

शाफ नं० 1 सारार वु जमीनका सता नं 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं०96 6/78 ऊपरजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978

सोहर:

प्ररूप भाई० टी• एन० एस•⊶---

धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269४ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

हैदराबद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 211/78-79—यत: मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- अपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० भाषीस न० 217/2 है, जो खासर बु दीमलगुड़ा स्थित है (भौर इससे पाबद्ध भ्रनूसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण भ्रधिमिम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धर्विक नियम के अधीन कर देने के अक्टरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए, धौर/या
- (व) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर सिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या धन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चदः भव, उच्त भविनियम की बारा 269-ग के अनुसरक में. में, उच्त अविनियम की बारा 269-व की उपवेशरा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्वात्:--- (1) श्री स्वातीक बील इस्ट्री, धीमलगुडा हैदाबाद 1-8-519/8

(भ्रत्तरक)

(2) श्री डाकटर के रांजेश्वर 1-8-529/8 धीकडपली हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए.कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवड़ किसी प्रम्थ क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भापीस नं० 217 (50%) वीस्तेन 556 वर्ष फीट सारारवु 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजीस्ट्रीकरण दस्तावेज नं० 951/78 ऊपरजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाव

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978

प्रकप भार्ष । टी । एम । एस । -----

भावकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 212/78-79-यतः मुझे के० एस० वेंकट गरामन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बाबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उ**चित बाजार मृल्य 2*5*,000/- ग्रपये से अधिक है भौर जिसकी सं० भ्रपरीस न० 217/2 है, मूल्य 2500/-से ग्रधिक है (ग्रौर जिसकी सें० ग्रपीस न० 217/2 है, जो समरबुदीमलगुडा स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे प्रधीन मार्च 1978। पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचितवाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि <mark>यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का</mark> उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल सै, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित

(क) अन्तरण सें हुई किसी आय भी बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; धौर/या

नहीं किया गया है।---

(च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रन्य अस्तियों को, जिम्हें भारतीय धायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री स्वातीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैबाबाद (श्रन्तरक)
- . (2) श्रीमती लशमी सुर्बमनयम 1-2-412/2 रामनमहल कालोनी हैवाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी पांकीप: --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की घषधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घबछि, जो भी घबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी भण्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किये जा सक्षेत्रे।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पवों का, जो उक्त ध्रिप्तियम के घड्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ध्रापीस न 217 (50%) II सतीपर सारार वृ बीमलगुडा हैब्राबाद रजीस्ट्री दस्तावेज न० 960/78 रजीस्ट्री कार्यालय हैब्राबाद में ।

> नै॰ एस॰ वठकट रामन सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षण सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, भ्रजीन रेंज हैवराबाद

तारीख: 16-11-1978।

धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978 निर्देश सं० 213/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट

रामन),

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से मिधिक है

और जिसकी सं० भ्रापीस नं० 109 है, जो सागर वे० दीमलगुडा में स्थित है (आंर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्णतया से विणत है), रजिस्ट्रकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मार्च 1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पृथ्यमान प्रितिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिक्षित्यम के ग्रिक्षीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रिमिनयम या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ग्रामीन निमलिखित व्यक्तियों, ग्रामीन :---

- (1) स्व स्तीक बुलडसँ 1-2-524/3 दीमलगुडा हैवराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्री हेमलता घर नं० 6-3-609/170) हैं दराबाद हैरद्रा, श्रानन्दनगर कलोनी हैद्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ क्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्डोक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधितियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

वभूसची

कार्यालय न० 109 I सागर सामप दीमला हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 1072/78 उपरजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाव

दिनांक 16-11-1978 मोहर :

269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

स० 214/78-79—यत मुझे के० एस० वेकट रामन भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० कार्यालय नं० 206 है, जो सागर वु० दीमलगुडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरन श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रिधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया की

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (श्व) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः ग्रव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के मधीन ृ्निम्नलखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

- (1) श्री स्यास्तीक बुलडर्स घर न० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री एन०मोहन रेडी 3-6-198 हीमार्यतनगर हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 206 II मजीलेपर सागर बु० धर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 1070/78 उप रापीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> के० एस० वेंकट रामन संक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, हैवराबाद

तारीख: 16-11-1978

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक अ।यकर प्रायुक्त (निरीत्रण)

मर्जन रेंज,

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 215/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन मायकर प्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स प्रधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० म्रापीस नं० 208 है, जो सारारबु दीमलगुड़ा में स्थित है (मीर इससे उपाबब म्रनुसूची में भौर
पूनरूप से वर्नित है), रजिस्ट्रकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय,
हैद्राबाद में भारतीय रजिस्ट्राकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन मार्च 1978 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
पतिफल के लिए मस्तरित की वर्ष है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पम्बह
मितात से मिनक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती
(अन्तरित्तर्यों) के बीच ऐसे मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती
(अन्तरित्तर्यों) के बीच ऐसे मन्तरक के स्था तय पाया गया
पतिफल, निम्निवित्तर उद्देश्य के स्थल मन्तरण निवित्त में
बाह्यविक्ष क्षप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त श्रक्ति-नियम के अभीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुजिबा के किए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी याय था किसी धन या अन्य धास्तियों की जिन्हें, भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या धन-कर प्रचित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः धव, वंक्त श्रीवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, क्कत श्रीवित्यम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अवीन निम्नलिबित व्यक्तियों, श्रवीत:---

- (1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैबाबाद (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री एस० क्रीशणाकुमार 553 सीमाजीगुडा हैदाबाद (भ्रन्सरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्सबंधी क्यों कियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि का स में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी क्यों कित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख किसी अन्य अपक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगें।

स्पब्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिचालित है, वहीं घर्ष होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुषूची

कार्यालय घर नं० 208 II मनजेलेपर सारारबु धीमलगुडा हैदाबाद में घर नं० 1-25-24/3 है रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 688/78 उपरजीस्ट्री कार्यालय हैदाबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज हैकराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 216/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है और जिसकी

सं० कार्यालय में दुकान सं० 15 ग्रार० सी० सागर वीयु० डुमलागुड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के. कार्यालय, हैरादबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 1978।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृयश्मान प्रतिफल से, ऐसे द्यश्मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरि-तियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों श्रर्थात्:——

- (1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुष्ठा हैदराबाद (भ्रन्तरिक)
- (2) श्रीमती लीला पेस संकलीधा पती पेस, यंन संकलोधा 6 ये "सुकबीवास" 3 मांधीला पास्टेलेन कोलाबु बामबे 400005। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मन्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिशा गया है।

धनुसूची

कार्यालय ने० 15 ग्रार० सी० सागरबु घर नं० 1-2-524 /4 वीमलगाडा हैबाबाद रजीस्ट्रीकरण बेज ने० 1071/78 उपरजीस्ट्री कार्यालय हैबाबाद में।

> नै० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, हैपराबाद

विनोक: 16-11-1978

मार्च 1978

प्ररूप भाई• टी• एन• एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जुन रेज, हैदराबाद

है दराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1978

संग्जे 217/78-79—यतः मुझे के ए एस० वेंकट रामन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उनत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— क्पये से प्रधिक है, और जिसकी संग्णाफ 13 है, जो सागर वृदीमलगुड़ा स्थित है (ग्रीर दिससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-तियम के भ्रष्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाग गा किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः सब, उक्त धिवियम, की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थीत्— (1) मैंसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुड़ा हैदराबाद।

(ग्रन्सर्क)

(2) श्रीमती पी० कृष्णावेनी पत्ती पी० लशमीनारायणा 15-8-417/फीलकाना, हैंदरावाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका त्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रश् होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 13 जमीन का सतापर सागर वु 1-2-524/3 दीमलगुड़ा हैंदराबाद में दस्तावेज नं० 964/78 उपरिजस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> के० एस०वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ(1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 218/78-79--यतः मुझे,, के०एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाफ नं० 14 है, जो सागर वु दीमलगुडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) 24-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखिट व्यक्तियों, भ्रधीन:——
7—396GI/78

- 1. मैसर्स स्वास्तीक बुलर्ड्स 1-2-524/3 दीमलगुडा, हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- श्रीमती पी० लशमीनरसम्मा घर नं० 15-8-417/1 फीलकाना, हैदराबाद।
 (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त ग्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं ० 14 जमीन की सता पर 1-2-524/3 दीमलगुडा रजिस्ट्री दस्तावेज नं ० 962/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी; सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण). प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 219/83/78-79-- यतः मुझे के० एस० वेंकट रमन भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु॰ से मधिक है क्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 8 है, जो सागर बु दीमलगुडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्द्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भौर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्द्रह

प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक

इत्त से क**धित** नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

धतः धव, उन्त मिनियम, की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त भिनियम की बारा 269-म की बपश्चारा (1) के ग्रधीन निम्निविधित स्पन्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स स्वाख्ति बुलर्ड्स 1-2-524/3 दीमल गुड़ा हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती शकुनतला बाई 21-2-663 अरदु शरीफ धारकमान हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० एम० सी० नं० 8 सागर बुनं० 1-2-524/3 दीमलगुड़ा हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1074/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> कै० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16 नवम्बर 1978

प्रसप माई० टी • एन • एस • -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 220/78-79—यतः मुझे; के० एस० वेंकट रामन आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 12 है, जी सागर बुदीमलगुड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रिष्ठिक है और श्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिकक सप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्क प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के घ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनियम, या वन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपामें में मुविश्वा के लिए;

अत: प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) मैंसर्स स्वास्तीक बुलडर्स घर नै० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैंदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० रामचन्द्रा रेड्डी ग्रडवकेट जेनरल 3-6-467/1 हरडीकर बाग हैंदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्तिबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 12 एफ० सी० सामनेका बाग सागरयु 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1073/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 16-11-1978

प्रकप माई • टी • एन • एस • —

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के श्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1978

सं० 221/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका चिनत बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधक है,

भ्रौर जिसकी मलगी नं० 6 है, जो सागर वुदीमलगुडा वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1978 को

पर्वोक्त तम्पि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-नियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या।
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः पन, उक्त ग्रिमियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, मर्थान् --- (1) मैसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री ईन्द्र सिंह

(2) श्री रघुबीर सिंह।

(3) श्री भ्रानन्द सिंह ---घर नं० 105 -म्राद नगरः हैंदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:→-इ.मर्मे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 6 सागर वु- 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 779/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के॰ एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-78

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 222/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं मलगी नं 7 है, जो सागर वु-दीमलगुडा में स्थिति है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन था श्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनिमय, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री इन्दर सिंह।
 - (2) श्री रघुबीर सिंह।
 - (3) श्री श्रानन्द सिंह घर नं० 105 ग्रादर्शनगर हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मलगी नं० 7 सागर बु- 1-2-524/3 दीमलगुडा है दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 778/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 223/78-79-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन **प्रायकर प्रश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये मृल्य श्रीर जिसकी सं० मलगी नं० 9 है, जो सागर बु-दीमलगुडा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **भ्रधीन 1 मार्च 1978** को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण शिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण सं हुई किसी माय की धावत उक्त मिन्न नियम, के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी व्रन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिप्तिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिमियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रता, श्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री स्वास्तीक बुलर्ड्स दीमलगुडा नं० 1-2-524/3 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीकांत गंगमल घर नं० 8-2-678/1 रास्ता नं० 12-बनजारा हीस्ल हैंदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 9 जमीन के सतह पर सागर बु-घर नं० 1-2- 524/3 दीमलगुड़ा हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज 963/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 16-11-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 224/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 9/1 एफ है, जो ससकुनगर गउ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद इस्ट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ध्रिक्ष-नियम के अधीन कर देने के ध्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे भजने में सुविधा के लिए; ध्रौर/वा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, भधीत्:—

- श्री वलुरी धीनमामनी ललीतेम्बर राजु पिता बी० बेनकटेम्बरलु 5-6-कीतापेट, हैदराबाद।
 - (श्रन्तरक)
- मैसर्स वेनक्टेण्वर क्वापरेटीय हाउस बिलर्डीन्ग सोसाइटी लिमिटेड सरूरनगर-श्रदीकागेट न० राम मोहन शास्त्री 3-5-1140 रामकोटे हैंदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेपः⊸⊸

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्स श्राध-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विमा गया है।

अनुसूची

5/12 भाग जीरायती जमीन में इस नकसे में सर्वे नं॰ 9/1/ फ सरूरनगर गई हैदराबाद तुपे में हैदराबाद जिला बीर्स्तन 4 एकड़-07 गुनटास रजिस्ट्री दस्तावेज नं॰ 1711/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद तुपे में।

के०एस० वेंकट रामन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 19-11-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 225/78-79—-यतः मुसे, के० एस० वेंकट रामन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 9/1/एफ है, जो सकुनगर गाउ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद तुपे में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान, प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या अन्य स्रास्तियों को जिन्हें भारतीय स्रायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रधिनियम, या धन-कर स्रधिनियम, या धन-कर स्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- (1) श्रीवलुरीसीयाकोटेशवराजीपुत्रवलुरीवेनकटेश्य्लु वेनकटेश्येलु-1 कीतिपट हैदराह्माद-500035। (ग्रन्तरक)
- (2) वेनकटेश्वरा कोम्रापरेटीव हौज-बीलडीनग सोसाइटी लिमिटेड सकुनगर उसका सेक्रेटरी नं० राममोहन हैदराह्माद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय म दिया गया है।

अनुसूची ै

5/12 शेर बेचने वाले का जीरायती जमीन में $10\,$ एकड़ में से सर्वे नं० 9/1/एफ सकुनगर गाउ ये हैं दराबाद तुपे हैं दराबाद जिला 4.07 एकड़ रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1712/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद तु में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नधम्बर 1978

निर्देश सं० 226/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269 क्ष के मिनियम माधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिनिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1978

को पूर्नोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मृझे यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्जोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में शास्त्रिक क्या से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के शन्तरक के वायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1924 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के जनू-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्।—— 8—396 GI/78 मैसर्स जबबार रीएल इस्टेश कार्यालय न० 54 मल्लागुड़ा, सीकिन्द्राबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा बाई पिता डाक्टर गुरुदस्तमल एच० ए० एल० कालोनी बालारागू हैक्साबाद। (मन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिप्तिनयम के प्रवयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस प्रवयाय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 दूसरा मंजिला 1-11-252/1 बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 640/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्बराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-11-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय बंगलूर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० सी० ग्रार० सं० 62/17368/78-79/एक्यु/बी०---यतः मुझे जे० एस० राव भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उयत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से मधिक है धौर जिसकी सं० 6/18, है, जो $1\mathrm{st}$ मेन रोड, वयालीकावल एकस्टेनशन बेंगलूर-3 (दावा सं० 45) में स्थित है श्रौर (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर बेंगलूर, दस्तावेज सं॰ 154/78-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्मयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिष्ट-नियम के ग्रिप्टीन कर देने के अस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रय, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन, निम्मिकिकित क्यक्तिमों अर्थात :——

- 1. (1) श्री गोविन्दा राव भोजागडे
- (2) श्री रामचन्द्रा राय भोजागडे, पुत्रान श्री शामा राव भोषागड दोनों का पता सं० 192, 5 मैन रोड़ वजालीकावल, बेंगलूर-3।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री रामायह षटटी पुत्र स्वर्गीय अदेष्पा षटटी
 - (2) श्री सत्यनारायना षटटी पुत्र रामायह षटटी
 - (3) श्री ननजुन्डा षटटी पुत्र रामायह षटटी सब स॰ 16, फस्ट करास नेहरूं नगर सेशादरीपूरम बेंगलूर-560020 में रहते हैं।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री नरसिमहन

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी भन्य व्यक्ति हारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 154/78-79 ता० 12-4-78)

सम्पत्ति सं० 6/18, फस्ट मैंन रोड़ क्यालीकावल एकस्टेनशन बेंगलूर-3 (डीवीजन सं० 45)।

बानडारीस:---

उत्तर: रोड

दक्षिण : वरोषाबेन्द्रा का घर सं० 7

पूर्वः रोड़।

पश्चिम : घानतयड सं० बना हुआ घरसाईट का सं० 50

जी० एस० राव सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 8-11-1978

प्रकप धाई०टी • एन • एस • — –

मामकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 8 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 62/17380/78-79/ए०सी०क्यू०/बी—यतः मुझे जे० एस० राव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुराना, 983 श्रीर नया 48 है, तथा जो ऊलद कचेरी रोड, नरथतेपेत बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (डोवी सं० 2), गांधीनगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 185/78-79 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक
(भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे
भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात्:--

- 1. (1) श्री एस० सी० मुनियप्पा सुपुत्र श्री चन्नारायप्पा
 - (2) श्रीमती रयनममा पत्नी एस० सी० मुनीयप्या
 - (3) श्री एस० एम० सुरेब्रा कुमार सुपुत ,,

- (4) मिस मंजुला सुपुत्री एस० सी० मुनियप्पा
- (5) मिस एह० एम० शोभा सुपुत्री
- (6) श्री एस० एम० चन्द्राशेकर सुपुत्र
- (7) श्री एस० एम० मुराली सुपुत्र

(सं० 6 श्रीर 7 माइनरस है श्रीर उनके पिता एस० सी० मुनीयप्पा, रिप्रेजेन्ट कर रहे हैं।

> पता सं० 49, सुबरामा चट्टी, रोड, बसावनगुडी, बेंगलसूर-4 (म्रन्तरक)

श्री एन० एस० कृष्णाम्थीं
सुपुक्त स्व० एन० के० सुब्बेयह सेट्टी,
सं० 584 समक्तन राव रोड
विषवेष्वरम, बेंगलूर-4 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जुन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्मायमें दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 185/78-79 ता० 15-4-78)

खाली साइट ग्रौर एक छोटा बनाया हुमा घर तथा सं० पुराना 983 ग्रौर नया 48 ऊलद कचेरी रोड, नगरथपेट, बेंगलूर (डिबीजन सं० 2)।

बोनडारीस:---

पूर्व : रोड

पश्चिम: पुट्टप्पाकाघर

उत्तर : मैन रोड

दक्षिण ; कनसरवेनसी रोड ।

जे० एस**० राय** सक्षम प्राधिकारी ृसहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख 8-11-78 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 नम्बबर 1978

निदेश सं० 62/17398/78-79/ए० सी० क्यु०/बी---यतः

मु जे० एस० राव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 52/1-बी ,घर के साथ सं० 16-128 से 16-151 है तथा जो भीताली विलेख मनीपाल, उड़ीसा तालुक एस० के० डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनु-सूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय उड़ीपी , दस्तावेज सं० 34/78-79 में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 14-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है : ---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिरब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रोर/था
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर **अधि**नियम (1922 का 11) या उक्त प्रश्चिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या याकिया जाना चाहिए या, क्रियाने में सुविधाके लिए:

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की झारा 269-व की उपधारा (1) के स्प्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा. भैसस जनरल इनवेस्टमेंट ग्रौर कमरशियल कारपोरेणन लिमिटेड, जिनकी रजिस्टर्ड ग्राफिस सिन्डीकेट होज, मनीपाल में है, तथा उनके चेयरमैन' पी० वेनकटेष नायक उड़ीपी कम्पनी कि स्रौर से है।

(ग्रन्सरक)

2. मैंसर्स केनारा लयन्ड इनवेस्टमेंट लिमिटेड कम्पनी जिनका रजिस्टर्ड भ्राफिस, सिनडीकेट होज, मनीपाल में है, कम्पनी की ग्रोर से जनरल मयानेजर टान से मोहम्मद दास पाय मनीपाल उड़ीपी तालुक एस० के० डिस्ट्रिक्ट रेपरसन्ट कर रहे हैं।

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) मैसर्स मनीपाल पातर परेस, सं० 16-129, 130, 131, 132, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 144, 146, 148, 149, 151,
 - (2) श्रीडेविड वेदामुध्यासं० 16-128
 - (3) श्रीटी० प्रभाकर पाय 116-133
 - (4) टी० रामचन्द्रा पाय 16-142
 - (5) श्रीटी० बेनेडिकटा 16-143
 - (6) दी ग्रकाडेमी श्राफ जनरल यत्रोकेशन 16-145
 - (7) मनीयाल टायिल वर्कर्स
 - (8) श्री बी० नारायना नायक 16-150 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इ.स.सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्प**ब्हीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ध्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 34/78-79 तारीख 13-4-78)।

जमीन 1ए 30 सी, तथा जो सरवे सं० 52/1बी, घरके साथ दरवाजा सं० 16-128 से 16 151 णीवाली विलेज, मानीपाल उडीपी, तालुक एस० के० डिस्टकट।

> जे० एस० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 8-11-78

मोहरः

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

एस० राव

प्रधिनियम, 1961 (1961 मायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रूपये से ग्रविक है

ग्रौर जिसकी नया सं० 2% है, तथा जो गांधी बाजार रोड, बसावनगृडी, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दस्तावेज सं० 3353/77-78 बसायनगुडी, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 30-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है गौर सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पास का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकत ग्रधिक है गीर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप मे कथित नहीं किया पया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मिधिनियम, के मिधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर ममिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर धिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने म सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में; में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-प की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवात:---

1. श्री यु० एस० सुन्द्रष सुपुत्र यू० के० पनमोगप्पा सं० 153/2, ओल्ड मदरास रोड, म्रलसूर, बेंगलूर-8। (भ्रन्तरक)

2. मैसर्स दक्षिणा बेंगलर, थावासर, क्षातरीया समाधा सं० 151/2, आकटर डी०पी० जी० रोड, बसावनगृडी

Reply this President श्री टी॰ एरप्पा, सूपूत्र लेट वेनकोवा राव योनट रोड, हनुमान नगर, सुनकेनाहरूली, एक्सटेन्शन, बेगलुर-19 सचिव, श्री बी० एम० कृष्णा राव, सब्रेयी सुपुत्र स्व० म्नीसामी राव, महालकंषमी टमपल कुमार पारक, बेस्ट बेंगलूर ग्रौर कोषाध्यक्ष: श्री बी० एस० वेन्गोपाला, राव सुपुत्र स्व० श्री बी० सागप्पा राव सं० 19, 🎛 मेन रोड, एन० भ्रार० कालोनी, बेंगलूर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्यीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उस्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है ।

अनुसुधी

(दस्तावेज सं० 3353/77-78 ता० 30-3-78) सम्पत्ति नया 2 गांधी बाजार, रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर-4 बानडारीस :

पूर्व : सम्पत्ति

श्री यु० एस० विरोपाकषपय श्री यू० एस० धन्मालिनगप्पा

ग्रौर डाक्टर मनोहर

पश्चिम : श्री जी० बी० रुद्रप्पा की सम्पत्ति

उत्तर : सम्पत्ति सं० नये 1, 3 ग्रीर 4 गांधी बजार

रोड पर ।

दक्षिण : कासरवेनसा लेन ।

जे० एस० राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर।

सारख: 8-11-78

मोहरः

प्रकप आई० टी० एन● एस●-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निदेश सं० सी० आर० 62/17591/78-79/ए० सी० क्यू०/बी—यतः मुझे, पी० रगानाथन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 43/1, तथा जो हेच, बी० समाजा रोड, 4th कास, बसावनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बसावनगुडी, बेंगलूर-4 दस्तावेज सं० 3159/77-78, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 13-3-78

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकार व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री बी० वी० रामायह पट्टी, सुपुत्र बी० वेंकटरामन
 - (2) श्री बी० ग्रार० नागराज

वही

(3) श्रीबी० ग्रार० नारायनामुरती

वही

(4) श्री बी० ग्रार० सरीनीवासामुरती सबका पता, सं० 608, 6th मेन रोड, 6th क्रास, डनुमताननगर, बेंगलूर-560019, श्री बी० वी० रायमह षट्टी, ग्रपने महनर लड़के सगपा को रेप्रेजन्ट कर रहे हैं।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री एस० बी० रथनयया, सुपुत्न श्री वेंकटप्पा सं० 65, गोविन्टप्पा, रोड, बसावनगुडी, बंगलूर-4।
 - (2) श्री एस० श्रार० मोहन सुपुत्र एस० वी० रथनथयाषट्टी, सं० 14, पहली मंजिल, षीवागंगा, यह रोड, चामराजपेट, बेंगलूर-18।

(भ्रन्तरिती)

*(3) श्री राम रास बरहमापचारी (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भो
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

[दस्तावेज सं० 3159/77-78 ता० 13-3-78] संपत्ति सं० 43/1 एच० बी० समाजा रोड, $4t^h$ क्रास बसावनगुडी, बेंगसूर-4 (डिवीजन सं० 33)। चकबन्दी :

पूरव : श्रीराम कृष्णा षट्टी की सम्पत्ति।

पश्चिम : गोविन्दप्पा रोड ।

उत्तर : श्री के० छलापाती की सम्पत्ति

दक्षिण : एच० बी० समाजा रोड,

पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 23-11-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1931 (1961 ज्ञा 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुनता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 22 नम्बबर 1978

निर्देश सं० 62/16677/78-79/ए० सी० वयू० (एम) —-यतः मुझे पी० रंगानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तास् 'उक्त भिधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन समस प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 1442/41 ए०, 39/2, कास, है तथा जो 4 ब्लाक जयनगर, बेंगलूर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-3-78 को

पुर्वीक्त सम्पत्ति के अजित वाजार मूल्य से कम के बुश्यमान श्रातेफल के लिए भ्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने ा कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय परया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत शस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्ससे बचने वें सुधिधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्र**धिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नयः या या किया जाना चाहिए था, जियाने में भृजिमा के लिए;

अतः अब, उनत भिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नीत :---

- 1. (1) श्रीमती लक्ष्मी देवध्या, पत्नी श्री वि० टि० शंकर
 - (2) कुमार बि० एस० सेमशेखर
 - (3) कुमारी बि० एस० सौभाग्या
 - (4) कुमारी बि० एस० देवी
 - (5) कुमार बि० एस० हरीश

1, No. 2 to 7 are Minors vep by यां श्री लक्ष्मीदेवाम्मा

(6) कुमारी वि० एस० तारादेवी ग्रीर (7) कुमारी बि० एस० लोकी, सं० 176, तीसरा ब्लाक, जायनगर, बेंगलूर-11

(भ्रन्तरक)

श्री पटेल बंजा रेड्डी, सुपुत्र स्वर्गीय तिभ्या 2. रेड्डी, चीमनडूल्ली गांव, कसबा डोबली, चिंतायनी तालूक, कोलार जिला (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सभ्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविश, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनाके राजपकामें प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों मीर पदों का, जो 'उदत अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं०3275/77-78 ता० 27-3-78) सारी संपत्ति का नं० 1442/41/ए, 39 कास 4 ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11

चकबन्दी :

उत्तर : 39 कास,

दक्षिण : प्राइवेट प्रापर्टी (प्रापर्टी)।

पर्व : प्राइवेट प्रापर्टी फ्रौर पश्चिम : प्राइवेट प्रापर्टी

> पी० रंगनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 22-11-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० सी०ग्रार० 62/17645/78-79/ए०सी०क्यू०/ -- यतः मुझे पि० रंगनाथन भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दपए से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं 837, 5 मेंन, है तथा जो 5 क्रांस रोड पश्चिम यार्ड रोड, विजय नगर बेंगलूर-40 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्री रामपुरम, बेंगलूर, दस्तावेज नं० 263/78-79 में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

(क) मन्तरण से हुई िकसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निषित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भत: भन, उक्त श्रिविनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रीविनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रीतन, निम्निखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती दुर्गम्बा, पत्नी स्वर्गीय ऊनुयन्तयया, सं० 837, 5 मेंन, 5 कास, मागडि रोड, चार्ड रोड, विजयनगर, बेंगलुर-40

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पत्तों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 263/78-79 ता० 21-4-78) सारा सम्पत्ति का नं० 837, 5 मेंन, 5 कास रोड, पश्चिम चार्ड रोड, विजयनगर, बेंगलूर-40

चकबन्दी :

पुर्व : रोड

पश्चिम: जगह का नं० 820 उत्तर: जगह का नं० 836 स्रौर दक्षिण: जगह का नं० 838

> पि० रंगनाथन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 23-11-78 मोहरः :

भारत सरकार

कार्यसय, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बगलूर, विनांक 22 नवम्बर , 1978

निद्या संब्सी ए० 62/16762/78-79/ए० सी क्यू० श्वी— यतः मुझे पि० रंगनाथन श्रीयकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित, बाजार मूल्य 25,000/- रुपण् से ग्रीधिक है

स्रौर जिसकी सं० पुरना नं० 5/91, ननया नं० 1, कुंबारपेट, वेंगलूर है तथा जो 4 कास, सादर पर्थण्या रोड, में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय गांधीनगर, वेंगलूर सं० नं० 3875/77-78 में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या भन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

- 1. (1) श्री गुमीदुवरदीन शरीफ सुपुत्र स्वर्गीय एस० सियाजुद्दीन शरीफ श्री नसीष्ट्दीन, मोहम्मद शरीफ यानु (उर्फ) साशीफ पाशा ।
 - (2) श्रीमती शकिला बानु पत्नि सय्यद, श्रामीर भ्रली, श्रीर
 - (3) श्रीमती शशीवा बानु नं ० 2103 मंडी मोहत्ला मैसूर-1 (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती वाय् एवमसुहिन्तमा सुपुत्री सैन्यव याकूब साहब,
 - (2) वाय् फातियुन्निसा सुपुत्री सैय्यद सूक्त साहेब सं० 8, 4 कास, सादर पत बैंग्पा रोड, कुंबारपेट, बेंगलूर-2

(श्रन्तरिती)

3. श्री एच० के० आब्दुला बागा

(तर् किनित जितक अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, ओ भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तरीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

(दस्तावेज सं० 3875/77-78 ता० 23-3-78) सारा सम्पत्तिका पुराना नं० 5/31, नया नं० 1, 4 कॉस मावरपर्श्वपा रोड, कुंबारपेट, बेंगलूर डिवीजन सं० 40)। चकबन्दी:

पूर्व : प्रायवेट प्रापर्टी

पश्चिम: रोड

उत्तर : प्रायवेट प्रापर्टी ग्रौर दक्षिण : लेन ग्रौर फायन्ना का घर ।

पि॰ रंगनाथन सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 22-11-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (2961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर अयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 22 नवम्बर 1978

निर्देश स० सी० श्रार० 62/16741/78-79/ए० सी० क्यू०/(बी) — यत: मुझे पि० रगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1941 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिस का उचित बाफ्रार मूल्य 25,000/-द॰ से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 13 स्रदानप्पा गली है तथा जो कास्स्री रेबण्णा सट्टी पेट बेंगलूर-560002 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजरट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बेंगलूर-दरतावेज सं० 3774/77-78 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झम्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के झझीम कर देने के झम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/था
- (आ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सव, उन्त प्रविनियम की बारा 269ण के प्रमुसरण भें, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269ण की उपबारा (1)के प्रवीत, भिन्निक्षित व्यक्तियों प्रवित् :--

- (1) श्रीमती गगम्मा पत्नी श्री भृष्णप्पा स० 80-81 कानटीना भृष्णप्पा गली काटनपेट बेंगलूर ।
 - (2) यानश्रम्मा पत्नी श्री वैकुपाटयमा सं० 13 अंदानप्पा गली कावडी रेवण्णापट्टी बेंगलूर-2
 - (3) हुलियप्पाः सुपुत्र स्वर्गीय एच० मुनीयपा स० 80-81 कनटीना कृष्णपा गली काटनपेट बेंगलूर-2 (भ्रन्तरक)
- 2. (1) टी० ग्रन्नयेयप्पा पुत्रश्री टी० थिमययह
 - (2) श्री टी॰ नारायानणां भदेव दोनों का पता है: सं॰ 17 सघीवानायक हल्ली श्रावेनियो रोड आस बेंगलूर-2 (श्रन्तरिती)
- (1) श्री शिवाराघ
 - (2) पेरमाल
 - (3) श्रीमती चिन्नम्मा
 - (4) वेलियम्मा श्री पच्छप्पा ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यंग्राहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध्व या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्व, जो भी ध्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किशी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों काः, जो उक्त धिष्ठ-नियम के झड्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस झड्याय में दिया गया है।

अनुसूषी

(दस्तावेज सं० 3774/77-78 ता० मार्च 78) सम्पत्ति सं० 13 श्रंदानप्पा गली काबड़ी रेवण्णा षट्टीपेट, बेंगलूर-2

चकवन्दी :

उत्तर : प्राइवेट सम्पत्ति दक्षिण : प्राइवेट सम्पत्ति पूरव : प्राइवेट सम्पत्ति ग्रौर

.. पश्चिम : रोड

पि० रंगनाथन सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीधण)

म्रर्जन रेज अंगलूर

तारीख 22-11-1978 मो**हर**ः प्रकप माई • टी • एन • एम • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेग सं० ए नओ रल 7/77-78 — न्यतः मुझे नत्यू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान का भाग जो राजस्थान भवन से जाना जाता है श्रौर जिसकी भूमि का क्षेत्रफल 6322 वर्ग मीटर है तथा जो गांव थोड़ी दी० माल सोलन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रामूत्री में श्रीर जो पूर्ग का से विजात है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी ब्रायया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिनाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, तिम्नलिखित क्यक्तियों, प्रथीत्:—

- श्रीनती फूलन देवी पश्नी निहाल चन्द गंगवाल वासी
 9-सी लौरड सिन्हा रोड, कलकत्ता-16 (श्रन्तरक)
- 2 (1) श्री बन्सी त्ररपुत्र श्री जौहरी लाल दी माल सोलन
 - (2) श्री इन्दर सस्प पुत्र श्री प्रकाण चन्द सी० ए० 18/39 णक्ति नगर, दिल्ली।
 - (3) श्री महिन्दरदास जैन पुत्रश्री महाधीर प्रसाद जैन जैन हाउस दीमाल सोलन।
 - (4) श्री यावन चन्दर जैन पुत्र राम चन्द्र जैन प्रोफेसर एपी हत्चर यूनीवर्नीटी राजस्थान भवन सोलन।

- (5) श्री नारायण लाल सुथर सुपुत्र पुत्र मोहन लाल सुथर वासी 9 सखर्ग डाकघर महतापुर जिला कना (हि॰ प्र॰)
- (6) श्री जौहरी लाल पुत्र श्री मुलख राम मारफत मैसर्स जौहरी लाल बन्सीधर दी माल सोलन ।
- (7) श्री भ्ररिवन्द कुमार पुत्र चन्द्र भान मारफत चन्द्रभान श्रानन्द प्रकाण 31-ए कमला नगर नई दिल्ली।
- (8) श्री श्रभी सेख मनु संघवी, पुत्र श्री एल० एल० संघवी, बकील वासी 30 लोधी इस्टेट, नई दिल्ली।
- (8) श्री समपत राज रानका पुत्र चन्द्रं मल वासी रायपुर, मारवार, जिलापाली, राजस्थान। (श्रन्तरिती)
- 3. (1) दी डीन, एग्रीकल्चरल यूनिवसिटी, सोलन ।
 - (2) श्री हरिसिंह, बाबा, प्रोफेंसर एजूकेशन, कालिज, राजस्थान, भवन सोलन।
 - (3) श्री सुरेश कुमार गुप्ता, मालिक फ्रेंड्स जनरल स्टोर, दीमाल, सोलन।
 - (4) श्री राम करण गुप्ता, टी स्टाल, राजस्थान भवन, दी माल, सोलन।
 - (5) श्री श्रमृत लाल खन्ना, मालिक नीलम फरनीचर इन्डम्ट्रीज, रेड कास रोड, सोलन।
 - (6) मैसर्ज हरि सरन व सब्ज, रेड क्रास रोड, सोलन।
 - (7) श्री हरि सरन पुत्र श्री लोखाराम, रेड कास रोड, सोलन।
 - (8) श्री ग्रार० एल० मून्जल, बोटनी व पलान्ट का प्रोफेसर, राजस्थान भवन, सोलन।
 - (9) श्री दलीया, राजस्थान भवन, दी माल, सोलन।
 - (10) श्री वाई० सी० जैन, इसोसाइटेड, प्रोफेसर, राजस्थान, भवन, सोलन।
 - (11) श्री प्राप्तः केः यादव, सहायक प्रोफेसर, बोटनी व पलान्ट पथौलोजी, राजस्थान भवन, सोलन ।
 - (12) श्री जे॰ पी॰ चथ रथ सहायक प्रोफेसर, . इन्टोमोलोजी, राजस्थान भवन सोलन।
 - (13) श्री डी० ग्रार० चौहान, सुपरिन्डटेडेंट/ सह।यक (श्राडीट) एग्रीकल्चर यूनीवसिटी, राजस्थान भवन, सोलन।
 - (14) श्री काला सिंह चपरासी, एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी, राजस्थान, भवन, सोलन।
 - (15) श्री जे० सी० वर्मा, स्टोनोग्राफर, एग्रीकंल्चर यूनिवर्सिटी, सोलन, राजस्थान भवन । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी खवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी।

अन्य स्यक्ति द्वारा, अजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही भयं होना, जो उस भध्य य में दिया गया है।

प्रमुखी

मकान का भाग जो राजस्थान भवन के नाम से जाना जाता श्रीर गांव थोड़ी, बीमाल, सोलन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, कलकत्ता के कार्यालय के विलेख संख्या 1603 मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थूराम समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 16 मार्च 1978

मोहर:

प्रसप आई० टी० एन०एस०----

ग्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289घ (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978 निदेश सं० सोलन/8/77-78 श्रतः मुझे नत्थुराम

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25;000/- रुपये से पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान का भाग जो राजस्थान भवन के नाम से जाना जाता है श्रीर जिसकी भूमि का क्षेत्र फल 6322 वर्ग मीटर है तथा जो गांव थोडी, दी माल, सोलन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रूप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीमिनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;' भीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी छन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झाय-कर झिंछनियम, 1922

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त भधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपन्नारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचात !---

- 1. श्रीमती गिनीया देवी पत्नी श्री प्रकाग चन्द सरोगी वासी 68-नलनी सेठ, रोड, कल हत्ता-16 (ग्रन्तरक)
- (1) श्री तलोक चन्द पुत्र श्री हिर राम दी माल, सोलन ।
 (2) श्री ती राज दुलारी, पत्नी श्री तारा चन्द

वासी राजगढ़, रोड, सोलना

- (3) श्री बाबू लाल पुत्र श्री रामेश्वर वास, जनरल मरर्चेन्द्रस, उदो मण्डी, सूरजगढ़, राजस्थान
- (4) श्री ज्वाला प्रसाद पुत्र श्री रामेण्वर दास वासी श्रनाज मण्डी रीवारी
- (5) श्रीनती राम जीनानी, कन्वर पत्नी श्री इन्दर चन्द टी० नगर, मदरास, मारफत राजस्थान भवन, दी माल, सोलन। (भ्रन्तरिती)
- (1) दी डीन, एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सोलन।
 - (2) श्री हरि सिंह यावा, प्रोफेसर एजूकेशन कालिज, राजस्थान भवन, सोलन।
 - (3) श्री सूरेश कुमार गुप्ता, मालिक फेन्डस, जनरल स्टोर, दी माल, सोलन।
 - (4) श्री राम करण गुप्ता टी स्टाल, राजस्थान भवन, वी माल सोलन
 - (5) श्री श्रमृत लाल खन्ता, मालिक नीलम फरर्नीचर, इन्डस्ट्रीज, रैंड, कास रोड, सोलन।
 - (6) मैसर्स हरिसरन वसन्ज, रैंड कास रोड, सोलन।
 - (7) श्री हरिसरन पुत्र श्री लोखा राम रैंड, करास,रोड, सोलन ।
 - (8) श्री ग्रार० एल० मून्जल, बोटनी व पलान्ट का प्रोफेसर, राजस्थान भवन, सोलन।
 - (9) श्री दलीं सं राजस्थान भवन, दी माल, सोलन ।
 - (10) श्री वाई० सी० जैन, एसोसाइटेड, प्रोकेसर राजस्थान भवन, सोलना
 - (11) श्री ग्रांर० के० यादव, सहायक प्रोफेसर, (वोटनी) व पलान्ट पथोलोजी, राजस्थान भवन सोलन
- (12) श्री जै० पी० चथ रथ, सहायक श्रोफेसर, इन-टोमोलोजी, राजस्थान भवन, सोलन।
- (13) श्री डी० श्र:र० चौहान, सुपरिडेंट सहायक (श्राडिट) एग्रीक नवर यूनिवर्सिटी, राजस्थान भवन, सोलन
- (14) श्री कःला सिंह चपरासी, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी राजस्थान भवन, सोलन।
- (15) श्री जे॰ सी॰ वर्गा, स्टेनोग्राफर, एग्रीकल्पर यूनिवर्सिटी, टी सोलन, राजस्थान भवन।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

(क) इस सूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्वद्व किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसृची

मकान का भाग जो राजस्थान भवन, के नाम से जाना जाता है ग्रौर जो गांव थोडी, दी माल सोलन में स्थित है)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, वस्त्रक्ता के विलेख संख्या 1604 मार्च, 1978 में दर्ज है।)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवस्बर 1978

मोहर :

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

त्िध्राना, विनांक 16 नवस्बर 1978

निदेश सं० चन्डीगढ़/114/77-78 अतः मुझे नत्थूराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० सी० एफ० न० 7/11, सैक्टर 27-सी, है तथा जो चन्जीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उापबढ़ प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारीके कार्यालय चन्जीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1978
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्मान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (भ्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथत नहीं किया गया है:——

(क) मन्तरण से हुई श्राय किसी की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; श्रीर/या (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 299-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

1 मेजर सत्यवान, सिंह (रिटायर्ड) पुत्र स्वर्गीय लगुरिदया सिंह, वासी

11-ए, बिन्डसन पेलेस, लखनऊ 1

मारफत: सोहन सिंह सन्धावालिया पुत्र श्री लाभ सिंह वासी मकान न० 21, सैंक्टर, 2, चंडीगह।

(अन्तरक)

- श्री भगवान दास पुत्र श्री राम लाल वासी, मकान नं ०
 254, गुरु नानक पुरा, लुधियाना । (धन्तरिती)
- 3. (1) श्रीमती के कटी शाल
 - (2) श्री एम० एल० कटीय(ल,
 - (3) श्री नन्द किशोर

सब वासी एस॰ सी॰ एफ॰ 7/11, सैक्टर 27-सी चंडीगढ़। (वह ब्यक्ति जितके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्स्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:——
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस0 सी0 एफ0 7/11 सैंक्टर-28 सी चडीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चंडीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1378 मार्च, 1978 में दर्ज है)

> नत्यूराम सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

विनाक: 16 नवस्बर 1978

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सीएचडी/132/77-78—यत. मुझे नत्थू राम ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्त शाजार मूल्य 25,000/- इपण् से ग्राधिक है

मौर जिसकी सं एस सी श्री नं 89, 90, 91 है तथा जो संकटर 17 की, चन्डीगढ़ में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबढ़ अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री में श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रन्तरक (मन्तरकों)भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत भ्रधिनियम या धन-वर क्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:---

- 1. श्री पवन कुमार, ग्रमय कुमार पुल श्री ग्रमृत लाल श्रीमती बलबीर कुमारी पत्नी श्री तरसेम चन्द द्वारा श्री तरसेम चन्द (जैनरल एथैरनी), श्रीमती कमला देवी पत्नी पवन कुमार, श्रीमती श्रीमला देवी पत्नी ग्रभय कुमार, राजेश जैन, राजेश जैन पुल तरसेम चन्द दारा श्री तरसेम चन्द (नैचरल गारडीयन), वासी मकान नं० 1621, सैक्टर 18 डी, चन्डीगढ़।
- 2. श्री वाबा तीर्थ सिंह पुत्र बाबा सावन सिंह, सर्वश्री हिरन्दर सिंह वाबा, सुखिन्द्र सिंह वाबा पुत्र श्री तीर्थ सिंह, रणजीत कौर पत्नी तीर्थ सिंह, परमजीत कौर पत्नी बाबा हिरन्दर सिंह, बाबा निहास सिंह पुत्र बाबा किशन सिंह, श्री अन्पास सिंह सर्वेपाल सिंह, सुखपाल सिंह सर्वेपाल सिंह, सुखपाल सिंह सर्वेपाल सिंह, सुखपाल सिंह पुत्र गुरमीत सिंह बाबा वासी सुक्तसर,

जिला फरीदकोट, सारफत मैंसर्स बाबा निहाल सिंह गुरमीत सिंह मुंबतसर। (भ्रन्तरिती)

- 3. (1) मैंसर्स सिंह सौंग, प्रोपराइटर श्री कंबलजीत सिंह
- (2) मैसर्स डसङ्ग्रयर परौपराइटर श्री जितन्दर सिंह।
- (3) मैसर्स थामसन, परोपराइटर ,श्री राम नाथ।
 (4) मैसर्स दर्शन इस्मबौडरी, परोप्रेराइटर जोगिन्दर सिंह।
- (5) मैसर्स सुपरीन वूलन मिलज परोपराइटर प्रेम चन्दे।
- (6) मैसर्स चन्डीगढ़ स्पोरटस परोपराइटर श्रम्त लाल।
- (7) मैसर्स लखनक पान कारनर परोधराइटर नरंगी प्रसाद
- (8) मैसर्स चीना इलैक्ट्रीकल वर्क्स प्रोपराइटर रुपिन्दर सिंह।
- (9) मैंसर्स एम० जी० इलैक्ट्रीक प्रोपराइटर सत पाल।
- (10) मैसर्स रीकसी हेयर डरैसर प्रोपराइटर प्रदिश अहमद।
- (11) मैंसर्स कीशिल ज्यलर्ज प्रोपराइटर पवन कुमार।
- (12) मैसर्स कोशिल फरनिशरज।
- (13) श्री चरण दास एस० सी० ग्रो० 89-91, सैक्टर 17 डी, चन्डीगढ़।
- (14) मैसर्स बजाज इनवैस्टमेंट प्रोपराष्ट्रटर श्री एस०पी० बोहरा।
- (15) मैसर्स वावा निहाल सिंह बावा तीर्थ सिंह।
- (16) श्री कुलदीय सिंह, वकील व
- (17) पंजाब स्कूल एजूकेशन बोर्ड, चन्डीगढ़ एस०सी० :स्रो०नं० 89.91 सैक्टर 17 डी चन्डीगढ़।
- (18) मैंसर्स शिव जयूलरज।
- (19) मेंसर्स मलहोदा बुका
- (20) मैसर्स मललोद्रा बुक डिपो
- (21) श्री ए० ग्रसलम, दर्जी।

एस० सी० श्रो० नं० 89-90 व 91 सैक्टर 17 डी, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ स्थक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्क्वों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 50, श्रपल, 1978 में दज है)

एस० सी० ग्रो० 89-91 , सैक्टर 17-डी, चन्डीगढ़।

नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायु**क्त (निरीक्षण) अजन रेंज, लुधियाना

तारीखः 16 नवम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सीएच/138/78-79--यतः मुझे नत्थ् राम ग्रायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- द॰ से मधिक है ष्मौर जिसकी सं० मकान नं० 2174, सैक्टर 15-सीं, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है, भौर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अध्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर ग्रिश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के शिए;

अत: भव उक्त भिवित्यम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्नज्ञिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती जोगिन्दर कौर, श्री जायदेव सिंह, श्री मन्दिर सिंह व श्री प्रमदेव सिंह, श्री जितन्दर देव सिंह, श्री सुचदेव सिंह सब वासी 1513, सैक्टर 33-बी, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती सुखिन्दर कौर गिल वासी 2174, सैक्टर 1 5-सी; चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी कर्के पूत्रोंक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत भिधनियम, के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस घ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ७० 2174, सैवटर 15-सी चन्डीगढ़। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी-चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 88/ग्राप्रैल, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यु राम सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख^{*}: 16 नवम्बर, 1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं ० एसम्रारङी / 73 / 77-78—यतः मुझे, नत्थू राम आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- दे० से मिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 14 मरले हैं तथा जो गांव ब्रहमनन माजरा, सर्राहद में स्थित है (श्रीर (इससे उपाबद ध्रनुषूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सर्राहन्व में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशा अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीव ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक क्य में क्षित तहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी साय मा किसी घन या प्रण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय सायकर सिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधनियम, या घनकर सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सिंघा के लिए;

अतः ग्रन, उसत ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुक सरण में, में, उस्त ग्रधिनियम की घारा 269व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- श्री करतार सिंह पुत्र श्री जगत सिंह वासी बाहमन माजरा सरहिन्द।

(ग्रन्सरक)

2. मसर्स सूद राईस मिल्स, सरहिन्द।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विश्व किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तान के पास लिजिन में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उस्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 14 मरले है श्रीर जो गांव श्राहमन माजरा सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, सरहिन्द के के कार्यालय के विलेख संख्या 3165, मार्च 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रज, लुधियाना

ारीख : 16 नवम्बर, 1978 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एनकीए/52/77-78---यतः मुझे नत्थू राम आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 10 मरले है तथा जो नाभा (थूही रोड) में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और श्रन्तरक (ग्रस्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अलरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उम्त भ्राधिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविद्या के शिए; और∤या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

ग्रतः, ग्रब उक्त प्रिक्षितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्।——
10 -396GI/78

- श्री गुरदियाल मिह पुल्ल मितु वासी नाभा।
 (ग्रन्तरक)
- श्री श्रमर नाथ पुत्र मोती राम व सर्वश्री राजेण कुमार ज्ञान चन्द, वरिण भान व मिन्दर कुमार व सुरिन्दर कुमार पुत्र श्रमर नाथ वासी नाभा मालिक श्रमर राईस मिलज, थूही रोड नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 10 मरले है और नाभा में स्थित है। (थही रोड़)।

(जायदाद जैसाकि रिजट्रकर्ता श्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2304, मार्च, 1978 में दर्ज है) ।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर, 1978

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश स० एसश्रारडी /72 /77-78—यतः मुझे निःशू राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से. अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 76 कलाल 13 मरले है तथा जो गांव साराना, तहसील सरहिंद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूणे रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकि कि श्रिष्टिकारी के कायित्य, सरहिंद में, रिजस्ट्रीकिरण श्रिष्टित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, तारीख मार्च 1978 को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के लिए मन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्तल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्तल के पन्द्रह्रप्रतिणत से मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकन, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ट-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त धिविनयम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त धिवियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भिधीत :--- श्री ग्रजमेर सिंह पुत्र रला सिंह गांव भारतपुर तहसील खरड।

(भ्रन्तरक)

2 श्री साधू सिंह पुत्र श्री रन्गी सिंह गांव साराना, तहसील सर्राहद।

(भ्रातरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शक्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूर्च)

भूमि जिसका क्षत्रफल 76 कनाल 13 मरले है और गांव साराना तहसील सरहिंद में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सरहिंद के कार्यालय के विलेख संख्या 3133, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर 1978

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह यक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं डीबीएस/42/77-78—यतः मुझे नत्थू राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पश्चाम् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिथका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

ग्रौंर जिसकी सं भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 विधा 13 विश्वा है तथा जो गांव रोनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौंर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौंर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्झह प्रतिशत अधिक है श्रीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण स हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा क लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय प्रायकर श्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या जकत श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्।—- मर्वश्री हुकम चन्द, बरखा राम व लज्या राम पुत्न श्री सुन्दर, वासी गांव रौनी (रोटी) सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स बसंत इंडस्ट्रीज, 201, श्रन्सल भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, द्वारा श्री सुरिन्दर सिंह, हिस्सेदार।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्राजन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 विघा 13 विश्वा है और जो गांव रीनी (रोटी), सब-तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 1214, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर 1978

प्रारूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० डी०बी०एस० 43/77-78—प्रतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-६० से अधिक है,

भौर जिसकी भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 विधा 12 विध्वा है तथा जो गांव रौनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्त-विक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत जन्स अधि-नियम के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख), ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भारितयो को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

धतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सर्ज में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत्:—- सर्वश्री राम सरुप व श्रमर नाथ पुत्र श्री प्रभु श्रीर श्रीमती बच्चनी, बावी, श्रीमती सोमती पुत्रीयां श्री प्रभु वासी गांव रौनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

मैंसर्ज बसन्त इंडस्ट्रीज,
 201, श्रन्सल भवन, कसतूरबा गांधी मार्ग,
 नई दिल्ली द्वारा श्री सुरिन्दर सिंह, हिस्सेदार

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोस्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रष्टवाय 20-क में परि-माधित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्षी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 12 विश्वा है और गांव रौनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, डेरा बस्सी, जिला पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1215, मार्च, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर, 1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निदेश सं० म०, 34/77-78—ग्रतः / मुझे/ नत्थू राम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 700 वर्ग गज है तथा जो रेलवे रोड, मण्डी गोबिन्द गढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भन, उस्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात:-- श्री बचन सिंह पुत्र श्री माधी राम, बचन सिंह पुत्र रौनक सिंह,
 श्री नथा सिंह पुत्र रौनक सिंह सब बासी गांव सौन्ती तहसील श्रमलोई, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राज कुमार पुत्न हन्स राज व श्री रोशन लाल पुत्न श्री हन्स राज, मार्फत मैंसर्ज मता क्लाथ हाउस, नं० 1, म्यूनिसिपल मार्किट, मण्डी गोबिन्दगढ़ा, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाह्यिंग करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उन्त धिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 700 वर्ग गज है ग्रीर जो रेलवे रोड, मण्डी गोबिन्द गढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, 'ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 485, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 20 नवम्बर, 1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी०ग्रार०एन०/20/77-78----ग्रतः मुझे नत्थु राम

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान जिसका एरिया $68' \times 20'$ है तथा जो बरनाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किंसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--

 श्री विजय कुमार पुल श्री शिव सरवदाय सूद मारफत मैसर्ज सूद सन्ज ट्रैक्टर्ज, कालेज रोड, बरनाला।

(अन्तरक)

 सर्वश्री विजय कुमार, रिव पाल पृत्न श्री प्रेम नाथ श्रग्रवाल वासी वरनाला तहमील वरनाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान/मकान जिसका एरिया $68' \times 20'$ है श्रीर जो बरनाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, बरनाला के कार्यालय के जिलेख संख्या 1163, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 नवम्बर, 1978

प्ररूप भाई । टी । एन । एस • ---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मिनियमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर 1978

्निदेश सं विषयि । श्री विषय । श्री विषय । सुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम आधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- इवए से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भृमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव पखो कलां, मब-तहसील तपा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण छप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिक्षिकारी के कार्यालय तपा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित साजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-

1908 (1908 का 16) कथ्रश्रान ताराख माच, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यूण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिविनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए। घौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) यह उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रवित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित अपनितयों, मर्मात् :--- श्री नरन्जन सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, गांव पत्रो कलां, सब-नहसील तपा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री कौर मिह पुत्र श्री खिउन सिंह, गांव पखो कलाँ, मब-तहसील तपा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के संबंध में कोई भो श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 10 मरले है श्रौर जो गांव पक्षो कलों, सब-तहसील तपा में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, तपा के कार्यालय के विलेख संख्या 226, मार्च, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 20 नवम्बर, 1978

प्रकप आई • टी • एन • एस •--

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निदेश सं० राज/40/77-78—प्रतः मुझे नत्थू राम आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/— इ॰ से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 18 मरले है तथा जो राजपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्वनियम, के ग्रग्नीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन निम्नतिखित व्यक्तियों प्रमित् :--- श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरदेव सिंह, मुख्तयारस्राम श्रीमती नसीब कौर पुत्ती श्रीमती प्रेम कौर वासी गांव राजपुरा तहसील राजपुरा।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती शाम कौर पत्नी श्री भगवान सिंह व सर्वश्री गुरिन्दर सिंह, ग्रमरजीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी मोहिन्दर गंज, राजपुरा, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

 3. (1) मैंसर्ज ईगल मोटल, वाई पास रोड, राजपुरा
 (2) मैंसर्ज भगवान सरविस स्टेणन, वाई पास, जी०टी० रोड, राजपुरा ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्तिके म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भो श्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपज्ञ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है बही प्रयंहोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 18 मरले है श्रीर जो राजपुरा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 3256, मार्च, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 नवम्बर, 1978

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 नवम्बर 1978

निदेश सं० पी०/ए०/73/77-78--- श्रतः मुझे नत्थू राम आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है है तथा

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 48-बी, माडल टाउन, पटियाला जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों, की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधनियम या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित क्यिक्तयों, श्रयीत :--11-396GI/78

 श्री सम्पूर्ण सिंह पुन्न श्री इन्दर सिंह वासी मीहला अरोरा, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तिर्थं राम पुत्र श्री देस राज, डिप्टी **डायरेक्टर**, 66-बी, माडल टाउन, पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

3. एस० डी० श्रो० (ग्रार० ई० सी०) निर्माण सब-डिनिजन नं० 2, पी० एस० ई० सी०, 48-बी, माडल टाउन, पटियाला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- -(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

मकान न० 48-बी, माडल टाउन, पटियाला। (आयदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6014, मार्च, 1978 में दर्ज है)

> नस्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 नवस्बर, 1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 24 नवम्बर 1978

निदेश सं० सी॰एच॰डी॰/111/77-78—-म्रतः मुझे, नत्थु राम

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुएए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2813, सैंक्टर 22-सी, चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—- श्री मुकन्द सिंह पुत्र श्री कपूर सिंह वासी गांव व डाकघर जमालपुर जिला लुधियाना ।

(भ्रन्त*र*क)

2. श्री गुरदास सिंह व बेअन्त सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह वासी गांव मतौड, जिला रोपड़ व ग्रब 60 बी०टी० रोड, कलकत्ता।

(श्रन्तरिती)

3. मैसर्ज पाल माडल प्राईमरी स्कूल, 2813, सैक्टर 22सी, चन्डीगढ़। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्</mark>वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुची -

मक्तान नं ० 2813, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़ (प्लाट नं० 437)

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1310, मार्च, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 24 नवम्बर, 1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन• एस०------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अर्जीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 24 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एस० एम० एल०/50/77-78--- प्रतः मुझे, नत्थू राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के श्रधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जायेदाद जो 'बूड़ लैण्ड' के नाम से जानी जाती है तथा जो सेंट बीड़स कालेज के नजदीक छोटा शिमला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख

मार्च, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के भीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न 🤃 किया गया है:---

- (क) मन्तरण स हुई किसी भाय को बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्य में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अध्य या किसी धन या गन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः ग्रब, उस्त अभिनियम की घारा 269-ग के मन्सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा(1) के अधीन, निम्नलिखित अयिनतयों, ग्रथीत्:---

1. श्रीमती लीलाबती कपूर ट्रस्ट, द्वारा मनमोहन दास कपूर, सोल एक्षकूटर व सोल ट्रस्टी, बुड़ बिल्ला, शिमला।

(भ्रन्तरक)

2. डा० बालक राम वर्मा पुत्र श्री जीन्दू राम वर्मा, वासी कान्गो, तहसील सुन्दरनगर, जिला मन्डी (हि० प्र०) भ्रव डा० बी० भ्रार० वर्मा (एम० डी०), 2787, भ्रलड़गेट ड्राईव, बलूम फिल्ड हिल्ज, मीचीगन (यू०एस०ए०) द्वारा श्री बसन्त राम पुत्र श्री जीन्दू राम, जनरल ग्रटारनी, श्री बी० ग्रार० वर्मा वासी कान्गो, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि॰ प्र०)

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वीनत संपत्ति के अर्जाके लिए कार्यवाहियाँ करता है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीर .--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झवधि, जो भी झवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्ब 🍇 किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही सर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायेदाद जो 'बुड़ लैन्डस' के नाम से जानी जाती है श्रीर जो सेंट बीड्स कालेज के नजदीक छोटा शिमला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 185, मार्च, 1978 में दर्ज है)

> नत्थु राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 24 नवम्बर, 1978

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस∙---

भायकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के भिन्नी सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांकः 24 नवम्बर 1978

निदेश सं॰ एल॰ डी॰ एच॰/160/77-78---ग्रतः मुझे, नस्थू राम,

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 विघा 10 बिश्वा 12 विश्वासीज है तथा जो गांव जुगियाना, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या श्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मय, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-मृकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्णास्।—~ श्रीमती मनविन्दर कौर, श्रीमती राजविन्दर कौर व श्रीमती जसविन्दर कौर पुत्रीयां श्री त्रीभवन सिंह व श्री भगविन्दर सिंह पुत्र श्री त्रीभवन सिंह, गांव जुगियाना, तहसील लुधियाना

(भ्रन्तरक)

 मैसर्ज इंडस्ट्रीयल कारपोरेशन, जुगियाना, तहसील लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा 10 विश्वा 12 विश्वासी है श्रीर जो गांव जुगिवाना, तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6667, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 24 नवम्बर, 1978

निर्देश सं०

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०--

थ्रायकर ष्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कलकता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 20 नवम्बर 1978

422/एकुरोII/78-79/कल०—म्रतः

भास्कर सेन,
आयक्तर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उस्त घिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के घिनि सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्प 25,000/- कः से घिक है
और जिसकी सं० प्लाट 'जि' दोतल्ला पर है तथा जो 2 मन्डेमिला
गार्डेनस, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में

आँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती
(भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्षितयम, के भिक्षीन कर देने के भ्रश्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। मन, उपत मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उपत अधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— मैं० सेलोनी स्रोनारक्षित प्लाटस स्कीमस प्रा० लि०
 हेरींटन स्ट्रीट, कल०-16

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती निलिमा दास 25ए, साउथ येन्ड पार्क, कलकत्ता-26

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के प्रध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

समूचा प्लाट 'जि' दोतल्लापर जो 2, मंडेपिला गार्डेन्स, कलकत्ता पर बनाया "जयजयन्ति" नाम का मकान पर भ्रवस्थित है।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 20 नवम्बर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सी० 43/भ्रर्जन रें०-IV/कल०/78-79-ग्रतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात् 'उक्की श्रधिनियम्, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कारण है 25,000/-से ग्रधिक म्ल्य रुपये श्रीर जिसकी सं० 161 है तथा जो ब्लाक डी ए सक्टर-1, सल्टलेक सिटी में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-3-1978 सम्पत्ति के उचित वाजार मुल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं। ग्रौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों), के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 69-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—- 1. श्री प्रफुलचन्द्र दास ।

(श्रन्तरक)

2. श्री परेशचन्त्र दास तथा श्री तपन कुमार दास । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 161, ब्लाक डि-ए, सेक्टर-1, साल्ट लेक सिटी, कलकत्ता-64 पर स्थित 4.4621 कटा अमीन तथा उस पर निर्मित एक मंजिला मकान का सब कुछ जैसे कि दलील सं० 1515 दि० 20-3-1978 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> (एस० के० दासगुप्ता) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 21-11-1978

प्रकृष भाई। टी। एन। एस।----

णायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

ए० सि०-44/ग्रर्जन रें-IV/कल०/78-79---श्रतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 121 है तथा हालदार पाड़ा लेन में स्थित है (भीर इसे उपाबढ़ भनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्दा श्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों, की जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-~ श्रीमती मनोरमा रित, श्री जगजती दित । (अतरक)

2. श्रीमती गीता दास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- •ख) ६स सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रदी क्रिंग के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिंध-नियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ, होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

12/1, हालदारपाड़ा लेन, थाना---शिवपुर, हाबड़ा में स्थित 6 कर्षे। 9 छटाक 26 स्क्वेर फिट जमीन तथा उस पर निर्मित मकान का सब कुछ जैसे कि दलील सं० 494 दि० 16-3-1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 21-11-1978

प्रहर भाई० टी• एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के सधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सि०-46/ग्रर्जन रेंज IV/कल०/78-79---ग्रतः मझे एस० के० दासगुप्ता

सायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ४० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दाग सं० 704, खितयान सं० 1767 है तथा जो मौजा कोतरंग, थाना-उत्तरपाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रीरामपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-3-1978

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-3-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है भौर प्रन्तरक (धन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (धन्तरितयों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उन्स प्रन्तरण लिखित में वास्तिबक
इन्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाव की बायत उपत खिंध-नियम के भ्रष्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर प्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तोरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।- श्री हरेन्द्र नाथ घोष तथा तारकचन्द्र घोष

(अन्तरक)

 श्री विनोद कुमार पासारि, सिताराम पासारि, श्रमर भाँव पासारि तथा लोकनाथ पासारि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 704, खितयान सं० 1767, मौजा—कोतरंग, थाना—उत्तरपाड़ा, जिला—हुगली में स्थित 2 बिघा, 6 कट्ठा 13 छटांक 22 स्कोयर फिट जमीन के सब कुछ

> एस० के० दासगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 21-11-1978

प्रकार मार्र टो श्राप्त स्व व -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1978

निर्देश सं० म्राई० ए०सी० एक्यू० रेंज-IV/78-79---म्रतः मुझे एस० के० वासग्प्ता

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्थ से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फाशजार एमेनिउ मौजा बाहिर सर्वमंगला वर्धमान स्थित है (और इससे उपावद्ध स्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय वर्धमान में रजिस्ट्रीकररण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 13-3-1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त - प्रधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने पाउससे बचने में सुविक्षा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या घन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः थवं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, एक्त मधिनियम की मारा 269-व की उपभारा (1) नकीन, निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात्:——
12—396GI/78

1. श्रीमति सिबरानी चट्टार्जी

(ग्रन्तरक)

2. श्री इ॰ होमन्त कुमार जाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होया जो उस ध्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फाजार एविनिज (सामसार का उत्तर) मौजा सर्वमंगला, डि॰ वर्धमान में श्रवस्थित .09 एकारस जिमन का पर एक टेम्मोरेरी ढाकसारस है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किदबई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक: 26 नवम्बर 1978

मोहरः

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1978

निदश सं० धाई० ए० सी० एक्यु० रेंज-IV कलकत्ता/78-79—धरः मुझे एस० के० दासगुप्ता भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फाशजार एविन है तथा जो भौजा बाहर सर्वेमंगला वर्धवान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वर्धमान में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 को 16) के ग्रिधीन दिनांक 10-3-78

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत उक्त अधि-नियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (च) है ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपघारा (1) के भीषान, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:— 1. श्रीमति सिबरानी चट्टार्जी

(भ्रन्तरक)

2. डा० हेमन्स कुमार जाना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रविध या सरसम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं असं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फाजार एविनिउ (सामसार का उत्तर) मौजा बाहिर सर्वेगला डि॰ वर्धमान में भ्रवस्थित .08 एकारस जमिन है ।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-IV, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीखः 26 नवम्बर, 1978

मोहर ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 1797/कानपुर/7879—- ग्रतः मुझे विजय भागंव आयकर भ्रियिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-

रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सूची के ग्रनुसार है तथा जो सूची की भ्रनुसार में थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर मिमित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिमित्यम या धन-कर मिमित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रत: श्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयात् :-- श्रीमित स्थाम प्यारी विधना स्वर्गीय राजेंद्र नारायण माथुर नि॰ 48/155 म्राया नगर, कानपुर (भ्रन्तरक)

2. श्रीमित इन्द्राणी कुंबरि विधवा स्वर्गीय बृज मोहन सिंह निग्राम कथेथी ग्रकबरपुर जिला कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय म दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 738 वर्गगण स्थित वेस्ट ब्लाक कानपुर 46894 ने विकय मूल्य में बेचा गया ।

> विजय भार्गव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक 4-11-1978 मोहर: प्ररूप भाई । टी • एन • एस • -----

धायकर मधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत-सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निवेश सं० 166/अर्जन/बिधूना/78-79— म्रतः मुझे विजय भागंव आपनर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ० से भिधक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बिधूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 21-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित न किया हों गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्राधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भन, उन्त मिधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त मिधनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यात् :---

- 1. श्री राजकुमार पुत्र सुरती लाल निवासी नारायनपुर शहर बिधूना इटावा (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित रामजानकी विधवा स्व॰ रामनारायन निवासी नारायनपुर शहर बिधूना इटावा (श्रन्तिरिती)
- 3. श्री राजकुमार (विक्रेता) (वह न्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास होंगे।

हबब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

घनुसूची

कृषि भूमि 17.49 एकड़ स्थित ग्राम नारायनपुर शहर विधूना इटावा 35000/- में बेची गई जिसका कि बाजारी मूल्य 1387.80/- है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 4-11-1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 1958/श्रर्जन/कानपुर/78-79—श्रतः मुझे विजय भागंव श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/शौर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908) के ग्रधीन दिनाक 28-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रौर श्रन्तरिक (श्रन्तरक) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच श्रन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने से ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

म्रतः भ्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में; मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , श्रर्थात्:——

- 1. श्रीमित रामकुमारी पत्नि श्री एन० एस० वर्मा 113/190 स्वरूप नगर कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री अशोक कुमार, सुरेश कुमार, हरीश कुमार महेश कुमार पुत्रगण श्री पी० दास नि० 119/22 नसीमाबाद, कानपुर (अन्तरिती)
- 3. श्रीमिति राम कुमारी पित्नि श्री एन० एस० मी 113/190 स्वरुप नगर कानपुर (वह व्यक्ति जिसके श्रिधि-भोगमें सम्पत्ति है)।

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीखा से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित में है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है।

ग्रनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित 113/190 स्वरुप नगर कानपुर 1,70,000/- के विकय मूल्य में बेची गई ।

विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 4-11-1978

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०/

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 540/मेरट/78-79—ग्रतः मुझे विजय भार्गेव

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्जी श्रिधिकारी के कार्यालय भवाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 15-3-1978]

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) शौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) फ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के उक्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये:

श्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- 1. श्रीमित रामदुलारी पित्न श्री जय प्रकाश नि॰ ग्राम नगला हरेक, हस्तिनापुर खास मेरठ (ग्रन्तरंक)
- 2. श्री तिलक राम, नानक चंद तिरखा पुत्रगण श्री छोटे नि० ग्राम शमशपुर पोस्ट लावद, मेरठ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि स्थित नगला हरेक हस्तिनापुर मवाना जिला मेरठ 74,000/--- के विकय मूल्य में बेची गयी ।

> विजय भार्गव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 4-11-197**8**

प्रकप माई• टी•एन॰ एस०---

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 128/सहारनपुर/78-79—म्प्रतः मुझे विजय भार्गव.'

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/• इपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० सूची के भ्रानुसार है तथा जो सूची की भ्रानुसार में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हिरद्वार में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 20-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269मा के अनुसरण में, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269मा की उपघारा (1) अग्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री भूरा शाह पुत्र श्री सलारा ग्राम खानपुर पोस्ट रेशी, सहारनपुर (ग्रन्तरफ)
- 2. श्री सिंगारा सिंह एवं श्री मोहन सिंह चि० ग्राम बल्ला जलंधर (ग्राम खानपुर पोस्ट रैंशी, सहारनपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम खानपुर परगना ज्वालापुर जिला सहारनपुर 32386/— के विकय मूल्य में बेची गयी।

> विजय भागंव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** 4-11-1978 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 52ए/मेरठ/78-79—ग्रतः मुझे विजय भागंव, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कार्यालय गणना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 9-3-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- 1. श्री नवाब सिंह पुत्र श्री श्री तारा चंद नि० ग्राम मुबारकपुर पोस्ट, मधाना कला, मेरठ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नौराज सिंह पुत्र श्री वचन सिंह नि० मुबारक-पुर पोस्ट, मवाना कला मेरठ (ग्रन्तरिती)
 - श्री नौराज सिंह पुत्र श्री वचन सिंह (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है) ।

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब
 िक्षी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित म किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूधी

कृषि भूमि स्थित ग्राम सादीपुर सेठ, परगना हसन-पुर, मवाना मेरठ 55860/- के विकय मूल्य में बेची गई।

> विजय भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--- !

सायकर घिष्टिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 898/मु० नगर/78-79/4168—-ग्रतः मुझे विजय भार्गव,

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मु० नगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 21-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रश्लीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीतः—
13—396 GI/78

- डा० वेद प्रकाश पुत्र श्री रघुनन्दन लाल नि० मोती महल मुजफ्फरनगर (श्रन्तरक)
- 2. श्री कालूराम पुत्र बेदा सिंह सुखबीर सिंह, कर्ण सिंह, णेर सिंह, बाबू राम, बूजेंद्र सिंह, भोंदा पुत्र रिणाल सिंह एवं ग्रन्य नि० विना, परसा, बघरा जिला मु० नगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पाकक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अमुसूची

कृषि भूमि स्थित सलेमपुर परगना एवं जिला मुजफ्कर-नगर 60394/-- के विऋय मूल्य में बेची गई ।

> विजय भार्गव समक्ष प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 4 नवम्बर, 1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--- -

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) **प्रर्जन रेंज,** कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 91/भ्रर्जन/फि० बाद/78-79--भ्रतः मुझे विजय भागंव श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार-मुख्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० है सथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिरोजा-बाद में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरिकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, याधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मन, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत :--

- 1. श्री जगत सिंह पुत्र प्यारे लाल निवासी ग्राम हतावली, फिरोजाबाद धागरा (प्रन्तरक)
- 2. श्री धनेगसिंह पुत्र श्री गोविन्द सिंह व श्रीमति शारवा स्त्री श्रीजगत सिंह निवासीगण ग्राम हतावली, फिरोजाबाद, भ्रागरा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त-सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की भ्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के माध्यम 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगाजो उस श्रध्याय में विया गया है।

ब्रनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम हतावली, फिरोजाबाद ग्रागरा 30,000/-- में बेची गयी जिसकी कि स्टाम्प बैल्यु० 94000/--- € 1

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख : 4-11-1978

प्रारूप ग्राई०टी० एन० एस० —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निवेश सं० 55/म्रर्जन/78—-79---म्रतः मुझे विजय भार्गव ।

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से, विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 12-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती(अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के म्रन्तरक केदायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय थ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- श्री एडीसनल कलेक्टर फाइनेंस व रेवेन्यू, कानपुर (भ्रन्तरक)
- 2. श्री राम भ्रवध तिवारी, श्री जगत नारायन तिवारी निवासी एफ-बी/73 भ्ररमापुर स्टेट, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चारों मोर बनी हुई बाउन्ड्री व चार ग्रस्थायी कमरे स्थित मल ब्लाक काकादेव कानपुर 94200/-- में बेंची गयी जिसका कि बाजारी मूल्य 2281001/-- है।

> विजय भार्गव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978 मोहर: प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त र्(निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० भ्रर्जन/979/77—78-म्रतः मुझे विजय भागंव भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

रुपए से श्रधिक है

स्थार जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्यालय खैर, श्रलीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थार दिलांक 15-3-1978

प्रधीन दिनांक 15-3-1978
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है शौर अन्तरक (अन्तरकों) शौर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे
वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय को बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रम, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

- 1. श्री फन्ते पुत्र चुन्नी सिंह निवासी श्राम भमरौला पो० कसपुर, श्रलीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. श्री लीलाधर पुत्र छिद्दासिंह, सुखबीर सिंह, मनबीर सिंह, इन्द्रपाल सिंह पुत्रगण छिद्दा सिंह निवासी ग्राम भम-रौला पो० कसपुर जिला श्रलीगढ़ (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग् में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी हरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि $48000/\sim$ में बेची गयी जिसकी कि रटाम्प वैल्यू $79000/\sim$ है ।

विजय भागंव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978 . मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश स० 94/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79—अतः मुझे विजय भागव आयकर प्रधिनियम, 1962 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-3-1978

16) क श्रधान दिनाक 28-3-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरश्र के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिविक रूपहे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हूई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ष्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुबन्ध में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:—

- 1. श्री माधव प्रसाद गोयनका पुत्र कन्हैया लाल गोयनका, शशी गोयनका पुत्र माधव प्रसाद गोयनका निवासी 17 चितरन्जन एवेन्यु, कलकत्ता (धन्तरक)
- 2. श्री चन्द्र कुमार जैन, जय कुमार जैन, श्रशोक कुमार जैन पुत्रागण लाल मनीराम जी जैन निवासी चौकीगेट, फिरोजाबाद जिला श्रागरा (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्ष्त-सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (1) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ष्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्ष्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 26-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

पांच मकान स्थित फिरोजाबाद, श्रागरा 320000/--में बेचे गये जिनका कि बाजारी मूल्य 803900/--है।

> विजय भागंव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

म्रर्जन रेंज कानपुर

क(नपुर, दिनांक' 4 नवम्बर 1978

निदेश स० 958/ग्रर्जन/विधना/77-78 मुझे विजय भागेव भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विध्ना, इटावा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 श्रधीन दिनांक 13-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित क गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण र कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिकि है श्रीर अन्तरक (अन्तरिती) भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण केलिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया र :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त आयकर भ्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय म्राय-कर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

मतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- 1. श्री गजोधर पुत्र देशराज निवासी ग्राम सहबद बदनपुर, विधूना, इटावा (भ्रन्तरक)

 श्री मौजीलाल पुत्र श्रर्जुन सिंह, मकरन्द सिंह पुत्र बेनी सिंह निवासी ग्राम सहबद बदनपुर, बिधूना, इटावा (अन्तरिती)

3. जैसा कि 2 में है (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रादेश:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना केंगराजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्त क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कुषि भूमि स्थित ग्राम णाहबाद, बदनपुर, बिधूना इटावा 40000/ में बेंची गयी जिसकी कि स्टाम्प बैल्यू 72000/ – है।

विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-11-1978

प्रकष माई० टी० एन० एस०-----

भायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० 2/श्रर्जन/कक्षौज/बिल्होर/78-79- श्रतः मुझे विजय भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-आ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- द• से प्रधिक है
श्रीर जिसकी स० है तथा जो

भौर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कन्नौज में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17-3-78

16) के अधीन दिनाक 17-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से
धिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है ल्ल्

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की **बाबत, उक्त** ग्रिमिनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य पाहितयों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए दा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रथ, उनत ग्रविनियम, की भ्रारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रिचियम की भ्रारा 269-घ की उपभारा (1) अभ्रोम निम्मसिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:—

- 1. श्री ग्रमरसिंह, गलवन्त सिंह, प्रतापसिंह कुवंर सिंह निवासी ग्राम मकरन्द नगर कन्नौज जिला फरूखामाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमिति श्रन्जुमन श्रारा स्त्री श्रन्दुल मिलक श्रीमिति नीलम स्त्री श्रन्दुल मुईद, श्रीमिति फरजारा स्त्री श्रन्दुल श्रम्बुल निवासी पंसारियान कन्नौज फर्रखाबाद (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्र नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्म होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि व भवन साथ में कूलिंग चैम्बर, टैन्क व एक पम्प हाउस श्रादि 76000/--- में बेची गयी।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-11-1978

मोहर ः

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० अर्जन/393/बिल्हौर/78→79→अतः मुझे विजय भागंव आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'छनत ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिल्हौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के शिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (भ) धन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/य
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मतः मबः, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमिति शिवदुलारी, विधवा श्री राजासिंह ग्राम सुद्दर देवा, बिल्होर, कानपुर (श्रतरक)
- 2. श्री जगतपाल सिंह पुत्र मुश्रू सिंह ग्राम सुहरदेशा, बिल्होर, कानपुर (भ्रन्तरिती)
 - 3. श्री जगपाल सिंह (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा शकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, बीघा, बिस्वा स्थित ग्राम सुहर देवा, बिल्होर, कानपुर 40000/— में बेची गई ।

विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978 मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th December 1978

No. F. 6/78-SCA(I).—1. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri D. R. Luthra, Permanent Court Master now officiating as Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India as officiating Principal Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India on ad hoc basis with effect from the forenoon of 1 December, 1978, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Miss Vijay Lakshmi, officiating Stenographer, as officiating P.A. to Registar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 7 December, 1978, until further orders against one of the vacant posts of P.A. to Registrar.

No. F. 6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Instice of India has been pleased to promote and appoint Shri P. S. Bhatnagar, officiating Accountant, Supreme Court of India, as officiating Section Officer with effect from the forenoon of 8 November, 1978 upto 28 February 1979 (both days Incusive), until further orders.

MAHESH PRASAD Deputy Registrar (Admn. J) Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th November, 1978

No. A. 32013/1/77-Admn. I—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretarites on ad hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the periods shown against each or untill further orders, whichever is earlier.

S. No. Name	Period
S/Shri	
 T.N. Channa (Permanent officer of Section Officer's grade of CSS) 	18-10-78 to 17-1-79
B.R. Verma (Permanent officer of Section Officer's grade of CSS)	3-11-78 to 2-2-79
3. B.B. Mehra (Permanent officer of Grade A of CSSS)	18-10-78 to 17-1-79
4. B.S. Kapur (Permanent officer of Section Officer's grade of CSS)	9-10-78 to 23-11-78

No. P/1048-Admn.I.—Consequent upon his section for appointment as Under Secretary in the Department of Statistics, Shri S. P. Sharma an officer of Grade 1 of Central Secretariat Service, has been relieved of his charge in the office of Union Public Service Commission w.e.f. 30-11-78 (AN).

S. BALACHANDRAN Under Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th December 1978

No. A-19036/16/76-AD. V.—Shri N. Patnaik, Dy. Supdt. of Police an Officer of the Orissa State Police, who was on 14—396GI/78

deputation to C.B.I., relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in CBI on the afternoon of 24-11-78. His services were placed back at the disposal of State Authorities.

This is in supersession of this Office Notification of even number dated 24-11-1978.

The 6th December 1978

No. A-20014/228/77-AD. L.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri T. K. Roy an Officer of West Bengal Police on deputation as Inspector in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta Branch in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23-10-1978 until further Orders.

RIPDAMAN SINGH Administrative Officer (A), CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 7th December 1978

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General, CRPF is plesed to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from 4-11-78 of a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 8th December 1978

No. O.II-992/72-Estt.—The services of Shri Kuldip Singh, Dy. S.P., CRPF are placed at the disposal of National Police Commission (M.H.A.) w.e.f. 4-10-78 for appointment as Dy. S.P. on deputation basis.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 2nd December 1978

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri Ajay Kumar Singh IPS (UT-64) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit BSL Bokaro w.e.f. the afternoon of 6th November 1978.

The 5th December 1978

No. E-17017/6/74-Pers.—Shri S. P. Bag, Fire Officer, Alloy Steel Plant, Durgapur, will cease to hold the ex-office appointment of Asstt. Comdt., Central Industrial Security Force with immediate effect.

R. C. GOPAL Inspector General, CISF

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 4th December 1978

No. PID/27/7706.—Shri R. G. Kulthe, Foreman (Mould) Office) is appointed on an ad hoc basis for a period of 6 months with effect from 27-11-78 (FN) to officiate as Assistant Works Manager (Mould Cover Making Plant) in the pay scale of Rs 840 -40-1000--EB-40-1200.

The 5th December 1978

No. PF-7(36)/7688.—Further to this office notification No. 7(38)5641 dated 17-10-1978 Shri S. I. Shirsat, as allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an ad hoc basis upto 31-3-1979 or till or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 6th December 1978

No. AD/4/7867.—Shri P. K. Sharma, Accountant is appointed on an ad hoc basis to officiate as Accounts Officer for 34 days with effect from 4-12-1978 to 6-1-1979 in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 vice Shri A. K. Ghosal, Accounts Officer officiating as Administrative & Chief Accounts Officer for the aforesaid period.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 6th December 1978

No. 1627-CA-I/66-78.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri S. Subramonia Iyer, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of Government of India, Ministry of Home O.M. No. 25013/7377-Estt. (A) dated 26-8-77 with effect from 11-10-78 (FN).

S. D. BHATTACHARYA Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, HARYANA

Chandigarh, the 7th November 1978

No. Admn-I/72-TS/78-79/5073.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Ved Parkash Gupta, Auditor that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or, as the case may be, tendered to him.

M. S. GROVER Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 5th December 1978

No. Admn. Audo-3567.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Mridul Kumar Dutta, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-4-78 (F.N.).

No. Admn. Audo-3595.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Girlsh Chandra Lal Srivastava, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 31-8-78 (F.N.).

No. Admn. Audo-3576.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Dilip Kumar Dutta, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 31-8-78 (F.N.).

No. Admn. Audo-3585.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Prashanta Kumar Roy, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 24-4-78 Forenoon.

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)
SIRAO

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II MADHYA PRADESH

Gwalior, the 7th December 1978

No. DE XI/PF-S. Balakrishnan/300.—Shri S. Balakrishnan a permanent Accountant Officer in the office of the Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior has retired

from Government service with effect from 30-11-1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

P. S. BHAGAR Sr. Dy. Accountant General, Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA

Trivandrum, the 7th December 1978

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri C. R. Madhava Warrier, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation in the (AN) of 30th November, 1978.

R. K. A. SUBRAMANYA Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the December 1978

No. 4370/A-Admn/130/75-78.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri D. K. Sen Gupta, Substantive member of SAS to officiate as Audit Officer in the office of the Scnior Deputy Chief Auditor, (Ord. Fys) Jabalpur, with effect from 16-10-78 (FN) until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK Sr. Dy. Director of Audit Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQrs. CIVIL SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 5th December 1978

No. 15/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Animesh Das Gupta, Subst. & Permt. A.S.O. retired from service with effect from 30-11-78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES Calcutta, the 8th December 1978

No. 81/G/78.—The President is pleased to re-employ Shri D. N. Sarkar as Ty. A.D.G.O.F. Gr. II for a period of 9 months from 1st Jan., 1978 to 30th Sept., 1978.

No. 82/G/78.—On expiry of 3 months notice of voluntary retirement, Shri S. N. A. Iyer, Offg. A.D.G.O.F. Gr. II (Subst. & Permt. Sr. DADGOF) (on deputation with M/s. Lasco Steel Ltd., Doddampatty), retired from service with effect from 17th Nov., 1977 (FN).

No. 83/G/78.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. N. Mahendru, Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Asstt. Director with effect from 1st April, 1976 (FN).

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS

AND EXPORTS

New Delhi, the 7th December 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/873/69-Admn(G) 18598.—Shri M. M. Solanki is re-instated in the post of Assistant Iron and Steel Controller

(redesignated as Controller of Imports and Exports) in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from 18-3-1976 (AN).

- 2. Shri Solanki was under suspension at the time of premature retirement on 18-3-1976 (AN) and as such he will continue to remain under suspension.
- 3. This office Notification No. 6/873/69-Admn(G) dated 19-7-1976 is hereby cancelled.

K. V. SESHADRI Chief Controller of Imports and Exports

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-100016, the November 1978

No. 6609A-32/69/19C.—Shri Purnendu Sinha, Assistant Geologist, Geological Survey of India, relinquished charge of the post of Assistant Geologist on the forenoon of 16-5-1977 for joining the post of Senior Geologist under the State Water Board, Govt. of West Bengal on deputation for a period of one year in the first instance on the usual terms and conditions of deputation.

The 1st December 1978

No. 8470B. 2222(RNG)/19A.—Shri Rathindra Nath Ghosh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1220/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 25th September, 1978, until further orders.

No. 8490B. 2222(RVN)/19A.—Shri R. Venugopalan Nair is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 28th August, 1978, until further orders. until further orders.

The 2nd December 1978

No. 8527B. 2222(RK)/19A.—Shri Rajesh Kumar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th September, 1978, until further orders.

No. 8539B. 51/62/19A.—Shri A. Chatterjee, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from the 31st August, 1178 (afternoon).

No. 8549B. 2222(CJK)/19A.—Shri C. J. Kumanan is survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19th October, 1978, until further orders. 1978, until further orders.

No. 8561B. 2222(VKM)/19A.—Shri Vinod Kumar Mathur is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th September, 1978, until further orders. 1978, until further orders.

No. 8574B, 2222(RRS)/19A.—Shri Radhika Ranjan Sharan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 18th September, 1978, until further orders.

No. 8586B, 2222(SB)/19A.—Shri Somnath Bhattacharyya is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 18th September, 1978, until further orders.

8598B. 2222(SS)/19A.—Shri Shyamal No. 8598B. 2222(\$5)/19A.—Shi Shyama Simia sappointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24th October, 1978, until further orders.

No. 8610B. 2222(DB)/19A.—Shri Deepak Bellur is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 11th September, 1978, until further orders.

No. 8622B, 2222(BPP)/19A.—Shri Balmik Prasad Pandey is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiality of the state of the scale of th capacity with effect from the forenoon of the 13th September, 1978, until further orders.

The 5th December 1978

No. 8701B. 36/76/19C.—Shri M. Ramachandran received charge of the post of Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Chief Commissioner Secretariat, Andaman and Nicobar Island Administration in the same capacity from the forenoon of 14-8-1978.

The 6th December 1978

No. 8737B. 2222(BVS)/19A.—Shri B. V. Srinivasan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Is appointed as an Assistant Geologist in the Geologist in the Scale of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th September, 1978, until further orders.

No. 8749B. 2222(MKK)/19A.—Shri Mohammad Kamal Kazim is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 4th October, 1978, until further orders.

No. 8792B 40/59(AS)/19A.—Shri A. Sampath, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India on resignation for appointment as Senior Administrative Officer Grade II in the Central Proof Establishment, Ministry of Defence with effect from the afternoon of the 30th June, 1978.

The 7th December 1978

No. 8823B. 2222(NKS)/19A.—Shri Nauri Kumar Sahu is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650/- 30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th October, 1978, further orders.

> V. S. KRISHNASWAMY Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 15th November 1978

No. F. 11-9/77-A. 1.—The Director of Archives, Govt. of India, hereby sanction proforma promotion to Shri C. P. Mathur, Asstt. Archivist (Gr. I) (Gen].) and at present on deputation with the Govt, of Haryana to the post of Archivist (General) in the National Archives of India, New Delhi w.e.f. 24-8-77 (F.N.) until further orders under proviso below F.R. 30(1) (Next below Rule).

> S. N. PRASAD Director of Archives,

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 8th December 1978

No. 8/21/50-Est. I .--- On attaining the age of superannuation, Shri M. K. Jain, Permanent Superintendent and Officiating Asstt. Administrative Officer, Films Division, Bombay, retired from service from the afternoon of the 30th November, 1978.

> M. CHANDRAN NAIR Administrative Officer for Chief Producer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-6, the 21st November 1978

No. PPEC/3(235)/76-Adm. 15965.—On transfer from Narora Atomic Power Project, Shri P. Venugopalan, a temporary Assistant Personnel Officer in that Project is appointed as an officer in the Assistant Personnel Officer's grade (Rs. 650—960/-) in the Power Projects Lingineering Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 10, 1978 until further orders.

> R. V. BAJPAI General Administrative Officer for Director

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 7th December 1978

No. PAR/0704/2789.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L.G. Shastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against leave vacancy in Nuclear Fuel Complex, from 6-12-1978 to 5-1-1979, or until further orders unbicheng in action. whichever is carlier.

> U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 16th December 1978

RAPP/04627/1(400)/78/S/Admn/216.—Consequent upon his transfer to Narora Atomic Power Project, Department of Atomic Energy, P.O. Narora (UP), Shri V. K. Srivastava, a permanent Assistant Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in this Project relinquished charge of his post in the afternoon of 30th November 1978,

> GOPAL SINGH Administrative Officer (E)

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 17th November 1978

No. TAPS/1/34(1)/77-R(Vol. II).—Consequent on their selection for promotion to the next higher grade, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned persons in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/ Engineer Grade -SB in the scale of pay of Rs. 650—30— 740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978.

J. No., Name and Designation.
1. Shri D. N. Ghosh, Scientific Assistant 'C'
2. Shri S. V. Abhyankar, Draughtsman 'C'
3. Shri H. M. Agrawal, Draughtsmon 'C'

A. D. DESAI Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 22nd November 1978

No. A. 32023/1/77/R-20937.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri SUCIIINDRUM RAMASUBBA IYER SAMBASIVAN a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Conde Statement Stenographer of the Bhabha Statement Research Centre and officiating Selection Conde Statement Stenographer of the Statement Statemen ing Selection Grade Stenographer of this Centre as Assistant Administrative Officer in this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis with effect from November 1, 1978, until further orders.

> A. SETHUMADHAVAN Administrative Officer For Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th December 1978

Metcorology No. E(1) 07419.—The Director General of hereby appoints Shri Xess Anthony, Professional Assistant, office of the Dy. Director General of Meteorology (Forecasting), Pune, as Assistant Meteorologist in India Meteorological Service, Group B Central Civil Service, Group B) and Shring a an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd November, 1978 and until further orders.

2. Shri Xess Anthony is posted to the office of the Director, (Instruments), Pune.

> G. R. GUPTA Meteorologist for Director General of Metcorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

No. A. 32014/1/78-EC-The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each arc to rest them at Aeronautidal Communication Station, Bombay vice Shri P.S.R. Pillai and V.S. Pillay, Assistant Communication Officers granted earned leave for 92 days w.c.f. 1-5-78 and 30 days w.c.f. 10-5-78 respectively :-

S. No. Name	Date of taking over charge
1. Shri A.N. Nair	22-5-78 (FN)
2. Shri K.P. Swamy	21-5-78 (FN)

The 8th December 1978

No. A 12025/1/78-LC—The President is please to appoint the following two officers in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in officiating capacity w.e.f. the date aindicated against each and to post them to the station indicated against each :-

S. No. Name	Designation	Stn. of posting	Date of taking over charge
1. Shri Arup Kumar Sarkar	Technical Officer.	Aeronautical Comm. Stn. Calcutta	6-11-78 (FN)
2. Shri Virendra Bahadur Singh	Communication Officer,	Acronautical Comm. Stn. Ahmeda-bad.	13-11-1978 (FN)

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Krishan Lal. Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Kotah to the

grade of Assistant Technical Officer on ad hoc basis w.e.f. the 11-10-1978 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Varanasi.

e

No. A. 38012/1/77-EC—The following two officers of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the dute in litated against each on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation:—

S. No. Name	Designation	Stn. of posting	Date of retiretment
 Shri P. Paulose Shri K. Srinivasan 	Comm. Officer.	Aeronautical Comm. Stn. Bombay	31-10-78 (AN)
	Sr. Tech. Officer.	Aeronautical Comm. Stn. Madras.	31-10-78 (AN)

No. A. 38013/1/77-EC.—Shri P. G. Sathe, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 31-10-1978 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

> S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 2nd December 1978

No. A-12032/5/75-EA.—The Director General of Aviation is pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri G. S. Batura. Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport New Delhi with effect from the 19th January, 1976.

This Department Notification of even number dated the 20th February, 1976 is hereby cancelled.

> V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 6th December 1978

No. A. 19013/5/72-E.I.—Shri A. K. Sarkar, Deputy Director General, Civil Aviation Department, New Delhi expired on the 29th November, 1978.

> C. K. VATSA Assistant Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 7th December 1978

No. 16/69/66-Ests-I.—The President. Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to reinstate Shri S. P. Misra, as Librarian at the Forest Research Institute & Colleges, Dehradun with effect from the forenoon of 6th Noember, 1978 until further orders.

> **GURDIAL MOHAN** Kul Sachiv,

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

(CENTRAL EXCISE WING)

Cochin-11 the 6th June 1978

CENTRAL EXCISE

No. I/3/3/77 Admn. Ste EX—In exercise of the powers vested on me under Rule 232 A of the Central Excise Rules 1944, I.T.S. Swaminathan, Collector of Customs and Central Excise. Cochin, publish the name, address and other particulars of a rerson, who has been found to have contravened the provisions of Central Excise Rules 1944 and on whom a penalty of Rs. 10,000/-(Rupees ten thousand only) has been imposed.

(i) Name of the person

K.S. Ibralim Rawther

(ii) Address

Kallungal House Kanjirappally Post Kottayam District Kerala

(iii) Name of the firm

Kallungal Tea Factory 4 No. 10/59 Kanjirappally.

(h) The provisions of the Act Rules 52A, 173G, 173 F, or rule contravened: 9(1) of the Central Excise Rules, 1944.

(v) The amount of penalty imposed

Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only).

(vi) The value of excisable goods or other property ordered to be fortited by a court under section 10 of the Act or adjudged by the officer referred by to in section 33 to be confiscated.

Duty on 21104 kgs. of Tea demanded

(vii) Amount of fine in lieu of NIL confiscation

(viii) Particulars of any licence NIL revoked under Rule 181.

> T. S. Swaminathan Collector of Customs and Central Excise, Cochin-11.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 21st October 1978

No. 36/78.—Shri Ram Dhan Officiating Superintendent, Central Excise. Group B Meerut handed over the charge of Superintendent MOR III Meerut in the forenoon of 31-7-1978 to Shri Amrik Singh and retired from Govt. service on the attaining the age of sperannuation in the afternoon of 31-7-1978.

> K. L. REKHI Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT. CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 13th December 1978

No. 19/78.—Shri A. R. Sharma, Office Superintendent in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi, is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 13th Noember, 1978 (Forenoon) vice Shri B. K. Hajra, transferred.

M. V. N. RAO Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 12th December 1978

No. A-19012/734/78-Adm-V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion, Shri M. P. S. Puri, Design Assistant in the grade of EAD in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200/on a purely temporary and ad hoc basis with effect from on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon 19th August 1978 upto 18th February, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

> J. K. SAHA Under Secretary Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 6th December 1978

No. 23/2/77-EC.II—The following Officers of Central Public Works Department have retired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 30 th November, 1978 (A.N.):

Name	Present Designation	
1. Shri P.J. Chainani	Executive Engineer (Valuation), Unit No. VIII, Income Tax Department (C.B. D.T.) Bombay-400002	
2. Shri D.D. Malik	Executive Engineer, Delhi Development Authority, Hous- ing Division No. III, New Delhi.	
3. Shri D.B. Roy	Engineer Officer to C.F. (N.Z.) R.K. Puram, New Delhi.	
4. Shri K.S. Soundara Rajan	Executive Engineer, Central Stores Division No. I, C. P. W. D., New Delhi,	

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Director General (Works)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th October 1978

No. 331/78-ECIX.—In partial modification of this office notification No. 33/1/78-ECIX dated 26-9-1978, Shri I. K. Popli on his appointment as Deputy Architect will draw a pay of Rs. 845/- per month (Rs. 820+25) as personnel pay to observed in future increment.

KRISHNA KANT Deputy Director of Administration

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 6th December 1978

No. 1600-Admn. 'B'.--Shri R. D. Bhatia, Grade I officer of the C.S.S. in the cadre of the Ministry of Works and Housing assumed charge of the post of Deputy Director of Estates in the Directorate of Estates with effect from the forenoon of the 18th September, 1978.

P. S. AGGARWAL Deputy Director of Estates (Admn.)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kameswara Chit Funds and Finance Private Limited

Pondicherry, the 4th December 1978

No. 74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Kameswara Chit Funds and Finance Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Registrar of Companies Pondicherry In the matter of the Companies Act, 1956 and of I. B. Trading Corporation Private Limited

Jullandur, the 6th December 1978

No. G/Stat/560/2126/9173.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. J. B. Trading Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Regisarar of Companies Punjab, H.P. & Chndigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Calcutta (Electrical & Mechanical) Engineers Private Limited

Calcutta, the 6th December 1978

No. L/11464/H-D(1784).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 18-9-75 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

R. K. BHATTACHARYA Asstt. Registrar of Companies West Bengal, Calcutta

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-4000 20, the 7th December 1978

No. F. 48-Ad(AT)/78.P.II.—1. Shri Niranjan Das, Officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches who was continued to officate as Assistant Regisrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a period of three months from 17-7-1978 to 16-10-1978 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1978 dated 11-7-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a further period w.c.f. 17-10-1978 (F.N.) to 28-2-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is carlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Niranjan Das a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis from 10-2-1978 to 13-11-1978 vide this office Notifications No. F. 48-Ad(AT)/77-P. II dated 9-2-1978 and No. F. 48-Ad(AT)/78 dated 11-7-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 14-11-1978 (F.N.) to 28-2-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR President

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi-110011, the

1978

REGULATIONS

Fo N. 2/5/78-FFD.—1. The National Film Festival of India is organised by the Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India. Its moto is "SATYAM SHIVAM SUNDARAM".

The Festival alms at.

- (i) Encouraging the production of films of aesthetic excellence and social relevance.
- (ii) Contributing to the understanding and appreciation of the film cultures of different regions.
- (iii) Promoting the feeling of integration and unity of the nation.
- 2. Any film produced in India and received by the Central Board of Film Censors for certification in 1978 and certified not later than 31st of January, 1979 and consistant with the objectives of the festival can be entered in the festival. In case of Film Institutes recognised by the Government any film produced during 1978 can be entered. This will not, however, exempt such films from the provision of certification by the Board of Film Censors for public screenings. Films entered should be in 35 mm or 16 mm guage. The length of short films should ordinarily not exceed 1000 meters in case of 35 mm or 400 in case of 16 mm.
- 3. A censored film entered in the festival should, subject to Regulation 2, be exactly the same as certified by the Board of Film Censors.
- 4. No film with which a member of the staff of the Directorate of Film Festivals is associated can be entered in the National Film Festival.
- 5. An entry can be made either by a Government Department, a Government recognised Institute or by individual producer/production company. Enclosed Entry Form (in duplicate) duly completed must reach the Directorate of Film Festivals not later than 15th March, 1979.
- 6. Prints of films entered for the National Film Festival should reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March. 1979. If possible the prints may be sent along with the entry forms. Immediately after despatching the print, the sender should notify the Directorate of Film Festivals by mail/telegram the title, the language of the film, the number of reels and the date and mode of despatch of the print.
- 7. The following material pertaining to both features and shorts entered in the festival should be sent along with the entry form to reach the Directorate by 15th March, 1979:—
 - 40 copies of the synopses in English of feature films and 15 copies of the commentary text for short films.
 - (ii) Publicity material comprising six posters and photo sets containing six photographs.
 - (iii) 5 copies of the film script of the feature film in original language of the film together with 5 copies of the same in English or Hindi.
 - (iv) Short biographical sketch of the producer, the director and the leading artistes of the film.
 - (v) 2 sets of photographs of the producer, the director and the leading artistes of the film.
- 8. Every application for entry must be accompanied by an entry fee of Rs. 100/- in case of films exceeding 1,000 meters in length in 35 mm and 400 meters in 16 mm and Rs. 50/- in the case of films shorter in length than the above mentioned limit. This fee shall not be refundable. The payment of entry fee may be made by Demand Draft, payable at the State Bank of India, Rail Bhavan. New Delhi in favour of the Assistant Director, Directorate of Film Festivals and sent along with entry form.
- 9. The juries will be constituted by the Government of India one for judging feature films and the other for judging short films.

- 10. The composition of the Jury for Feature films will be as follows:---
 - (a) A chairman nominated by the Government; and
 - (b) not more than 24 members distinguished in the field of arts and humanities, including films, and qualified to judge thematic, artistic and technical merits of films. The members will be nominated by the Government.
- 11. Panels may be constituted by the Chairman (at his discretion, if considered necessary) out of the members of the Jury for Feature Films, to examine feature films in various languages and the children's films.
- 12. Each panel will recommend to the aforesaid Jury for Feature Films, not more than three films in each considered suitable for awards, without indicating order of merit. If, however, in the opinion of the panel, a particular film excels over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements under Rule 24-1 (vi) to (xvi) the particular category in that event may be specified along with the title of the film.
- 13. The Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various panels and the panel for the children's films and recommend films for various categories of awards under rule 24-1 of these regulations.
- 14. The Jury for Feature Films will first select the award-winners for the following three categories:—

Best Feature film under rule 24-(i). Best Feature film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value under rule 24-1 (iii). Best Feature Film on National Integration under rule 24-1(iii).

The films selected for these awards will not be elegible for regional language awards under rule 24-1 (iv) of these regulations.

- 15. The Jury for Short Films will consist of a Chairman and not more than four other members. The Jury will be constituted by the Government. The jury will recommend films for categories for awards under rule 24-II.
- 16. Any person directly or indirectly associating with any film entered in the National Film Festival will not be eligible to serve on the Jury for Feature Films and the Jury for Short Films as the case may be.
- 17. Both the Juries may determine their own procedure for the examination of films.
- 18. The quorum of the two Juires shall not be less than half the number of members nominated.
- 19. The Director, Directorate of Film Festivals or his nominees, may attend the deliberations of both the Juries with the objective of providing necessary information and clarification regarding the scheme of National Film Festival.
- 20. The members of both Juries shall treat the deliberations as confidential. Also while working as members of the Jury, they will not utilise any material made available to them in the course of their work for dissemination through any media e.g., press radio, TV before the formal announcement of the results of the National Film Festival.
- 21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the Jury for Feature Films and the Jury for short Films from making a recommendation that none of the films in a particular language or category or that none of the Director, script writer, actor, actress, child actor/actress, cameraman, sound recordist, editor, art director, music director, playback singer, of feature films examined by them is of a standard adequate for an award.
- 22. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two Juries found convassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Jury.
- 23. The members of the two Juries will be paid travelling expenses and consolidated consultancy fee (at such rates as prescribed by the Government) for attending the meetings previews of the films in connection with the National Film Festival.

24. Films competing in the National Film Festival may be awarded the following prizes:—

I—FEATURE FILMS

(i) Best Feature Film:

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 40,000 to the producer and Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the director.

(ii) Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value:

Swaran Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.

(iii) Best Feature Film on National Integration: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

This award will be given not only for films dealing with communal harmony and patriotic themes but will also cover films dealing with uplift of depressed classes, inter-regional integration etc.

(iv) Best Feature Film in each regional language: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10.000 to the producer. Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5.000/- to the director of the best feature film in each language, viz.

—Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects '''. Bl.' i R. isthani and Maithili). Marathi ''. L. i Gujarati, Punjabi, Kashmiri, Sui'u, I: I i Bugali, Assamese, Oriya, Manipuri, Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

- (v) Best Children's Film: Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 15,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.
- (vi) Best Direction: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the best director.
- (vii) Best Screenplay: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10.000 to the best script writer.

(viii) Best Acting:

- (a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10.000 to the best actor.
- (b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actress,
- (c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best child actor or actress who is not more than 14 years of age.
- (ix) Best Cinematography (Colour): Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5.000 to the best cameraman of a black and white film.
- (x) Best Cinematography (Black and White): Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5.000 to the best cameraman of a black and white film.
- (xi) Best Sound Recording:Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5.000 to the best sound recordist.
- (xii) Best Editing:
 Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5.000 to the best editor.
- (xiii) Best Art Direction:
 Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5.000 to the best art director.
- (xiv) Best Music Direction:
 Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best music director.
- (xv) Best Male Playback Singer: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best male playback singer.

(xvi) Best Female Playback Singer: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best female playback singer.

II-SHORT FILMS

- (i) Best Information Film (Documentary): Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (ii) Best Educational/Instructional Film: (This category will include educational, instructional and training films). Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (iii) Best Promotional Film (Non-Commercial/Commercial):
 (For the best promotional film on subjects of national importance, e.g., national integration, social justice (The Commercial Section 1988), dynamics of development (The Commercial advertisement film).
 Rajat Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.
- (iv) Best Experimental Film: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4.000 to the director.
- (v) Best Animation Film:
 Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer, Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the animator and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (vi) Best Newsreel Cameraman: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best newsreel cameraman.
- (vii) Best Indian News Review: Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer.

Explanation:

The term 'Producer', 'director', 'screenplay writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'cdifor', 'art director', 'music director' and playback singer', used in these rules will be construed as referring to the 'producer', 'director', 'screenplay writer', 'script writer', 'actor', actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'art director, 'music director', and playback singer' as the case may be, as given in the credit titles of the film enteted in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

25. Dada Saheb Phalke Award:

In addition to competitive awards mentioned in rule 24, the Government at its discretion will give special award for outstanding contribution to the cause of Indian Cinema. The award will consist of a Swaran Kamal, cash prize of Rs. 40,000 and a shawl.

- 26. The producer of a feature film which wins an award under categories I-(i) to (vi) of rule 24 of these Regulations will be granted by the Central Government an additional sum of Rs. 5.000 on his getting that film sub-titled from its original to any other Indian or foreign language.
- 27. Government shall be entitled to retain one print of the film entered for awards and which receives an award. The cost of the print viz., the cost of raw material and processing charges, will be re-imbursed to the producer, reimbursement being made only if a brand new print is made available within three months from the date of announcement of awards. If a brand new print is not supplied to the Directorate within a period of three months of the announcement of the results than no reimbursement may be made and the print entered for the National Film Festival may be retained by the Government without any compensation to the producer.
- 28. In the event of the same film qualifying for more than one awards under rule 24(i) to (vi) the producer and the

director of the film will receive award only in one capacity carrying a higher cash prize. However, more than one award can be given to the same producer and the director for different films under different categories.

- 29. The producer of the film entered for the National Film Festival shall have no objection to the screening of the film for the juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.
- 30. Entire cost on freight for print and publicity material will be borne by the entrant.
- 31. The decision of the Government of India in respect of the awards and the interpretation of these Regulations shall be final and no appeal shall lie against them.
- 32. A person who participates in the National Film Festival under these Regulations shall be deemed to have accepted these Regulations.
- 33. The Print of films entered in the Festival, publicity material and correspondence relating thereto should be addressed to:—

Director of Films, Directorate of Film Festivals, Vigyan Bhavan Annexe, Maulana Azad Road, New Delhi-110011.

Telegraphic address: FILMOTSAV, NEW DELHI.

26TH NATIONAL FILM FESTIVAL-1979

ENTRY FORM

(To be completed in duplicate and sent to: The Director of Films, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annexe, Maulana Azad Road, New Delhi-110011 to reach by 15th March 1979).

- 1. Title of the Film.
- 2. Language.
- 3. *Category: Feature/Children's Film/Short Film.
- 4. Length of the film (in meters).

"Please strike out the portion not applicable. Entries in the case of Short Films should specify the category for which the film is entered with reference to rule $24 \cdot \Pi$.

- 5. Running time: _____ minutes.
- 6. Number of reels.
- 7. Gauge 35 mm/16 mm.
- 8. Colour system.
- 9. Number and date of the Censor Certificate.
- 10. Classification of the film in the Censor Certificate (whether 'A' or 'U').
- 11. Name and full address of the Producer (with telephone No. and telegraphic address if any).
- 12. Name and full address of the Director,
- Name and full address of Screenplay writer/scriptwriter.
- 14. Name and full address of the leading male actor.
- 15. Name and full address of the leading female actress.
- Name and full address of the child actor/actress (if any) of an age not exceeding 14 years,
- 17. Name and full address of the cameraman.
- 18. Name and full address of sound recordist.
- 19. Name and full address of the Editor.
- 20. Name and full address of the Art Director.
- 21. Name and full address of the Music Director.
- 22. Name and full address of the male Playback Singer.
- 23. Name and full address of female Playback Singer.
- Name and full address of the Animator of Animation Film entered under category of Short Films.
- 25. Date of release of the film.
- 26. If the film is a dubbed version, an adaptation or a retake of another film, particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake.
- 27. Print of the film to be despatched by (Please give name and complete address).

Name of the person making the entry.

Signature (Seal)

K. BIKRAM SINGH
Joint Director
Directorate of Film Festivals
Ministry of Information and Broadcasting

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mangilal Mishrimal Bafna, Nandurbar, Dist. Dhulia.

(Transferor)

(1) Kumari Firoz Sakhadwala & others, Nandurbar, Dist. Dhulia.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 25th November 1978

Ref. No. CA5/Aug/78/Nandurbar/375.---Whereas, I SMT. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

S. No. 167A/2A/167-A/2-B/167/A-1, CTS No. 2958-B situated at Nandurbar, Dist. Dhulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandurbar on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 167-A/2-A/167-A/2-B/167/A-1, C.T.S. No. 2958-B at Nadurbar Dist. Dhulia.

Area: 928 sq. mts. (Property as described in the sale deed registered under No. 1212 dated August 1978 in the office of the Sub-Registrar, Nandurbar).

> SMT. P. LALWANI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rnge, Poona

Date: 25-11-1978.

(1) Dr. R. V. Gokhale, 373/74, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. N. Desai, 1117/A-1, Lakaki Road, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 25th November 1978

Ref. No. CA5/Haveli-1/June '78/376.—Whereas, I Smt. P. Lalwani

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

CTS No. 759/118A, situated at Deccan Gymkhana, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at Haveli II, on 6-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the office Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 759/118A, Deccan Gymkhane, Pune-4.

Plot area: 767.84.

Built up area: 183.47 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 917 dated 6-6-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 25-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 8th December 1978

Ref. No. 79/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I B. Misra

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Khata No. 36 situated at Link Road, Cuttack (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 20-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Suryamani Swain.

(Transferor)

(2) (1) Shri Narana Behara,(2) Shri Srikanta Behera,

(Transferee)

(3) Ratna Behera.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building purchased vide Khata No. 36, Khasada No. 1438, situated at Link Road, Cuttack, under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 2391 dated 20-3-78.

B. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 8-12-78

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 15th November 1978

Ref. L.C. No. 262/78-79.—Whereas, I K. Narayana Menon being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Satheedevi Kunjamma, D/o Paliyath Ratnamma Kunjamma, Kottappuram, Trichur.

(Transferor)

(2) Sri Monu alias, Abdurahiman, S/o Mammabrail Illath Vapputty, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 4/5 cents of land with buildings vide document No. 1408 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated: 15-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/474.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. — situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 31-3-78

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jagdip Singh S/o Sh. Sardar Balwant Singh, Gumanpura, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Tejumal S/o Shri Tharumal, Sindhi Colony road, Gumanpura, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX/i of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops situated at main road from Surajpole to Gover-dhanpura, Gumanpura, Kota and more fully described in the convoyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 399 dated 31-3-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./475.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. - situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 31-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdip Singh S/o Sh. Sardar Balwant Singh, Gumanpura, Kota.
- (2) Shri Sakhiram S/o Shri Miyamal, Sindhi Colony, Gumanpura, Kota.

 ('Iransferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops situated at main road from Surajpole to Gover-dhanpura, Gumanpura Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 404 dated 31-3-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

Scal:

 Shri Tejkaran Bagadia S/o Shri Pyarchandji through GPA M/s. Vinodiram Balchand & Co., Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Goverdhan Lal and others C/o Karachi Industries, Industrial Estate, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/4771.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 1-A situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 27-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) feilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land bearing No. 1-A situated a Gumanpura and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 372 dated 27-3-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./476.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-B situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 27-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

16-396GI/78

(1) Shri Tejkaran Bagadia S/o Shri Pyarchandji through GPA M/s. Vinodiram Balchand & Co., Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sunder Das S/O Shri Jeewatram C/o Karachi Industries, Industrial Estate, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. 1-B situated at Gumanpura. Kota and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 372 dated 27-3-78,

> HARI SHANKAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hakimuddin S/o Shri Hazı Abdul Quadir Musalman Bohra, Bheemganj Mandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Gultaran Singh S/o Sh. Jagtaran Singh resident of Kota Junction, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./481.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kota schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 14-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-

cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

fer; and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the trans-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shopt at ground floor of house situated at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota, vide registration No. 479 dated 14-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./480.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kota (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 15-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hakimuddin S/o Shri Hazi Abdul Quadir Musalman Bohara, Bheemganj Mandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Gultaran Singh S/O Sh. Jagtaran Singh resident of Kota Junction, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor situated in house at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 488 dated 15-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./479.—Whereas, I HARI SHANKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

- situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 13-4-78

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hakimuddin s/o Shri Hazi Abdul Quadir Musalman Bohra, Bheemganj Mandi, Kota. (Transferor)
- (2) Shri Brijraj Saran Tondan s/o Shri Keshav Saran c/o M/s. Jag Brothers, Kota Jn. Kota.
 (Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of the house situated at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 471 dated 13-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 20-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hakimuddin s/o Shri Hazi Abdul Quadir Musalman Bohra, Bheemganj Mandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Dalumal and Shri Deepchand Sons of Shri Vasumal, Kota Jn. Kota.

(Transferce)

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor situated in the house at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 518 dated 20-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1853.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bazar Sheikhan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Balram
 S/o Shri Jawanda Mal
 R/o 185 Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Kumar So Shri Chuni Lal R/o Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3/3 Bazar Sheikhan, Juliundur as mentioned in the Registration sale deed No. 546 of April, 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1854.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Mota Singh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Bachint Kaur Wd/o Sh. Jaswant Singh through G. A. Ajaib Singh S/o Late Sh. Jaswant Singh, R/o 132, Section 11-A, Chandigaru.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh S/o Shri Bishan Singh R/o Maan House, Street No. 4, Central Town, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 128 Master Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 536 of April, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 5-12-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1855.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Paragpur on G.T. Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Shri Jngat Singh
 S/o Shri Labhu Singh
 S/o Shri Sawan Mal
 Mohalla Gobind Garh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh S/o Shri Kartar Singh 146-Lajpat Rai Nagar, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Kanal 1 Marla Land alongwith Factory Shed, Electric Motor etc. of Paragpur Village as mentioned in the Registration sale deed No. 271 of April, 1978 of the Registering as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1856.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Village Garaha, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17-396GI/78

 Smt. Gurwant Kaur Wd/o Shri Amar Singh R/o EH-195, Civil Line, Jullundur.

(Transferor)

 1. Shri Manmohan Singh S/o Shri Naranjan Singh R/o EH-35 Ladowali Road, Jullundur.

 Shri Parminder Kaur W/o Shri Gurcharan Singh S/o Shri Ram Singh, Village Saroya, Teh. Garhshanker.

Shri Rattan Kumar
 S/o Shri Brahma Nand,
 Vill, Bundala Teh. Phillaur.

4. Shri Rakesh Kumar S/o Shri Mohan I.al S/o Ram Chand, Vill. Jandiala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 46/2 Marla at Village Garaha as mentioned in the Registration sale deed No. 104 of April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, IULLUNDUR

Juliundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1857.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Shri Gurbax Singh
 S/o Shri Nand Singh
 S/o Shri Surain Singh
 R/o Gudai Pur Teh. Jullundur.

(Transferor)

(1) 1. Shri Gurbachan Singh S/o Shri Punna Singh

> Smt. Gurmit Kaur W/o Shri Santa Singh Randhawa Musandan

3. Shri Balbir Singh S/o Shri Gahiya Ram

4. Shri Balkar Singh S/o Sewa Singh R/o Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 8 K 10 M at Jullundur as mentioned in the Registeration sale deed No. 542 of the April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-12-1978

Jullundur on April 1978

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1858.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Usha Vij Wd/o Shri Kishan Kumar NB-307, Hoshiarpur Road, Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Rajnder Kumar Kohli S/o Shri Jagdish Chander Prop. Rajinder Coal Depott. Hoshiarpur Road, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20 marla plot on Hoshiarpur Road, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 280 of April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1859.—Whereas I, S. B. DEHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Vill. Chak Hussaina Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto,, has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) façilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Avtar Slngh S/o Shri Amar Singh Self of G.A. to 1 Renjit Kaur D/o Shri Amar Singh
 - 2. Smt. Gurmit Kaur D/o Shri Amar Singh
 - Smt. Surinder Kaur D/o Shri Amar Singh
 - 4. Shri Jagtar Singh S/o Shri Amar Singh

R/o Chak Hussaina Daman Pind,

(Transferor)

- (2) S/Shri
 - 1. Asa Nand
 - 2. Romesh Kumar S/o Sh. Anant Ram Vill. Chak Hussaina, Teh. Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 kanal 1 7 1/2 Marla land at Chak Hussaina as mentioned in the Registeration sale deed No. 120 of April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-12-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Patna, the 7th December 1978

Ref. No. 111-291/Acq/78-79.—Whereas, I, J. NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T. No. 5175 Khata No. 1036, Khasra No. 2201 situated at Mouza—Khilchipur-Digha, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 16-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tek Narain Rai s/o Late Punit Gope, resident of village—Khilchipur-Digha P.O. and P.S. Digha Digtt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Edwin Anthony Cyrill 8/0 Late Seraphin Andrew Cyrill, Anandpuri, Boring Canal Rd. (West) PATNA-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA; of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead Land measuring 5 kathas 10 Dhur bearing Touzi No. 5175 Khata No. 1036 Khasra No. 2201, Thana Survey Phulwari Thana No. 1 situated at Mouza—Khilchipur-Digha Distt. Patna, morefully described in Deed No. 1676 dated 16-3-78 registered with the Distt. Sub-Registrar, Patna.

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-12-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 205/78-79-Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ecceding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Act, 1908 has been transferred under the Registration (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Swastik builders, 1-2-524/30 Domalguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar, Agarwal, H. No. 21-2-663 at Urdu Sharif, Chairman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 in ground floor at Sagar View Domalguda, Hyderabad registered vide Document No. 1069/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Swastik Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Rajendra Kumar Agarwal, 21-7-69, Ghansi Bazar, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 206/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 215 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in March 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office No 215 in IInd floor of Sagar View, at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 965/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad Office,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

 Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(2) Master Rajendera Kumar Agarmal, (Minor) guardian father Sri Ishwarlal Agarwal 21-7-69 at Ghansi

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 207/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 216 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bazar, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 216 in IInd floor at Sagar View, 1-2-524/3 Damalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 967/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

Scal:

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Sheetal Devi, (Minor) guardian Sri. J. Shan-karlal Agarwal, H. No. 15-1-53 at Osmangunj. Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1973

Ref. No. RAC No. 208/79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office RC 10 situated at Sagar View Domalguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 18-396GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. RC 10 at Sagar View building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1075/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 209/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 11 FC situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kumari Meenakshi, Devi, (Minor) guardian natural father Sri. J. Shankerlal Agarwal, 15-1-53 Osmangunj, Hyderabad-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 F.C. in Sagar View, building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1076/78 in the Joint Sub-Registrar office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydcrabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 210/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1 situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Narbada Bai, 2. Sri Mukundlala Pitti, 3. Laxminivas Pitti, all residing at 4-1-10 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 in Sagar View, ground floor M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 966/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad office.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 211/78-79.—Whereas. I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Office 217/2 situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in March 78

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) D1. K. Kajeshwar, H. No. 1-8-519/8 at Chikkad-pally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 217 (50%) admeasuring 556 Sq. ft. in Sagar View of 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 961/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 212/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 217/2 situated at Sagar View Donalguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

8291

(2) Smt. Laxmi Subramaniam, 1-2-412/2 at Gaganmahal Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 217 (50%) in IInd floor at Sagar View at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 960/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

Scal:

 Swastick Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. G. Hemalata, H. No. 6-3-609/170 at Khairta-bad, Hyderabad (Anandnagar Colony, Hyderabad).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 213/78-79.—Whereas, 1, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Office No. 109 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in March 1978

for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 109 in 1st floor of Sagar View at Domalguda-Hyderabad, registered vide Document No. 1072/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ret. No. RAC No. 214/78-79.—Whereas, I, K, S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 206 situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in March 78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri. N. Mohan Reddy, H. No. 3-6-198 at Himayatnagar Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 206 on Hnd floor in the Sagar View M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Down No. 1070/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

 Swastick Builders, 1-2-524/3 at Domalgudo, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Krishna Kumar, 553, at Somagiguda, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Rcf. No. RAC No. 215/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 208 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 208 on the IInd floor of Sagar View situiated at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 688/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 216/78-79.—Whereas. I, K. S. VFNKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15 RC situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—396GI/78

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Leela S. Sanklecha, W/o Dr. S. No. Sanklecha, R/o 6-A "Sukh Nivas" 3rd paste lane, Colaba, Bombay-400005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15 RC on the Sagar View, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 1071/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 217/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop 13 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Krishnaveni. W/o Sri P. Laxminarayan, H. No. 15-8-417/1 at Feelkhana, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 in Ground floor at Sagar View H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 965/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME--TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Rcf. No. RAC No. 218/78-79.-Whereas, I, K. S. VENKATALAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 14, situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 24-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabil of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Swastik Builders, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. P. Laxminarasamma, H. No. 15-8-417/1 at Feelkhana, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14 in ground floor at Sagar view, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 962/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 219/78-79,—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 8 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Bai, 21-2-663 at Urudu Shrif Charakman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. F.C. No. 8 in Sagar View M. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 1074/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUESTION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th Nevember 1978

Ref. No. RAC No. 220/78-79.--Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 12 situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Swastik Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri. P. Ramachandra Reddy, Advocate, General, 3-6-467/1 at Hardikarbagh, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 F. C. front celler in Sagar View 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad, registered vide Document No. 1073/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

(1) Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(2) Sri Inder Singh, 2. Sri Raghumir Singh, 3. Sri Anand

Singh, all residingar 105 Adarshanagar Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

C1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 221/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 6 situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 in Sagar view at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 779/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 222/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 7 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income parising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sri. Inder Singh, 2. Sri Ragumir Singh, 3. Sri Anaud Singh, all residing at 105 Adarshangar Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 in Sagar View: 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 778/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

FORM TINS-

(1) Swastic Builders. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 223/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9 situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income parising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Shrikanta Gangawal, H. No. 8-2-678/1 at Road, No. 12 at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4° days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 on ground floor at Sagar View H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 963/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 224/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 9/1/F situated at Saroornagar Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad East in 30-3-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income parising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
20—396GI/78

Shri Valluru Chintamani Laliteswara Raju S/o Valluri Venkateswarlu, H. No. 5-6 at Kothapet Hyderabad-500036.

(Transferor)

(2) Shri Venkateswara Co-operative House Building Society Limited, Saroornagar, Represented by N. Ram Mohan Sastry, 3-5-1140, Ramkote, Hyderabad-27.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/12 share of the dendor in the Agricultural land out of an extent of 10 Acres in S. No. 9/1/F at Saroomagar Village, Hyderabad East Taluq Hyderabad District measuring 4 Acres 07 guntas registered vide Document No. 1711/78 at the Office of the Sub-Registrar Office, Hyderabad East.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 225/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

S. No. 9/1/F situated at Saroornagar Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East in 30-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income parising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Valluri Siva Koteswara Raju S/o Vallur Venkateshwarlu, R/o Kothapet, Hyderabad-500035. (Transferor)
- (2) Shri Venkateshwara Co-operative House Building Society Limited, Saroornagar, Represented by Secretary N. Ram Mohan Sastry, 3-5-1140, Ramkote, Hyderabad-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned \cdots

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

5/12 Share of the Vendor in the Agriculture land out of an extent of 10 Acres in S. No. 9/1/F at Saroornagar Village, Hyderabad East Taluq. Hyderabad District measuring 4 Acres 07 guntas registered Vide Document No. 1712/78 at the Office of the Sub-Registrar Office, Hyderabad East.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1978

Ref. No RAC 226/78-79.—Whereas, J, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flt. No. 11 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Jabbar Real Estate, office at 54 Nallagutta, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Bai, D/o Dr. Gurudatamul, resident of H. A. L. Colony, Balanagar, Hyderabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on Second floor of 1-11-252/l at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 640/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 17-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th November 1978

C.R. No. 62/17368/78-79/Acq/B.—Whereas I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/18, situated at Ist Main Road, Vyalikaval Extension, Bangalore-3 (Division No. 45)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 154/78-79 on 12-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Govinda Rao Bhojagade
 Shri Ramachandra Rao Bhojagade,
 Children of Shri Shama Rao Bhojagade,
 Both residing at: No. 192, 5th Main Road,
 Vyalikaval, Bangalore-3.

(Transferors)

- (2) 1. Shri G. Ramaiah Setty, S/o Late Adeppa Setty,
 - 2. Shri G. Satyanarayana Setty, S/o Shri G. Ramaiah Setty.
 - 3. Shri G. Nanjunda Setty, S/o G. Ramaiah Setty, All residing at: No. 16, 1st Cross, Nehrunagar, Seshadripuram, Bangalore-560 020.

(Transferees)

(3) Shri Narasimhan.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 154/78179. Dated 12-4-1978]
Property bearing No. 6/18, 1st Main Road, Vyalikaval

Extension. Bangalore-3 (Division No. 45).

Boundries:

North: Road

South: Vrushabendra's house on site No. 7

East: Road and

West: Jannaiah's house constructed on site No. 50.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-11-1978

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th November 1978

C.R. No. 62/17380/78-79/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property bearing old No. 983, New No. 48, situated at Old Kachari Road, Nagarthpet, Bangalore (Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore. Doc No. 185/78-79 on 15-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sri S. C. Muniappa S/o Chennarayappa. 2. Smt. Rathnamma W/o Sri S. C. Muriappa. 3. Sri S. M. Surendra Kumar S/o S. C. Muniappa.

4. Miss Manuja D/o S. C. Muniappa.
5. Miss S. M. Shoba D/o S. C. Muniappa.
6. Sri S. M. Chandrashekar S/o Sri S. C. Muniappa.

Sri S. M. Murali S/o Sri S. C. Muniappa. Serial Nos. 6 & 7 are Minors and they are represented by their father and Natural Guardian Sri S. C. Muniappa.

All are residing at No. 49, Subrama chetty Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferors)

(2) Shri N. S. Krishnamurthy S/o Late N. K. Subbaiah Setty, No. 584, Jojjan Rao Rove, V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 185/78-79. Dated 15-4-1978] Vacant site with a small built portion, bearing municipal old No. 983, New No. 48, Old Kacheri Road, Nagarthpet, Bangalore (Division No. 2).

Boundries:

Road East

Puttappa's House West North: Main Road South: Conservancy Road.

> J. S. RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th November 1978

C.R. No. 62/17398/78-79/ACQ/8B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

land measuring A.C in survey No. 52/1 B, along with the building bearing door Nos. 16-128 to 16-151, situated at Shivalli village, Manipal, Udipi Taluk, S.K. Dist. and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udipi. Doc. No. 34/78-79 on 13--4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. General Investment and Commercial Corporation Ltd., a Company having their registered office at Syndicate House, Manipal, acting through their chairman P. Venkatesh Nayak, Udipi.

(Transferor)

(2) M/s. Canara Land Investments Ltd, Company having their registered Office at Syndicate House, Manipal, represented by their General Manager, Tonse Mohandas Pai, Manipal, Udipi Taluk, S. K. Dist.

(Transferces)

- (3) 1. M/s. Manipal Power Press. Door. No. 16-129, 130, 132, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 144, 146, 148, 149, 151 Total 17 tenants.
 - 2. Sri David Vedamuthu, Door No. 16-128.
 - 3. Sri T. Prabhakar Pai, Door No. 16-133. 4. Sri T. Ramachandra Pai, Door No. 16-142.

 - 5. Sri J. Benedicta, Door No. 16-143. 6. The Academy of General Education, Door No. 16-145

7. M/s. Manipal Tile works, Door No. 16-147. 8. Sri R. Narayana Nayak, 16-150. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 34/78-79, Dated 13-4-1978] Land measuring 1A. 30 C in Sy. No. 52/1B, along with the building bearing door Nos. 16-128 to village, Manipal, Udipi Taluk, S.K. Dist.

J. S. RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th November 1978

Ref. C.R. No. 62/17633/78-79/ACQ/B,-Whereas I, J. S. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

New No. 2, situated at Gandhi Bazar Road, Basavangudi, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, Bangalore Doc. No. 3353/77-78 on 30-3-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Sri U. S. Sundaresh, S/o Sri U. K. Shanmugappa, No. 153/2, Old Madras Road, Bangalore-8.

(Transferor)

(2) M/s. 'Dakshina Bangalore Bhavasar Kshatriya Samaja', No. 151/2, Dr. D. V. G. Road, Basavangudi Bangalore, represented by the President Sri T. Yerappa, So. late Sri Venkoba Rao, Mount Joi Road, Hanumanthanagar, Sunkenahally Extension, Bangalore-19, Secretary, Sri B. M. Krishna Rao Sanney. S/o Late Sri Maniswamy Rao, Mahalakshimi Temple, Kumara Park, West, Bangalore and Treasurer Sri B. S. Venugopala Rao, S/o Jate Sri B. Sagappa Rao, No. 19, II Main Road, N.R. Colony, Bangalore.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3353/77-78, Dated 30-3-78]

Property bearing Corporation New No. 2, Gandhi Bazar Road, Basavangudi, Bangalore-4.

Boundries:

East: Property belonging to Sri U. S. Virupakshappa, Sri U. S. Shanbhulingappa and Dr. S. Manohar. West: Property belonging to Sri G. V. Rudrappa. North: Premises Beating New Nos. 1, 3 & 4, Gandhi Bazar Road.

South: Conservency Lane,

J. S. RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 23rd November 1978

No. C.R. No. 62/17391/7-79/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

43/1, H. B. Samaja Road,

situated at 4th Cross, Vasavangudi, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, Bangalore Doc. No. 3159/77-78 on 13-3-1978 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to py tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. S/Shri B. V. Ramaiah Setty, S/o B. Venkataramalah Setty, Setty.
 - 2. B. R. Nagraj,
 - 3. B. R. Narayanamurthy,
 - 4. B. R. Srinivanajamurty,
 Children of Sri B. V. Ramaiah Setty,
 Sl. No. 4 being the minor RCP by his father
 and natural guardian B. V. Ramaiah Setty,
 All are residing at No. 648, 6th Main Road,
 6th Cross Hanumanthanagar,
 Rangalora, 560019 Bangalore-560019.

(Transferors)

- Shri S. V. Rathanaiah, S/o Sri Venkatappa,
 S. V. Rathanaiah, S/o Sri Venkatappa,
 No. 65, Govindappa, Road, Basavangudi, Bangalore-4,
 - 2. Sri S. R. Mohan, S/o Sri S. V. Rathanaiah Setty, No. 14, 1st Floor, Shivanganga Mutt, Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferees)

3. Shri M. S. Bramahaiachari. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dated 13-3-1978] [Registered Document No. 3159/77-78. Premises bearing No. 43/1, H. B. Samaja Road, 4th Cross, Basavangudi, Bangalore-4, (Division No. 33). Boundaries

East: Property belonging to Sri M. Krishnaiah Setty. West: Govindappa Cross Road.
North: Property belonging to Sri K. Chalapathy, and South: H. B. Samaia Road.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 22nd November 1978

Ref. No. C.R. No. 62/16677/78-79/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1442/41

situated at 39th cross, IV T Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Doc. No. 3275/77-78 on 27/3/1978 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-21-396GI/78

(1) 1. Smt. Laxmi Devamma, W/o B. T. Shankara,

Kumari B. S. Somashekhar, Kumari B. S. Soubhagya,

Kumari B. S. Devi.

5. Kumar B. S. Harisha

Kumari B. S. Tara Devi,
 Kumari B. S. Loki, Children of B. T. Shankar No. 2 to 7 are Minors and they are represented by their Natural Guardian and mother Smt. Laxmi Devamma.

All residing at: No. 176, 3rd Block, Jayanagar Extension, Bangalore-11.

(Transferors)

(2) Sri Patel Nanja Reddy, S/o Late Thimma Reddy, Chemanahalli village, Kasaba Hobli, Chintamani Taluk, Kolar District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3275/77-78. Dated 27-3-19781 Property bearing No. 1442/41, 39th cross, IV T Block,

Jayanagar, Bangalore-11 (Division No. 35). Boundaries:

North: 39th Cross Road,

South: Private Property,

Private Property (Vacant site), East

West: Private property.

P. RANGANATHAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore, the 23rd November 1978

Ref. No. C.R. No. 62/17645/78-79 / ACO / B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

837, V Main, V Cross Road, situated at West of Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-40 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriramapuram, Bangalore, Doc. No. 263/78-79 on 21-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri N. S. Mahadevaiah, S/o Siddaramaiah, No. 837, Ground floor, V Main, V Cross, Magadi Road—Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-560040.

(Transferor)

(2) Shrimati Durgamma, W/o late Hanumanthappa, No. 837, 1st floor, V Main, V Cross, Magadi Road—Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-560040.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 263/78-79,

Dated 21-4-1978]

Property bearing No. 837, V Main, V Cross Road, West of Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-560040.

Boundries:

West: Road
West: Site No. 820
North: Site No. 836 and
South: Site No. 838.

P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 22nd November 1978

Ref. No. C.R. No. 6-/16762/78-79/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Old No. 5/31, New No. 1, situated at 4th Cross, Sardar Patrappa Road, Kumbarpet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore. Doc. No. 3875/77-78 on 23-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Hameedudeen Sheriff, S/o late M. Sirajuddin Shariff, at present residing No. 70, Wood wards Avenue, Blamptom, Ontario, Canada, represented by his power of attorney holder Sri Naseeruddin Mohamed Sheriff alias Asif Pasha.
 - 2. Smt. Shakila Banu w/o Sri Syed Amcer Ali and
 - Rasheeda Banu, All residing at No. 2103, Mandi Mohalla, Mysore-1.

(Transferors)

- (2) 1. Shrimati Y. Khamarunnissa, d/o Sri Syed Yakoob Saheb.
 - Y. Fathimunnissa, d/o Sri Syed Yakoob Saheb, Both residing at No. 8, I-Floor, 4th cross Sardar Patrappa Road, Kumbar Pet, Bangalore-2. (Transferees)
- (3) Mr. M. K. Abdulla Basha.

 (person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3875/77-78. Dated 23-3-1978]

Property bearing old No. 5/31, New No. 1, 4th Cross, Sardar Patrappa Road, Kumbarpet, Bangalore (Division No. 40).

Boundries:

East: Private property.

West: Road (Sardar Patrappa road, 4th Cross)

North: Private property and South: Lane and Kamanna's house.

P. RANGANATHAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 22nd November 1978

Ref. No. C.R. No. 62/16741/78-79/Acq.(B).—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, Andanappa Galli,

situated at Kavadi Bevanna Setty Pet, Bangalore-560002 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhi Nagar, Bangalore-Doc. No. 3774/77-78 on March,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- Smt. Gangamma, W/o Shri B. Krishnappa, No. 80-81, Kantina Krishnappa Galli, Cottonpet, Bangalore.
 - Smt. Shankaramma, W/o Shri Vaikuntaiah, No. 13, Andanuppa Galli, Navadi Revanna Settypet, Bangalore-2.
 - 3. Shri Huliappa, S/o late H. Muniyappa, No. 80-81, Kantina Krishnappa Galli, Cottonpet, Bangalore-2.

(Transferors)

- (2) 1. Shri T. Annaiahppa, S/o Shri T. Thimaiah. 2. Shri T. Narayanappa S/o Shri T. Thimaiah.
 Both residing at: No. 17, Sanjeeva Nayak Halli,
 Avenue Road, Cross, Bangalore-2. (Transferees)
- (3) 1. Shri Shivarai
 - 2. Shri Perumal 3. Smt. Chinnamma Smt. Velliyamma
 - 5. Shri Pachhappa.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3774/77-78. Dated March, 1978] Property bearing No. 13, Andanappa Galli, Kavadi Revanna Setty Pet, Bangalorc-560002.

Boundries:

North: Private property South: Private property East: Private property, and

West : Road.

P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. SOL/7/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House property known as 'Rajasthan Bhawan' on land measuring 6322 sq. mts. situated in Village Thodo, The Mall, Solan, situated at Solan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta in March, 1978,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Phulan Devi w/o Shri Nihal Chand Gangwal. r/o 9-C, Lord Sinha Road, Calcutta-16.
- (Transferor)
 (2) 1. Shri Bansidhar s/o Shri Johri Lal, The Mall, Solan.
 - Shri Inder Sarup, s/o Shri Parkash Chand, Chartered Accountant, 18/39, Shakti Nagar, Delhi.
 Shri Mandir Dass Jain s/o Shri Mahaveer Parshad

 - Jain, Jain House, The Mall, Solan.
 4. Shri Yadav Chander Jain s/o Shri Ram Chander Jain, Prof., Agri. University, Rajasthan Bhawan,
 - 5. Shri Narain Lal Suthor s/o Shri Mohan Lal Suthor, r/o Buskharg, P.O. Mehtapur, Distt. Una (H.P.)

 - 1. Shri Johri Lal s/o Shri Mulkh Ram c/o M/s Johri Lal Bansi Dhar, The Mall, Solan. 7. Shri Arvind Kumar s/o Shri Chander Bhan c/o Chander Bhan Anand Parkash, 31-A, Kamla
 - Nagar, New Delhi.

 8. Shri Abhi Shekh Manu Sanghvi s/o Dr. L. L. Singhvi, Advocate, r/o 30, Lodhi Estate, New Delhi.
 - 9. Shri_Sampat Raj Raka s/o Shri Chander Mal r/o Raipur Marwar, Distt. Pali, Rajasthan. (Transferee)

4. Shri Ram Karan Gupta, Tea Stall, Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan. 5. Shri Amrit Lal Khanna, Prop. Neelama Furniture

1. The Dean, Agricultural University, Solan.
 2. Shri Hari Singh Bawa, Prop. Education College, Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
 3. Shri Suresh Kumar Gupta prop. Friends General

Store, The Mall, Solan.

- Industries, Read Cross Road, Solan.

 M/s Hari Saran & Sons, Red Cross Road, Solan.

 Shri Hari Saran s/o Shri Lakha Ram, Red Cross Road, Solan.
- 8. Shri Dalipa r/o Rajasthan Bhawan, The Mall,
- 9. Shri R. L. Munjal, Prof. of Botany & Plant Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.
 10. Shri Y. C. Jain, Associate Denterment of the Pathology Representation of
- Bhawan, Solan.

 Shri R. K. Yadav, Asstt. Professor of Botany & Plant Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.

 Bhri J. P. Chatrath, Asstt. Professor, Entomology, Rajasthan Bhawan, Solan.
- 13. Shri D. R. Chauhan, Supdg/Asstt. (Audit), Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.
 14. Shri Kala Singh, Peon, Agricultural University,
- Rajasthan Bhawan, Solan.
- Shri J. C. Verma, Stenographer, A University, Rajasthan Bhawan, Solan. 15. Shri J. C. Agricultural

(The person occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Property known as 'Rajasthan Bhawan, situated at Village Thodo, The Mall, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1603 of March, 1978 of the Registering Officer, Calcutta).

NATHU RAM, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. SOL/8/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House property known as 'Rajasthan Bhawan' on a land measuring 6322 sq. mts. situated in Village Thodo, The Mall, Solan, situated at Solan,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta in March, 1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:

(1) Smt. Ginnia Devi w/o Shri Prakash Chand Saraogi, r/ 68 Nalini Seth Road, Calcutta-16.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Tarlok Chand s/o Shri Hari Ram, The Mall

 - Shri Tarlok Chand s/o Shri Hari Ram, The Mall Solan.
 Smt. Raj Dulari w/o Shri Tara Chand r/o Raj Garh Road, Solan.
 Shri Babu Lal s/o Shri Rameshwar Dass, General Mcrchants, Udho Mandi, Surajgarh, Rajasthan.
 Shri Jawala Parshad s/o Shri Rameshwar Dass, r/o Anaj Mandi, Rewari.
 Smt. Ram Jiwani Kanwar w/o Shri Inder Chand, of T. Nagar, Madras.
 Co Rajasthan, Bhawan, The Mall, Solan. of T. Nagar, Madras. c/o Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.

(Transferce)

- (3) 1. The Dean, Agricultural University, Solan.
 2. Shri Hari Singh Bawa, Prop. Education College, Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
 3. Shri Suresh Kumar Gupta prop. Friends General
 - Store, The Mall, Solan.
 4. Shri Ram Karan Gupta, Tea Stall, Rajasthan

 - Shri Amrit Lal Khanna, Prop. Neelama Furniture Industries, Read Cross Road, Solan. M/s Hari Saran & Sons, Red Cross Road, Solan. Shri Hari Saran s/o Shri Lakha Ram, Red Cross
 - Road, Solan.
 8. Shri Dalipa r/o Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
 - Shri R. L. Munjal, Prof. of Botany Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.
 Shri Y. C. Jain, Associate Professor, Munjal, Prof. of Botany & Plant
 - Jain, Associate Professor, Rajasthan
 - Bhawan, Solan.

 11. Shri R. K. Yadav, Asstt. Professor of Botany & Plant Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.

 12. Shri J. P. Chatrath, Asstt. Professor, Entomology, Rajasthan Bhawan, Solan.

 - Shri D. R. Chauhan, Supdg/Asstt. (Audit), Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.
 Shri Kala Singh, Peon, Agricultural University,

 - Rajasthan Bhawan, Solan.

 15. Shri J. C. Verma, Stenographer, Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.

(The person occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Property known as 'Rajasthan Bhawan, situated at Village Thodo, The Mall, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1604 of March, 1978 of the Registering Officer, Deed Calcutta).

> NATHU RAM. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. CHD/114/77-78.—Whereas, I. NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

SCF No. 7/11, Sector 27-C, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maj. Satayawan Singh (Retd.) s/o Late S. Gurdial Singh r/o 11-A, Windson Place, Lucknow. c/o S. Sohan Singh Sandhawalia, r/o H. No. 21, Sector 2, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Ram Lal r/o House No. 254, Guru Nanak Pura, Ludhiana. (Transferee)
- (3) 1. Mrs. K. Katiyal,
 2. Mr. M. L. Katiyal, s/o Bhagwan Dass,
 3. Shri Naud Kishore,
 all r/o SCF No. 7/11, Sector 27-C, Chandigarh.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 7/11, Sector 27-C, Chandigarh,

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1378 of 3/78 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. CHD/132/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.C.O. Nos. 89, 90 and 91, Sector 17-D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigarh in April, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Shri Pawan Kumar and Shri Abhey Kumar s/o Shri Amrit Lal,
 - 2 .Smt. Bilbir Kumari w/o Shri Tarsem Chand, through her G.A.
 - 3. Shri Tarsem Chand,
 - 4. Smt. Kamla Devi w/o Shri Pawan Kumar, Smt. Promila Devi w/o Shri Abhey Kumar, Mr. Rakesh Jain and Mr. Rajesh Jain, minor sons of Shri Tarsem Chand, through their father, Shri Tarsem Chand, all residents of House No. 1621, Sector 18-D,

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bawa Tirath Singh s/o Bawa Sawan Singh, 2. Shri Bawa Harinder Singh, Bawa Sukhinder Singh

 - s/o Bawa Tirath Singh,

 3. Smt. Ranjit Kaur w/o Tirath Singh,

 4. Smt. Paramjit Kaur w/o Bawa Harinder Singh,

 5. Bawa Nihal Singh s/o Bawa Kishan Singh,

 6. Smt. Charanjit Kaur w/o Bawa Gurmit Singh,

 Shri Anupal Singh, Servepal Singh, Sukhpal Singh, minor s/o Shri Gurmit Singh Bawa, all residents of Muktsar, Distt. Faridkot, c/o M/s Bawa Nehal Singh Gurmit Singh, Muktsar Muktsar.

(Transferee)

- (3) M/s Singh Song, Prop Shri Kanwaljit Singh,
 2. M/s Esquire, Prop. Shri Jatinder Singh,
 3. M/s Thampson, Prop. Shri Ram Nath,
 4. M/s Darshan Embrodiery, Prop. Joginder Singh,
 5. M/s Supreme Woollen Mills, Prop Shri Prem Chand,
 - 6. M/s Lucknow Pan corner, Prop. Shri Naurangi Parshad,

 - 7. M/s Chandigarh Sports, Prop. Shri Amrit Lal, 8. M/s Cheema Electric Works, Prop. Shri Rupinder

 - 9. M/s M.G. Electric, Prop. Shri Sat Pal.

 Povv Hair Dresser, Prop. Shri Adish 10. M/s Roxy Hair Dresser, Ahamad.
 - 11. M/s Kaushal Jewellers, Prop. Shri Pawan Kumar,

 - 12. M/s Kaushal Furnishers, 13. Shri Charan Das, S.C.O. 89-91, Sector 17-D, Chandigarh,
 - 14. M/s Bajaj Investment, Prop. Shri S. P. Vohra,
 15. M/s Bawa Nehal Singh Bawa Tirath Singh,
 16. Shri Kuldip Singh, Advocate,
 17. Shri Kuldip Singh, Advocate,

 - Punjab School Education Board, SCO No. 89-91, Sector 17-D, Chandigarh.

 - M/s Shiv Jewellers,
 M/s Shiv Jewellers,
 M/s Malhotra Book Nook,
 M/s Malhotra Book Depot,
 S.C.O. No. 89-91, Sector 17-D, Chandigarh,
 A. Aslam, Tailors.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 89, 90 and 91, Sector 17-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Regd. Deed No. 50 of April, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.

NATHU RAM.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. CHD/138/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House Property No. 2174, Sector 15-C, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
22—396GI/78

 Mrs. Joginder Kaur, Shri Jaidev Singh, Shri Mander Singh and Shri Paramdev Singh, Shri Jatinderdev Singh, Shri Suchdev Singh, all r/o 1513, Sector 33-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Sukhinder Kaur Gill, r/o 2174, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2174, Sector 15-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 88 of April, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 16th November 1978

Rcf. No. SRD/73/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 14 kanals 14 marlas situated in Village Brahaman Majra, Sirhind,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sirhind in March, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Shri Jagat Singh, r/o Brahaman Majra, Sirhind, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) M/s Sood Rice Mills, Sirhind, Distt. Patiala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 kanal 14 marlas situated in Village Brahaman Majra, Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 3165 of March, 1978 of the Registering Officer, Sirhind).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Shri Amar Nath s/o Shri Moti Ram,

(2) Shri Amar Nath s/o Shri Moti Ram, S/Shri Rajesh Kumar, Gian Chand, Brish Bhan, Minder Kumar, and Surinder Kumar ss/o Shri Amar Nath, r/o Nabha, owners of M/s Amar Rice Mills, Thuhi Road, Nabha.
(Transferce)

(1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Mitoo, r/o Nabha.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. NBA/52/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 13 kanal, 10 marlas, situated on Thuhi Road, Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in March, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 kanal 19 marlas situated at Thuhi Road, Nabha.

(The property as mentioned in the Regd. Decd No. 2304 of March, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. SRD/72/77-78 —Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and measuring 76 kanals 13 marlas situated at Village Sarana, Teh. Sirhind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in March, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S. Ajmer Singh s/o Rala Singh, Village Bharatpur Teh. Kharar.

(Transferor)

(2) S. Sadhu Singh s/o S. Rangi Singh, Village Samana, Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 76 kanals 13 marlas situated in Village Sarana, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 3133 of March, 1978 of the Registering Officer, Sirhind).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. DBS/42/77-78,--Whereas, I, NATHU RAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rāuni (Koti), Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in March, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ben or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :--

(1) S/Shri Hukam Chand, Barkha Ram and Lajya Ram s/o Shri Sunder, (Transferor)

(2) M/s Basant Industries,

201, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, through Shri Surinder Singh, partner. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 13 biswas situated at Villago Rauni (Koti), Sub-Tehsil Dera Bassl, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1214 of March, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi).

> NATHU RAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 7-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Rcf. No. DBS/43/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 14 bighas 12 biswas situated at Village Rauni (Roti), Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer as Dera Bassi in March, 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ram Sarup and Amar Nath s/o Shri Parbhu and Smt. Bachni Babi, Smt. Somti daughter of Shri Parbhu r/o Village Rauni, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Basant Industries, 201, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, through Shri Surinder Singh, partner.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 12 biswas situated at Village Rauni (Roti), Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1215 of March, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. AML/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring about 700 sq. yards situated on Railway Road, Mandi Gobindgarh, situated at Mandi Gobindgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi Bachan Singh s/o Shri Maghi Ram, Shri Bachan Singh s/o Shri Raunak Singh, Shri Natha Singh s/o Shri Raunak Singh, all r/o Village Saunti, Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s/o Shri Hansraj and Shri Roshan Lal s/o Shri Hans Raj, R/o M/s. Matta Cloth House, No. 1, Municipal Market, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are delned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring about 700 sq. yards situated on Railway Road, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1485 of March, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. BRN/20/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property with area of 68'×20', situated at Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barnala in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Kumar s/o Shri Shiv Saran Dass Sood, c/o M/s. Sood Sons Tractors, College Road, Barnala.

(Transferor)

(2) S/Shri Vijay Kumar, Ravi Pal Sons of Shri Prem Nath Aggarwal, R/o Barnala, Tehsil Barnala.

(Transferee)

*(3) M/s. Friends Garrage, College Road, Barnala.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop/House property situated at Barnala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1163 of March, 1978 of the Registering Officer, Barnala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th November 1978

Seal:

*Strike off where notapplicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. TPA/38/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 67 kanal 10 marlas situated at Village Pakhon Kalan, sub-tehsil Tapa, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tapa in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

23-396GI/78

 Shri Niranjan Singh s/o Shri Kchar Singh, R/o Village Pakhon Kalan, Sub Tehsil Tapa, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Kaur Singh s/o Shri Kheon Singh, R/o Village Pakhon Kalan, Sub Tehsil Tapa, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 67 kanals 10 marlas situated in village Pakhon Kalan, Sub Tehsil Tapa.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 226 of March 1978 of the Registering Officer, Tapa.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. Raj/40/77-78.—Whereas, I. NATHU RAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land measuring 8 kanal 18 marlas situated at Rajpura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 427 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Singh s/o Shri Gurdev Singh, Mukhtiar Aam of Smt. Nasib Kaur D/o Smt. Prem Kaur, R/o Village Rajpura, Tehsil Rajpura.

(Transferor)

(2) Smt. Sham Kaur w/o Shri Bhagwan Singh and S/Shri Gurinder Singh, Amarjit Singh Sons of Shri Bhagwan Singh R/o Mohinder Ganj, Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

*(3) 1. M/s. Eagle Motel, Bye Pass, G.T. Road, Rajpura.

 M/s. Bhagwan Service Station, Bye Pass, G.T. Road, Rajpura.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanal 18 marlas situated at Rajpura.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3256 of March, 1978 of the Registering Officer, Rajpura).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. PTA/73/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 48-B, Model Town, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object

of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sampooran Singh s/o Shri Inder Singh, R/o Mohalla Arora, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Ram s/o Shri Des Raj, Deputy Director, 66-B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

*(3) The S.D.O. (REC), Const. Sub Division No. 2, P.S.E.B., 48-B, Model Town, Patiala.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 48-B, Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6014 of March, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 24th November 1978

Ref. No. CHD/111/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House property No. 2813, Sector 22-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 57);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mukand Singh s/o Shri Kapoor Singh, R/o V. & P.O. Jamalpur, Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Gurdas Singh and Shri Beant Singh Sons of Shri Kirpal Singh, R/o Village Mataur, Distt. Ropar Now at 60-BT Road, Calcutta.

(Transferee)

³ (3) M/s. Pal Model Primary School, 2813, Sector 22-C, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2813, Sector 22-C, Chandigarh (Plot No. 437).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1310 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 24th November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 24th November 1978

Ref. No. SML/50/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property known as 'Wood Lands' situated near St. Beads College, Chhota Simla, situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lilawati Kapoor Trust, through Manmohan Dass Kapoor, Sole Executor and Sole Trustee, Wood-Villa, Simla.

(Transferor)

(2) Dr. Balak Ram Verma s/o Shri Jindu Ram Verma, R/o Kangoo, Tch. Sunder Nagar, Distt. Mandi (H.P.) Now Dr. B. R. Verma (M.D.), 2787, Aldgate Drive, Bloomfield Hills, Michigan (USA) Through Shri Basant Ram s/o Shri Jindu Ram, G.A. of Dr. B. R. Verma, R/o Kangoo, Teh. Sunder Nagar, Distt. Mandi (H.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Wood Lands' situated near St. Beads College, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 185 of March 1978 of the Registering Officer, Simla).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 24th November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 24th November 1978

Ref. No. LDH/160/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 3 bighas 10 biswas 12 biswasies (Pukhta) situated at Village Jugiana, Teb. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Manwinder Kaur, Smt. Rajwinder Kaur and Smt. Jaswinder Kaur d/o Shri Tribhawan Singh and Shri Bhagwinder Singh s/o Shri Tribhawan Singh, R/o Village Jugiana Tch. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Industrial Corporation, Jugiana, Teh. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 10 biswas 12 biswasies (Pukhta) situated at Village Jugiana, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6667, of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 24th November 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 20th November 1978

Ref. No. 422/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. G on 2nd floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd., 6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Smt. Nilima Das, 25A, Southend Park, Calcutta-29.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said porperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. G on the 2nd floor of the building named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
(3rd floor), Calcutta-16

Date: 20-11-1978

(1) Sri Pratul Chandra Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Paresh Chandra Das. Sri Tapan Kumar Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st November, 1978

Ref. No. AC-43/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

161, situated at Block D-A Sector-1, Salt Lake City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4.4621 cottahs together with the one storeyed building thereon situated at plot No. 161, Bock D-A, Sector-1, Salt Lake City, Calcutta-64 more particularly as per deed No. 1515 dated 20-3-1978.

S. K. DASGUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 21-11-1978

(1) Smt. Monorama Rit. Sri Jagajoti Rit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gita Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st November, 1978

Ref. No. AC-44/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/1, situated at Haldarpara Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 16-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—24—396GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 9 chittaks 26 sft together with a building thereon situated at 12/1, Haldar Para Lane, P.S. Sibpore, Howrah more particularly as per deed No. 494 dated 16-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 21-11-1978

Harendra Nath Ghosh Tarak Chandra Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vinod Kumar Pasari Sitarum Pasari Amar Chand Pasari and Loknath Pasari.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 27th November 1978

Ref. No. AC-46/Acq.R-1V/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Dag No. 704 Kh. No. 1767, situated at Mouja Kotrung, P.S. Uttarpara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Serampore on 1-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 bighas 6 cottahs 13 chittaks 22 sft. situated at Dag No. 704, khatian No. 1767 in Mouja Kotrung, P.S. Uttarpara, District Hooghly.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 27-11-1978

(1) Sm. Sibrani Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Hemanta Kumar Jana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 29th November 1978

Ref. No. AC-47/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Dag No. 2082 and 2083

situated at Frazer Avenuc Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 13-3-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .06 acres and temporary structure thereon situated at Frazer Avenue (North of Shyam Syer) being Dag No. 2082 and 2083 in Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan more particularly as per deed No. 2378 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 29-11-1978

(1) Sm. Sibrani Chatterjee,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Hemanta Kumar Jana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 29th November 1978

Ref. No. AC-48/Acq.R-1V/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Dag No. 2083 and 2084

situated at Frazer Avenue Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burdwan on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .08 acres situated at Frazer Avenue (North of Shyam Syer) being Dag No. 2083 and 2084 in Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan more particularly as per deed No. 2189 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 29-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 179/Knp./78-79.—Whereas, I, VIJAY

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shyam Pyarl (Widow) Late Rajendra Narayan Mathur R/o 8/155, Arya Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Indrani Kuwanri (Widow) Late Brij Mohan Singh, R/o Village Kathethi, Akbarpur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

(3) As in 2 above.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 738 Sq. Yds. situated at West Block, Kaupur transferred for an apparent consideration of Rs. 46,494/- as against the stamp value of Rs. 75,000/-

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 166/Acq./Bidhuna/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bidhuna, Etawah on 21-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raj Kumar S/o Shri Surti Lal R/o Narayanpur Shahar, Bidhuna, Etawah. (Transferor)
- (2) Smt. Ramjanki (Widow) Late Ram Narayan R/o Narayanpur Shahar, Bidhuna, Etawah. (Transferee)
- (3) Shri Raj Kumar (Transferor).

 [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17.47 Acres situated at Village Narayanpur Shahar, Bidhuna, Etawan for an apparent consideration of Rs. 35,000/- as against fair market value of Rs. 1,39,760/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. Acq./195/Kpr./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Ram Kumari W/o Shri N. S. Verma, 113/190, Swarup Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Ashok Kumar; Suresh Kumar; Harish Kumar; Mahesh Kumar S/o Shri P. Dass R/o 119/22, Naseema Bad, Kanpur.

(Transferce)

(3) Smt. Ram Kumari W/o Shri N. S. Verma, 113/190, Swarup Nagar, Kanpur.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the faid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One constructed house covering 2000 sq. ft. on ground floor situated at 113/190, Swarup Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 1,70,000/- as against fair market value of Rs. 1,90,000/- as per report of the Valuation cell.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 54/Mecrut/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana, Meerut on 15-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Dulari W/o Shri Jai Prakash R/o Village Nagla Hareru, Hastinapur Khas, Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri Tilak Ram, Nanak Chand Tirkha Sons of Shri Chhotey, R/o Village Shamashpur, P.O. Lawad, Meerut.

(Transferee)

(3) As in 1 above.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Nagla Hareru, Hastinapur, Mawana, District Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 74,000/- as against Stamp Value of Rs. 1,48,770/-.

VUAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

8343

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 1/2/Saharanpur/78-79.--Whereas I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 20-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—
25-396GI/78

(1) Shri Bhoora Shah S/o Shri Salara, Village Khanpur, P.O. Raishi, Shaharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Singara Singh & Shri Mohan Singh, R/o Village Balla, Jullander, Village Khanpur, P.O. Raishi, Shaharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Khanpur, Pargana Jwalapur, District Shaharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 32,386/- as against fair market value of Rs. 65.200/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 52/Meerut/78-79.—Whereas, 1, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana, Meerut on 9-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nawab Singh S/o Shri Tara Chand, R/o Village Mubarakpur, P.O. Mawana Kalan, Meerut.

(Transferor)

 Shri Nauraj Singh S/o Shri Bachan Singh, R/o Mubarakpur, P.O. Mawana Kalan, Meerut.

(Transferee)

(3) Shri Nauraj Singh S/o Shri Bachan Singh.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Sadipur Seth, Pargana Hassanpur, Mawana, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 55,860/- as against fair market value of Rs. 87,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 89/Muz.Ngr./78-79/4168.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar on 21-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Ved Prakash S/o Shri Raghunandan Lal, R/o Moti Mahal, Muzaffar Nagar.

(Transferor)

- (2) Shri Kalu Ram S/o Beda Singh; S/Shri Sukhbir Singh, Karn Singh, Sher Singh, Babu Ram, Brijendra Singh, Bhonda S/o Rishal Singh etc. R/o Pina Parasa Baghra, Distt. Muzaffar Nagar.
- (3) Shri Kalu Ram etc.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Salempur Pargana & District Muzaffar Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 60,394/- as against Stamp value of Rs. 1,61,052/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 91/Acq./Frzbd./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozabad, Agra on 16-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagat Singh S/o Shri Pyare Lal R/o Vill. Hatawali, Ferozabad, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Aneg Singh S/o Shri Govind Singh R/o Vill. Hatawali, Ferozabad, Agra. Smt. Sharda W/o Shri Jagat Singh, R/o Vill. Hatawali, Ferozabad, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/- as against stamp duty value of Rs. 94,000/-. Agricultural land situated in the village Hatawali, Ferozabad, Distt. Agra.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 55/Acq./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 12-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Additional Collector (Finance & Revenue), Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Awadh Tiwari, Shri Jagat Narayan Tiwari, R/o F-T/73, Armapur Estate, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed boundary all around and four temporary rooms transferred for an apparent consideration of Rs. 64,200/- as against fair market value of Rs. 2,28,000/-. The transferred land is situated at L Block, Kakadeo, Kanpur.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 979/Acq./77-78.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khair, Aligarh on 15-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Fatte S/o Shri Chunni Singh R/o Village Bhamraula, P.O. Karanpur, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Liladhar S/o Shri Chhidda Singh, S/Shri Sukhbir Singh, Manbir Singh, Indrapal Singh S/o Shri Chhidda Singh, R/o Village Bhamraula, P.O. Karanpur, Distt. Aligarh.

(Transferce)

(3) As in 2 above.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/- as against stamp value of Rs. 79,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 94/Acq/Ferozabad/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARG Λ V

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 28-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Madhav Prasad Goenka
 S/o Seth Kanhaiya Lal Goenka,
 Shashi Goenka S/o Shri Madhav Pd. Goenka,
 R/o 17, Chitranjan Avenue, Calcutta.
 (Transferor)
- (2) S/Shri Chandra Kumar Jain, Jai Kumar Jain, Ashok Kumar Jain, Rajendra Kumar Jain Sons of Lala Maniramji Jain, R/o Chawki Gate, Ferozabad, Distt. Agra. (Transferce)
- (3) As in 2 above (Transferce)
 [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Five house properties situated at Ferozabad, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 3,20,000/- as against fair market value of Rs. 8,03,900/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 956/Acq./Bidhoona/77-78.—Whereas I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bidhuna, Etawah on 13-3-1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gajodhar S/o Shri Deshraj R/o Village Shabhad Badanpur, Bidhuna, Etawah

(Transferor)

Shri Maujilal S/o Shri Arjun Singh
 Shri Makrand Singh S/o Shri Beni Singh
 Village Shabhad Badanpur, Bidhuna,
 Etawah,

(Transferce)

(3) As in 2 above.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day; from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/- as against Rs. 72,000/- stamp value. The land is situated in Village Shabhad Badanpur, Ridhuna, Etawah.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Res. No. 393/Acq./Bilhaur/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilhaur on 3-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Shiv Kulari (Widow) W/o Shri Rajya Singh, Village Suhar Deva, Bilhaur, Kanpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Jagatpal Singh S/o Shri Munnoo Singh, Village Suhar Deva, Bilhaur, Kanpur.
 - (Transferee)
- (3) Shri Jagatpal Singh.
 [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring — Beeghas — Biswas situated at village Suhar Deva, Bilhaur, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/- as against stamp duty value of Rs. 90,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-11-1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 2/Acq./Kannauj/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kannauj on 17-3-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S/Shri Amar Singh, Balwant Singh, Pratap Singh, Kunwar Singh R/o
 Village Makrand Nagar, Kannauj, Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anjuman Ara W/o Shri Abdul Malik Smt. Neclah W/o Shri Abdul Muid Smt. Farjuna Wo Addul Avval R/o Paularian, Tannasi, Farrukhabad.

(Transferec)

(3) As in 2 above at [50,00] (...; 'i.e. of the property]

Objections, if any the the said property may be made in when to dersigned—

- (a) by any of the angular persons within a period of 45 days from the Official that for a period of 30 days from the service persons, whichever period days later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4 days from the date of the publication of the date of the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and appreciations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, ahall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDIE

Land and building equipped with oling chamber, cooling tank, one pump house etc. The ferred for an apparent consideration of Rs. 760,000 (1972)

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
ssioner of Income-tax,
ulsition Range, Kanpur

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW. 57-RAM TIRATH MARG

Lucknow, the 18th November 1978

Ref. No. 26-N/Acq.—Whereas I AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot at Bunglow No. 129 situated at Civil Lines, Bareilly, (and more fully described in the Scheduled exceed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 15-3-1978

for an apparent consideration—which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to etween the parties has not been truly stated in the said tastrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Radha Raman Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Mohan Singh Bedi.

(Transferee)

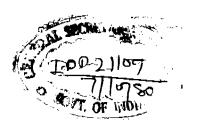
(3) Shri Radha Raman Agarwal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

A plot of land measuring 310 sqr. Meter situate at Bunglow, No. 129 civil lines Bareilly and all that which is mentioned in form 37-G No. 1632 dated 15-3-1978 and sale-deed which are registered at Office of the Sub-Registrar Bareilly.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-11-1978